RNI-MPHIN/2005/14721
Po-Malwa Div/244/2023-25
Desp. 02 May, 2023

अंक – 11 (मासिक) वर्ष – 18 मई, 2023 मूल्य 20/–

श्री माहेश्वरी टाईम्स

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

महासभा के 30 वें सत्र का करेंगे नेतृत्व

संदीप काबरा

संदीप काबरा
सभापति

अजय काबरा
महामंत्री

राजकुमार काल्या
कोषाध्यक्ष

प्रवीण सोमानी
संगठन मंत्री

'राष्ट्रीय युवा कुंभ' में दिखी युवा शक्ति

वैवाहिक डायरेक्ट्री
श्री माहेश्वरी मेलापक 2023
का प्रकाशन प्रारंभ

Visit us @
srimaheshwaritimes.com

बात हम सबकी
सुने हर शनिवार

Contemporary Range of Home Essentials, Crafted by Experts

FANS | LIGHTING
APPLIANCES | SWITCHES

Toll Free : 18001032676 | Email : customercare@rrglobal.com | Website: www.rrglobal.com | Follow us

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

RNI-MPHIN/2005/14721

अंक-11 ▸▸ मई 2023 ▸▸वर्ष-18

प्रेरणास्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती

सम्पादक
पुष्कर बाहेती

संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)
श्री नेमीचन्द तोषनीवाल (कोलकाता)
श्री जोधराज लड्ढा (कोलकाता)
श्री रामकुमार टावरी (दिल्ली)

अतिथि सम्पादक
विनोद कुमार बांगड़, किशनगढ़ (राज.)

परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा) मुम्बई/इन्दौर
घनश्याम करनानी (कोलकाता)

कला निदेशक
अक्षय आमेरिया

विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)

सम्पादकीय सलाहकार
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)
रामगोपाल मूंदड़ा (सूरत)
प्रो. कल्पना गगडानी (मुम्बई)
गोविन्द मालू (इन्दौर)

कार्यालय-
90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे),
साँवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
Phone : 0734-2526561, 2526761
Mobile : 094250-91161
e-mail : smt4news@gmail.com
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

▸ श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
▸ सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।

Sri Maheshwari Times
■ PNB A/c. No. : 0459002100043471
IFSC- PUNB0045900
■ ICICI A/c. No. : 030005001198
IFSC- ICIC0000300
Tariff of Membership
Rs. 900/- for Three years
Rs. 3500/- for Life Time (12 Years)

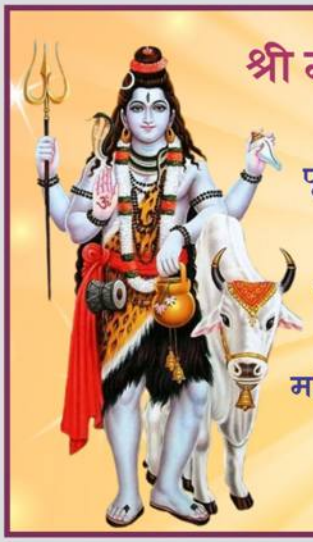

श्री माहेश्वरी टाईम्स की विनम्र अपील

समाज के उत्पत्ति दिवस 'श्री महेश नवमी' की पूर्व संध्या पर अपने आवास एवं प्रतिष्ठान पर एक

दीपक

समाज की एकता, अखण्डता व गरिमा के नाम अवश्य लगायें।

महेश नवमी के शुभ अवसर पर समस्त स्वजनों को हार्दिक मंगलकामनाएं।

श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार

विचार क्रान्ति

धर्म क्या है ?

धर्म क्या ह? शब्द पण्डितों से पूछो तो वे इसका शाब्दिक अर्थ बताते हुए कहेंगे कि मनुष्य का स्वभाव और कर्तव्य दोनों का अर्थ धर्म है। और पण्डितों से धर्म की परिभाषा पूछो तो अपने-अपने धर्म की मान्यताओं के अनुसार व्याख्या करेंगे। हिंदुओं के लिए ईश्वर में आस्था, पूजा-पाठ, जप-तप, व्रत-उपवास आदि धर्म हैं तो अन्य सम्प्रदायों के लिए उनकी मान्यता के मार्ग धर्म-पंथ हैं। जिन पर चलकर मनुष्य आत्मबोध या ब्रह्मबोध करता है। लेकिन क्या वास्तव में सम्प्रदायों द्वारा परिभाषित 'धर्म' ही सच्चा धर्म है?

इसका सुंदर और सबके लिए सर्वदा अनुकरणीय उत्तर महाभारत देता है। संस्कृत रचित इस महाकाव्य में देश, काल और परिस्थितियों के अनुरूप धर्म की अनेक परिभाषाएँ संकलित हैं। कहीं स्वधर्म का पालन धर्म है तो कहीं परोपकार धर्म है। किसी सन्दर्भ में युद्ध धर्म है तो किसी प्रसङ्ग में शांति धर्म है। किंतु मनुष्य मात्र के लिए धर्म क्या हो इसका मार्गदर्शन शांतिपर्व की कथा में पितामह भीष्म करते हैं।

कथा है कि शरशय्या पर लेटे पितामह से युधिष्ठिर ने पूछा कि किसी राष्ट्र की वृद्धि अर्थात् उन्नति कब होती है? इस पर भीष्म ने उत्तर दिया कि जिस राष्ट्र के सारे निवासी अपने धर्म का पालन करने के लिए संकल्पित होते हैं और व्रतपूर्वक पालन करते हैं, केवल वहीं राष्ट्र उन्नति की ओर अग्रसर होता है।

भीष्म कहते हैं, 'अक्रोधः सत्यवचनं संविभागः क्षमा तथा। प्रजनः स्वेषु दारेषु शौचमद्रोह एव च।। आर्जवं भृत्यभरणं नवैते सार्ववर्णिकाः।' अर्थात् किसी पर क्रोध न करना, सत्य बोलना, धन को आपस में बाँटकर भोगना, क्षमाभाव रखना, अपनी ही पत्नी से सन्तान उत्पन्न करना, बाहर-भीतर से पवित्र रहना, किसी से द्रोह न करना, सरल भाव रखना और भरण-पोषण योग्य व्यक्तियों का पालन करना, ये नौ सभी वर्णों के लिए उपयोगी धर्म हैं।

महत्वपूर्ण है कि भीष्म ने सभी वर्णों के लिए उपरोक्त नौ कर्तव्यों को धर्म कहा है। हमारे शासन स्पष्ट घोषणा करते हैं कि जन्म से सभी शूद्र हैं। कर्म के आधार पर ही उनका वर्ण निर्धारित होता है। आशय है छोटा या बड़ा कोई भी कर्म करने वाला क्यों न हो, यदि सब अपने आचरण और व्यवहार में अक्रोध, सत्य, सामूहिकता, क्षमा, शौच आदि को साध ले तो फिर किसी पूजा-उपासना की आवश्यकता ही न रहे।

साधो! देवाराधन और कथा-पूजन करना मात्र धर्म नहीं है। धर्म तो मन की शुचिता और कर्म की पारदर्शिता है। ईश्वर उन्हीं पर कृपा करता है जो अच्छे और सच्चे है। उन पर कभी कृपा नहीं करता जो ऊपरी स्तर पर बड़े धर्मालु हैं मगर जिनके मन में छल-कपट और व्यवहार में क्रोध, अशांति व असत्य भरा है।

■ डॉ. विवेक चौरसिया

सम्पादकीय

स्नेह कलश छलके...

सर्वप्रथम मैं समाज के उत्पत्ति पर्व 'महेश नवमी' की सभी पाठकों एवं समाजजनों को बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं। साथ ही समाज की सर्वांगीण प्रगति व सौहार्द्र की भगवान महेश से कामना करता हूं। इस पावन अवसर पर गरिमामय ढंग से लेकिन पूरे उत्साह के साथ समाज के इस उत्पत्ति पर्व को मनाने की अपील भी समस्त स्वजनों से करता हूं।

भगवान महेश हमारे समाज की उत्पत्ति के कारणभूत हैं। उनकी ही कृपा से हमने क्षत्रिय से वैश्य वर्ण का वरण किया और शस्त्र त्यागकर व्यवसाय की राह अपनायी। वर्तमान दौर में समाज संगठनात्मक चुनावों के दौर से गुजर रहा है। समाज के चुनावों से उत्पन्न गुटबंदी व कटूता चुनावों के बाद भी इस तरह हावी रहती है कि समाज की एकता और सौहार्द्र को छिन्न-भिन्न करने में कसर नहीं छोड़ती। याद रखें वैसे ही हमारा समाज अत्यंत छोटा है और इस स्थिति में हम और भी गुटों में बंट जाऐंगे तो हमारा अस्तीत्व क्या रहेगा? अतः इस महापर्व के अवसर पर हम संकल्प लें कि समाज में कटूता को स्थान नही देंगे और यदि मतभेद हैं तो उन्हें भी भगवान महेश के विषपान की तरह समाजहित में समाप्त कर परस्पर स्नेह व एकता का संदेश दें। याद रखें समाज में नेतृत्व करने वालों के पीछे ही समाज चलता है। अतः इस सुधार की शुरुआत भी शीर्ष को ही करना होगी। हर स्तर के चुनाव की गुटबंदी तथा मतभेद की चुनावों के तत्काल पश्चात इतिश्री हो जाऐ तथा बचे तो सिर्फ और सिर्फ समाज की भावना।

समाज की शीर्ष संस्था अ.भा. माहेश्वरी महासभा में इस बार पुनः नेतृत्व परिवर्तन हुआ है। यह अत्यंत सुखद है कि यह नेतृत्व परिवर्तन अर्थात् नवीन पदाधिकारियों का निर्वाचन पूर्णतः गुटबंदी तथा चुनावी कटूता से मुक्त ही हुआ है। इस बार भी पुनः निर्विरोध रूप से समाज के नेतृत्व का चयन कर महासभा ने फिर एक मिसाल पेश की है। इसमें महासभा के आगामी सत्र हेतु समाज के शीर्ष पद महासभा सभापति पद के चुनाव में अभी महामंत्री के रूप में सेवा दे रहे संदीप काबरा को सर्वसम्मति से सभापति निर्वाचित किया गया है। समाज श्री काबरा की संगठनात्मक तथा नेतृत्व क्षमता से पूर्णतः परिचित है। अतः सभी को आशा ही नहीं विश्वास है कि निश्चय ही श्री काबरा अपने कार्यकाल में सेवा की एक नयी मिसाल पेश करेंगे। मैं श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार की ओर से श्री काबरा व उनकी टीम को बहुत-बहुत बधाई प्रेषित करता हूं। महेश नवमी पर्व के साथ प्रारम्भ उनका कार्यकाल इतिहास के पृष्ठों पर अंकित हो, ऐसी भगवान महेश से कामना करते हैं।

गत 1 से 3 अप्रैल तक गोवर्धन में अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा अध्यक्ष राजकुमार काल्या के नेतृत्व में 'राष्ट्रीय युवा कुंभ' का महत्वपूर्ण आयोजन किया गया। इस आयोजन ने समाज की युवा प्रतिभाओं को मंच तो प्रदान किया ही। साथ ही समाज के युवाओं के स्टार्टअप के लिये मात्र एक दिन में 11 करोड़ की राशि एकत्र कर इतिहास बना दिया। इस ऐतिहासिक पहल के लिये युवा संगठन तथा श्री काल्या को मैं बहुत-बहुत बधाई देता हूँ।

पुनः सभी समाजजनों को महेश नवमी पर्व की बधाई देते हुए इस पर्व को स्नेह व सौहार्द्र के पर्व के रूप में मनाने की अपील करता हूं। श्री माहेश्वरी टाईम्स का यह अंक समाज के उत्पत्ति पर्व 'महेश नवमी' को समर्पित है। इसमें समस्त स्थायी स्तम्भों के साथ ही ऐसे विशिष्ट आलेखों को भी समाहित किया गया है, जो आपके लिये निश्चय ही संग्रहणीय रहेंगे। यह अंक कैसा लगा यह बताना न भूलें। आपकी प्रतिक्रिया ही हमारा प्रोत्साहन है।

पुष्कर बाहेती
सम्पादक

अतिथि सम्पादकीय

समाज में एक समर्पित समाज सेवी के रूप में अपनी पहचान रखने वाले श्री विनोदकुमार बांगड़ का जन्म 13 मार्च 1957 को स्व. श्री भगवान स्वरूप बांगड़ व श्रीमती प्रेमलता बांगड़ के यहां मदनगंज-किशनगढ़ जिला अजमेर (राज.) में हुआ था। पारिवारिक व्यावसायिक सोच के कारण कॅरियर के रूप में आपने स्वव्यवसाय का रास्ता ही चुना। आप वर्ष 1994 तक सुगंधित सुपारी पान मसाला निर्माण के व्यवसाय से सम्बद्ध रहे। वर्ष 1991 में मार्बल ग्रेनाईट व्यवसाय की शुरुआत की तो फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। वर्ष 2017 में विजय नगर (आंधप्रदेश) में ग्रेनाईट की फैक्ट्री शुरू की। वर्ष 2010 से सतत् किशनगढ़ मार्बल एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष हैं। समाज सेवा के अंतर्गत आप श्री गिरिराज धरण माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट गोवर्धन के 1999-2010 तक कोषाध्यक्ष व 2013-21 तक महासचिव रहे तथा वर्तमान में अध्यक्ष हैं। अ.भा. माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट द्वारिका के वर्ष 2011-17 में कोषाध्यक्ष रहे व वर्तमान में महासचिव हैं। वर्ष 1990 से रोटरी क्लब किशनगढ़ से संबद्ध रहते हुए 2003-04 में अध्यक्ष तथा 2014 में कांफ्रेंस चेयरमेन रहे हैं। वर्ष 2021 से पुनः क्लब अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। वर्ष 2003 में स्थानीय माहेश्वरी पंचायत संस्था के सचिव रहे। इन सबके साथ ही गोशाला आदि कई समाजसेवी संस्थाओं से भी संबद्ध होकर सतत रूप से अपनी सेवा देते रहे हैं।

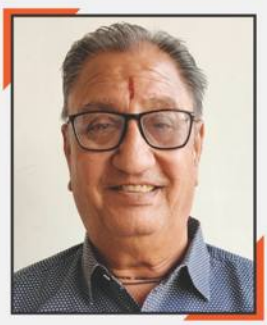

सामूहिक शक्ति का प्रतीक है संयुक्त परिवार

सर्वप्रथम मैं सभी स्वजनों को समाज के उत्पत्ति पर्व महेश नवमी की शुभकामनाऐं देता हूँ, साथ ही भगवान महेश से कामना करता हूँ कि वे समाज पर इसी तरह अपनी कृपा बनाऐं रखें। वास्तव में हमारे लिये महेश नवमी पर्व दीपावली से कम महत्वपूर्ण नहीं है। आखिर इसी दिन उन्होंने भगवान महेश से आशीष प्राप्त कर पुनर्जीवन प्राप्त कर वैश्य धर्म को अंगीकार किया था। आज यदि एक सफल वैश्य समाज के रूप में समाज अपनी गौरव पताका फहरा रहा है, तो इसमें उनकी ही कृपा तथा समाजजनों का समर्पण व परिश्रम निहित है। इन सबके बावजूद हम सभी में इस महापर्व को लेकर वह उत्साह नहीं जो दीपावली पर्व को लेकर होता है। यदि हम ही इसे महत्व नहीं देंगे तो इसका महत्व कैसे बढ़ेगा? अतः मैं सभी से विनम्र अपील करता हूँ कि सभी समाज के उत्पत्ति पर्व महेश नवमी को उसी उत्साह से मनाऐं जिस उत्साह से दीपावली मनाते हैं। सभी को लगना चाहिये कि माहेश्वरी समाज अपना उत्पत्ति पर्व मना रहा है।

आज समाज में अक्सर मुद्दा उठता है कि युवा वर्ग समाज की मुख्य धारा से दूर जा रहा है। तो याद रखें, किसी भी समाज ही नहीं बल्कि देश का भविष्य भी युवा पीढ़ी है। यदि हम यह कहें कि युवा पीढ़ी भविष्य ही नहीं बल्कि वर्तमान भी है, तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। ऐसे में यदि हम अपने देश व समाज के वर्तमान व भविष्य को संवारना चाहते हैं, तो हमें अपनी युवा पीढ़ी को तराशना होगा। याद रखें हीरे में प्रकृति प्रदत्त गुण तो होते हैं, लेकिन वे प्रस्फुटित तभी होते हैं जब उन्हें तराशा जाता है। इसी तरह हमारी युवा पीढ़ी ऊर्जा से भरपूर है, बस हमें उन्हें संस्कार व ज्ञान से तराशना है। यह काम सिर्फ और सिर्फ माता-पिता ही कर सकते हैं। जब हम उन्हें तराशेंगे तो उनकी ऊर्जा को सकारात्मक सोच प्राप्त होगी और ज्ञान उनकी इस सोच में सहयोगी बनेगा। फिर हमारे युवा वह करेंगे जिसे सम्पूर्ण विश्व सराहेगा। इसके लिये यह नितांत जरूरी है कि उन्हें हम समाज की मुख्य धारा में लाऐं। इसके बिना समाज के संस्कार उनमें रोपित कर पाना सम्भव नहीं। अतः समाज संगठन को भी इसी दिशा में सोच रखकर योजना बनानी होगी।

संयुक्त परिवार न सिर्फ संस्कृति की पाठशाला होते हैं बल्कि ये परिवार की सामूहिक शक्ति का प्रतीक भी हैं। इन सबके बावजूद हम आधुनिकता की दौड़ में इसके लाभ से वंचित होते जा रहे हैं। जबकि वर्तमान में भी यह असंभव नहीं है। हम तीन भाई हैं और तीनों ही वर्तमान में भी संयुक्त परिवार के रूप में रह रहे हैं। संयुक्त परिवारों के विघटन का कारण यह है कि शिक्षा संबंधी आवश्यकता को लेकर हमारे परिवार आपस के जुड़ाव व आत्मीयता से विमुक्त होते जा रहे हैं। शिक्षा एवं व्यवसाय समय की आवश्यकता तो है परंतु संयुक्त रहते हुए भी इनका निर्वहन किया जा सकता है। सामाजिक जीवन में आने वाले छोटे-बड़े उतार-चढ़ाव संयुक्त परिवार रूपी जहाज में सहज ही पार लग जाते हैं। एक समय था जब संयुक्त परिवार माहेश्वरी समाज की विशिष्ट पहचान हुआ करती थी। लेकिन वर्तमान में यह स्थिति नगण्य है। आने वाले महेश नवमी महापर्व पर हम सभी समाज के नागरिक यह संकल्प लेने का प्रयास करें कि संयुक्त परिवारों की संख्या में धीरे-धीरे बढ़ोत्तरी होती चली जाये। जब हम संकल्पित होंगे तभी सुधार की दिशा में ठोस कदम उठ पाऐंगे।

विनोद कुमार बांगड़, किशनगढ़ (राजस्थान)
अतिथि सम्पादक

श्री सोढल माताजी

टीम SMT

श्री सोढल माताजी का मंदिर राजस्थान के जैसलमेर शहर में किले की प्रथम प्रोल के अंदर श्री रामदेवजी के मंदिर के सामने स्थित है। श्री सोढल माताजी डाँगरा खांप की कुलदेवी हैं। इन्हें गोलकिया व पंसारी नखवाले भी मानते हैं।

चमत्कारिक स्थान

माताजी की मूर्ति अत्यंत प्राचीन एवं चमत्कारिक हैं। मंदिर 400 वर्ष पुराना बताया जाता है। चमत्कारिक मूर्ति होने से यहाँ अपनी मनोकामना पूर्ति के लिए नित्य ही श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रहती है। मंदिर में नवरात्रि में पूरे 9 दिन विशिष्ट आयोजन होते हैं। मंदिर में नियमित रूप से सुबह-शाम पुजारी द्वारा पूजा की जाती है।

कहां ठहरें: जैसलमेर में आने वाले श्रद्धालुओं के ठहरने के लिए माहेश्वरी सेवा सदन में उत्तम सुविधा उपलब्ध है। पर्यटन स्थल होने से होटल, मोटल व लॉज आदि भी यहाँ पर्याप्त संख्या में उपलब्ध हैं।

कैसे पहुँचें: जैसलमेर पहुँचने के लिए ट्रेन व बस सुविधा जोधपुर से उपलब्ध है। जैसलमेर में निजी टैक्सी अथवा आटो रिक्शा से मंदिर तक पहुँचा जा सकता है। अधिक जानकारी के लिए श्री नंदकिशोर डांगरा 'राधिका' मोती महल के पास फोन 02992-254448 से सम्पर्क किया जा सकता है।

राष्ट्रीय युवा कुंभ ने करवाऐ युवा शक्ति के दर्शन

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन ने रचा इतिहास, ऐतिहासिक सफलता के साथ आयोजित हुआ 'युवा कुंभ' - राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री काल्या

गोवर्धन। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा गोवर्धन, गिरिराज जी में 1-2-3 अप्रैल 2023 को 'राष्ट्रीय युवा कुंभ' का लगभग 3000 से अधिक युवा और समाज बंधुओं की उपस्थिति में आयोजन किया गया। 'राष्ट्रीय युवा कुंभ' की शुरुआत श्रीनाथजी का अभिषेक, ध्वजा मनोरथ तथा मुखारविंद पर शाही अभिषेक के साथ की गई। एक साथ सात स्थानों पर शाही अभिषेक किया गया।

राष्ट्रीय युवा कुंभ का उद्घाटन महासभा के सभापति श्याम सुंदर सोनी के मुख्य आतिथ्य तथा महिला संगठन की अध्यक्ष मंजू बांगड़, निवर्तमान अध्यक्ष आशा माहेश्वरी, युवा संगठन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश तापड़िया व राधाकिशन सोमानी के आतिथ्य व युवा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार काल्या की अध्यक्षता में हुआ। रूपल मोहता, नंदकिशोर जेथलिया, प्रकाश लड्ढा, ओम तापड़िया की विशेष उपस्थिति रही। राष्ट्रीय महामंत्री आशीष जाखोटिया, कार्यक्रम समन्वयक राहुल बाहेती, भरत तोतला, आशीष सारडा, सुरेंद्र रांधड तथा कार्यक्रम प्रभारी शरद सोनी, रुपेश सोनी, केशव डागा, अर्पित धूत, सी पी नामधरानी, राधे तोषनीवाल व प्रदीप लड्ढा ने पूरे कार्यक्रम की बागडोर संभाल रखी थी। महिला संगठन की कोषाध्यक्ष किरण लड्ढा, संगठन मंत्री ममता मोदानी, शोभा सादानी, महासभा के संयुक्त मंत्री दक्षिणांचल सुरेंद्र मानधने व विष्णुकांत भूतड़ा, आनंद सोनी रामनिवास मानधना, अनिल मानधनी, कमल भूतड़ा, नारायण मालपानी, प्रवीण सोमानी, रमेश मनिहार, दीपक चांडक, विवेक मोहता, अमित सारडा व सवाई चांडक की विशेष उपस्थिति रही। साथ ही नगर पालिका गुलाबपुरा चेयरमैन सुमित काल्या सत्यनारायण काबरा व गणेशलाल बाहेती की भी विशेष उपस्थिति रही।

आगंतुकों की सुविधा का पूरा ध्यान

कार्यक्रम गिरवर निकुंज, परिक्रमा मार्ग पर आयोजित किया गया एवं 23 अलग-अलग स्थानों पर ठहराने की व्यवस्था की गई। आने जाने के लिए 200 से अधिक इलेक्ट्रॉनिक ऑटो की व्यवस्था की गई। भव्यता व गाजे-बाजे के साथ परिक्रमा मार्ग में शोभायात्रा निकाली गई जिसमें प्रख्यात भजन गायक द्वारका मंत्री द्वारा भजन गाए गए। गिरिराज जी को 13 किलोमीटर लम्बे मुख्य परिक्रमा मार्ग में धोती ओढाई गई। यह ऐसा प्रथम अवसर है कि पूरे परिक्रमा मार्ग पर ठाकुर जी को धोती पहनाई गई हो। गिरिराज जी निवासी आमजन परिक्रमा मार्ग की सड़कों पर निकल कर आ गये। उन सबके लिए भी यह नया विषय था क्योंकि ऐसा अनूठा कार्य पूर्व में कभी भी नहीं किया गया। संपूर्ण कार्यक्रम में भारतवर्ष के 27 से अधिक प्रदेशों तथा नेपाल, दक्षिण अफ्रीका, दुबई आदि से समाज बंधु व युवा साथी पधारे तथा कार्यक्रम की व्यवस्थाओं के लिए गिरिराज जी में समाज का एक भी परिवार निवासरत नहीं होने के बावजूद 400 से अधिक कार्यकर्ता जुटे रहे।

बिजनेस कॉन्क्लेव में विशिष्ट मार्गदर्शन

बिजनेस कॉन्क्लेव में देश के जाने-माने प्रख्यात स्पीकर्स रिलायंस रिटेल के सीईओ दामोदर मल, संदीप मल, अनंत लड्ढा, मनीष मूंधड़ा व प्रीति राठी ने हिस्सा लिया और हजारों की संख्या में युवा साथियों ने बिजनेस के गुर सीखे। 'शार्क कुंभ' स्टार्टअप में 5 करोड रुपए से अधिक का फंड इन्वेस्टमेंट कार्यक्रम के दौरान ही प्राप्त हो गया तथा लगभग 6 करोड रुपए और फंड इन्वेस्टमेंट किए जाने की संभावना है। इस तरह से समाज में पहली बार एक प्रोग्राम में लगभग 11 करोड की राशि स्टार्टअप में इन्वेस्टमेंट किया जाना अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। कार्यक्रम के दौरान अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन की पंचम कार्यकारी मंडल बैठक एवं षोडश कार्य समिति बैठक का आयोजन ब्रिज वसुंधरा रिसोर्ट पर हुआ जिसमें कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। गिरिराज जी को 3100 किलो का छप्पन भोग लगाया गया जिसके यजमान अशोक सोमानी, योगेश मानधनी, अरुण लखानी व सभी युवा साथियों व समाज बंधुओं को 1-1 छप्पन भोग का डिब्बा वितरित किया गया। फूलों की होली व भव्य भजन संध्या में ध्रुव शर्मा और स्वर्णाश्री के मधुर भजनों पर सभागार में उपस्थित हजारों की संख्या में युवा साथी व समाज बंधु मंत्रमुग्ध हो गए और थिरकते हुए नाचने लगे। लगभग 500 समाज बंधुओं ने गिरिराज जी की सामूहिक दंडवत परिक्रमा की। एक से एक कड़ी के रूप में जुड़ कर एक साथ दंडवत परिक्रमा करने का यह अनूठा संगम था। समापन समारोह में राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार काल्या व राष्ट्रीय महामंत्री आशीष जाखोटिया द्वारा सभी आगंतुक अतिथियों एवं वर्तमान तथा पूर्व राष्ट्रीय युवा संगठन के पदाधिकारियों व पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष महामंत्रियों तथा महासभा व महिला संगठन के पदाधिकारियों को विशेष योगदान व सहयोग के लिए सम्मानित किया गया। शरद सोनी ने सभी आगंतुक अतिथियों का आभार प्रकट किया।

पटना। अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन के तत्वावधान में झारखंड बिहार प्रदेश के सभी अंचलों में हनुमान प्राकट्य उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। झारखंड बिहार प्रदेश के सभी जिलों में सामूहिक रूप से मंदिर एवं घरों में सुंदरकांड पाठ, हनुमान चालीसा एवं भजन किया गया। कही हनुमान जी की झांकी तो कही बाल हनुमान के रूप में प्रतिमा को सजाया गया। प्रदेश महिला संगठन मीडिया प्रभारी रश्मि मालपानी ने बताया कि बोकारो शाखा में सामूहिक हनुमान शोभा यात्रा, फारबिसगंज शाखा में निशान यात्रा, जमशेदपुर में शिव मंदिर परिसर, रांची के लक्ष्मी नारायण मंदिर प्रांगण, कर्ज़ाइन एवं चाईबासा के हनुमान मंदिर, एवं बाकि जिलों में घर में ही सामूहिक रूप से हनुमान जन्म उत्सव मनाया गया। सभी जिलों से किशनगंज 51, गुमला 7, गुलाब बाग 141, रांची 30, जमशेदपुर 21, करजाइन 23, देवघर 40,पटना 21, धनबाद 26, बोकारो 108, जोगबनी 14, मुजफ्फरपुर 29 फारबिसगंज 108,कोडरमा 51, चक्रधरपुर 21, चाईबासा 31 रोसरा 18, मुरलीगंज 21 कुल 751 सुंदरकांड पाठ हनुमान प्रकट्य उत्सव में किया गया।

रतलाम। हनुमान जयंती के उपलक्ष में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी रामबाग चिंताहरण हनुमान मंदिर में तीन दिवसीय हनुमान जन्मोत्सव कार्यक्रम रामबाग हनुमान मंदिर समिति एवं माहेश्वरी समाज के तत्वावधान में रखा गया। रामबाग हनुमान मंदिर समिति के डॉ. तापड़िया, आदित्य डागा, आशीष मूंदड़ा व विनोद तोषनीवाल ने बताया कि इसके अंतर्गत प्रथम दिन हनुमान जी महाराज का तेलांग अभिषेक किया गया। इसके पश्चात अखंड रामायण पाठ का आयोजन हुआ। द्वितीय दिन अखंड सुंदरकांड पाठ व भजन का आयोजन किया गया। तृतीय दिवस हनुमान जयंती के दिन प्रातः हवन व दोपहर 12 बजे महाआरती व उसके पश्चात महाप्रसादी का आयोजन रखा गया। रामबाग हनुमान मंदिर परिसर में नवीन भवन का लोकार्पण छोटी-छोटी कन्याओं व माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष शैलेंद्र डागा एवं उपाध्यक्ष डॉ. बीएल तापड़िया, संरक्षक माधव काकानी व सचिव नरेंद्र बाहेती के कर कमलों द्वारा किया गया। लोकार्पण के समय निगम अध्यक्ष मनीषा शर्मा भी उपस्थित रही। उन्होंने इस नवीन भवन के निर्माण में जिन समाज बंधुओं ने सहयोग दिया उनको प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। अतिथि स्वागत समाज अध्यक्ष शैलेंद्र डागा ने किया।

निजामाबाद। श्री हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर शहर में निकलने वाली तेलंगाना राज्य की सबसे भव्य शोभा यात्रा का मारवाड़ी युवा मंच, निजामाबाद शाखा द्वारा स्वागत शहर के हृदय स्थल गांधी चौक पर मंच के अध्यक्ष पवन कुमार मुन्दड़ा की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में मारवाडी युवा मंच निजामाबाद शाखा के संस्थापक सदस्य ओमप्रकाश दायमा उपस्थित थे। शोभा यात्रा में शामिल भक्तों के लिये शीतल पेय एवं कोल ड्रिंक की बोतलों का भी वितरण मंच द्वारा किया गया। कार्यक्रम संयोजक अनिल दायमा, उप संयोजक - उदय उपाध्याय (उप मन्त्री), संदीप राठी एवं योगेश दायमा थे। इस अवसर पर उपाध्यक्ष अंकुश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष आनन्द मोदाणी, संगठन मन्त्री अनिल मुन्दड़ा, समस्त सदस्यगण एवं पूर्व पदाधिकारी व सदस्यगण भी उपस्थित थे।

डेगाना। ग्राम चादारुन डेगाना में श्री हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर श्री बाल हनुमान मंदिर में 5 से 7 अप्रैल तक कथा का आयोजन किया गया। उक्त जानकारी देते हुए नंदकिशोर मोदानी ने बताया कि अंतिम दिवस को भव्य शोभायात्रा निकली तथा भजन संध्या का आयोजन भी किया गया। इसमें नागपुर, हैदराबाद, बैगलौर, दिल्ली, इंदौर व कलकत्ता आदि कई स्थानों से आये श्रद्धालुओं ने धर्म लाभ लिया।

कोंढाली। श्री सार्वजनिक हनुमान मंदिर बाजार चौक कोंढाली में दो दिवसीय हनुमान जी महाराज के जन्म महोत्सव का आयोजन ट्रस्ट की ओर से किया गया। 5 अप्रैल बुधवार को सबेरे प्रात 9 बजे कलश स्थापना व हनुमानजी का अभिषेक व पूजन कर श्री तुलसीदासजी द्वारा रचित श्री रामचरितमानस जी का संगीतमय अखण्ड पाठ का आयोजन किया गया। 6 अप्रैल हनुमान जन्म महोत्सव पर प्रात 6 बजे महाअभिषेक किया गया, तदुपरांत षोडश उपचार पूजा कर आरती की गई और शाम 4बजे आरती कर महाप्रसाद का वितरण किया गया। श्री पंच दशनाम जूना अखाड़ा कोंढाली के महंत स्वामी श्री सूर्यानंद गिरी महाराज विशेष रूप से उपस्थित रहे। इसमें श्री सार्वजनिक हनुमान मंदिर ट्रस्ट कोंढाली व रामायण मंडल कोंढाली का योगदान रहा।

इस बार समाज में हनुमान जन्मोत्सव का विशिष्ट उत्साह दिखायी दिया। अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन के आह्वान पर समाज ने सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा तथा सुन्दरकांड के पाठ कर उत्साह पूर्वक हनुमान जन्मोत्सव मनाया।

समाज ने धूमधाम से मनाया हनुमान जन्मोत्सव

फारबिसगंज। हनुमान जन्मोत्सव पर फारबिसगंज माहेश्वरी सभा, माहेश्वरी महिला मंडल एवं माहेश्वरी युवा संगठन ने मिलकर एक निशाना यात्रा निकाली। यह निशान यात्रा संकट मोचन हनुमान मंदिर से निकल कर पोस्ट ऑफिस चौक, सदर रोड, स्टेशन चौक होते हुऐ 108 श्री लक्ष्मी नारायण मारवाडी ठाकुर बाड़ी पहुँची। रास्ते में जगदम्बा ज्वेलर्स ने ज्यूस और जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पानी की व्यवस्था की। बड़ी संख्या में समाजजनों ने उपस्थित होकर इस आयोजन को सफल बनाया।

हापुर। हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में माहेश्वरी महिला मंडल ने 6 अप्रैल को आर्य नगर स्थित माहेश्वरी मंदिर में एकत्रित होकर सुंदरकांड व हनुमान चालीसा का पाठ किया। माहेश्वरी महिला मंडल अध्यक्ष आशा सोमानी व सचिव प्रीति माहेश्वरी के साथ लाल पीली साड़ियों में उपस्थित सभी माहेश्वरी महिलाओं ने भोग लगाया व दीपक जलाए। हनुमान जी की आरती कर इसी प्रकार एकता के भाव से सभी त्योहार एकत्रित होकर मनाने का निर्णय लिया गया। सभी ने माहेश्वरी समाज हापुड़ में निरंतर प्राप्त हो रही दुःखद सूचनाओं के अंत के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर प्रदेश सह सचिव श्वेता महेश्वरी, मधुबाला माहेश्वरी, शालिनी माहेश्वरी, मंजू माहेश्वरी, आशा तापड़िया, मधु मालू, शीला महेश, साधना लोया, अल्का माहेश्वरी व समीक्षा माहेश्वरी आदि उपस्थित थीं।

नागपुर। झोन-6 नगर माहेश्वरी सभा ने रामभक्त हनुमानजी का जन्मोत्सव लक्ष्मीनगर स्थित श्रीसिद्ध हनुमान मंदिर में धार्मिक परंपरा, आरती, पूजा एवं प्रसाद वितरण के साथ मनाया। नगर माहेश्वरी सभा झोन 6 की तरफ से श्री सिद्ध हनुमान मंदिर लक्ष्मीनगर मे 1500 ग्लास आम पना का वितरण हुआ। इस आयोजन में मंदिर विश्वस्त-घनश्याम राठी एवं सचिव-शेखर कपले का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। लक्ष्मी अनुबंध माहेश्वरी महिला मंडल का इस प्रसाद वितरण में सहयोग रहा। प्रकाश पनपालिया-अध्यक्ष, अजय नबीरा-सचिव, दिनेश राठी-निर्वतमान अध्यक्ष नागपुर जिला माहेश्वरी सभा, सुरेश गांधी, रमाकांत कलंत्री, योगेश नावंदर, दिनेश लद्धड़, गिरीश चांडक, मुकेश राठी, अजय डागा आदि समस्त समाजजनों का सहयोग प्राप्त हुआ। उक्त जानकारी प्रचार प्रसार मंत्री रविन्द्र चाण्डक ने दी।

रतनगढ़। स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल ने हनुमान जन्मोत्सव चूरू ज़िला संयुक्त मंत्री सरिता चांडक के घर पर मनाया। इसमें भजन, नृत्य, सुंदरकांड का पाठ किया गया व अंजनी माता व हनुमानजी की झांकी भी सजाई गयी। हनुमानजी के जन्म पर कमला चांडक ने सभी को बधाई दी। इस मौके पर चुरू जिला महिला मंडल की जिला उपाध्यक्ष चंदा देवी सोनी, तहसील कोषाध्यक्ष सुनीता झंवर, मंजू पेड़ीवाल, सीता देवी तापड़िया, किरण देवी तापड़िया, वीणा झंवर, मंजू आगीवाल, प्राची तापड़िया आदि उपस्थित थीं। कार्यक्रम का संचालन वेदिका चांडक ने किया।

शीतल जल शाला का शुभारंभ

निजामाबाद। प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी जिला माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा स्थानीय राजस्थान भवन के सामने राहगीरों की सेवा हेतु शीतल जल शाला का शुभारंभ किया गया। इस पावन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मदनलाल गिल्डा एवं विशेष अतिथि मल्लेश गुप्ता उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्री गणेश की पूजा-अर्चना के साथ हुआ। कार्यक्रम के संयोजक संदीप कुमार राठी एवं मयूर बंग ने मुख्य अतिथि मदनलाल गिल्डा का पुष्प गुच्छ और शाल से सम्मान किया। कार्यक्रम के उप संयोजक गौरव झंवर एवं यश बजाज ने विशेष अतिथि मल्लेश गुप्ता का पुष्प गुच्छ और शाल से सम्मान किया। माहेश्वरी महिला मंडल से उपाध्यक्ष शाकुंतला मालू, मंत्री शारदा मोदानी, निशा छापरवाल आदि के साथ निज़ामाबाद जिला माहेश्वरी युवा संगठन के अध्यक्ष गोविंद झंवर, उपाध्यक्ष गोविंद मालू, मंत्री राज गोपाल बंग, उपमंत्री मोहित बजाज, कोषाध्यक्ष गोपाल मूंदड़ा, तेलंगाना आंध्र प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन के कार्यकारणी सदस्य पवन मूंदड़ा, श्रीकान्त झंवर, मधुसूदन मालू आदि उपस्थित थे।

बॉयोडाटा अवलोकन कार्यक्रम सम्पन्न

भीलवाड़ा। मेवाड़ माहेश्वरी मंडल मुंबई के तत्वावधान में मेवाड़ माहेश्वरी मंडल भीलवाड़ा द्वारा गत 2 अप्रैल 2023 प्रथम रविवार को 14वां मासिक परिचय-पत्रक (बायोडाटा) अवलोकन कार्यक्रम एक से चार बजे तक माहेश्वरी भवन, नागोरी गार्डन, भीलवाड़ा में संपन्न हुआ। प्रहलाद राय लड्ढा-मंत्री जिला महेश सेवा निधि, राम राय सेठिया-जिला उपाध्यक्ष, रमेश राठी-जिला मंत्री, सुनील मूंदड़ा, श्रवण समदानी, ओम प्रकाश मालू, अशोक चांडक व सम्पत माहेश्वरी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम प्रारंभ किया। कार्यक्रम में भीलवाड़ा जिला व अन्य जिलों के समाजजन ने भाग लिया और बायोडाटा का अवलोकन किया। श्रवण समदानी ने बताया कि भीलवाड़ा मुख्यालय के साथ चित्तौड़, जयपुर, उदयपुर, कोटा, मुंबई, सूरत, अहमदाबाद में भी शाखाएं प्रारंभ की गई है जिसमें सभी बायोडाटा भीलवाड़ा मुख्यालय की तर्ज पर ही उपलब्ध हैं।

अदब सिखना है तो कलम से सीखो
जब भी चलती है सिर झुकाकर चलती है।

एकल नाटक की हुई प्रस्तुति

बेंगलूरु। माहेश्वरी महिला मंडल की सचिव निर्मला काँकाणी ने बताया कि गत 26 मार्च को कलाकार अंजना चांडक ने द्रौपदी-एकांकी एकल नाटक माहेश्वरी भवन में प्रस्तुत किया। माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष निर्मलकुमार तापडिया, महिला मंडल की सलाहकार सदस्य प्रकाश मून्दड़ा, माहेश्वरी फ़ाउंडेशन के अध्यक्ष राज गोपाल भूतड़ा, माहेश्वरी सौहार्द क्रेडिट कोऑपरेटिव लिमिटेड के अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण डागा, कार्यक्रम के प्रायोजक संगीता दीपक साबू, कान्ता मोहनलाल सोमानी आदि अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अंजना चांडक का सम्मान अध्यक्षा श्वेता बियाणी, सलाहकार सदस्य सवित्री मालू, सुशीला बागड़ी, पुष्पा सारड़ा, निवर्तमान अध्यक्षा कान्ता काबरा, कोषाध्यक्ष शोभा भूतड़ा ने शोल ओढ़ाकर किया। कार्यक्रम का संचालन अनुश्री मालू ने किया। बैंगलोर माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा गणगौर का सिंजारा कार्यक्रम 13 मार्च को माहेश्वरी भवन में आयोजित किया गया। सचिव निर्मला काँकाणी ने बताया कि गणगौर माता की पूजा अध्यक्ष श्वेता बियाणी व सलाहकार सदस्यों ने मिलकर की। वयोवृद्ध सम्मान सोहन देवी सोढानी का श्रीफल व शोल ओढ़ाकर किया गया। नव निर्वाचित कर्नाटक गोवा प्रान्तीय माहेश्वरी महिला संगठन की सचिव सुनिता लाहोटी, संस्कृति मन्त्री सुलोचना जाजू, ज़िला उपाध्यक्ष चन्द्र कला राठी, सहसचिव विजयलक्ष्मी सारड़ा का भी सम्मान किया गया। आनन्द मेला उत्तम 2022 से प्राप्त राशी को कर्नाटक मारवाड़ी युथ फ़ेडरेशन द्वारा संचालित डायलिसिस सेंटर को 106 मरीज़ों के इलाज के लिए राशि प्रदान की गई। मनोरंजक कार्यक्रम में नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सरप्राइज़ प्रतियोगिता का भी आयोजन हुआ।

प्रगति मंडल ने ली पद की शपथ

रतलाम। माहेश्वरी महिला प्रगति मंडल द्वारा शपथ विधि समारोह नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष ललिता सोमानी के आतिथ्य में आयोजित हुआ। माहेश्वरी महिला प्रगति मंडल रतलाम की नवनिर्वाचित अध्यक्ष राजकुमारी काबरा, सचिव अनीता लखोटिया एवं समस्त कार्यकारिणी का स्वागत वर्तमान अध्यक्ष प्रेमलता मंत्री ने किया। समाज अध्यक्ष शैलेंद्र डागा एवं सचिव नरेंद्र बाहेती भी उपस्थित थे। सामाजिक उपयोग हेतु उनको प्रगति मंडल ने स्टील का तस्वीर लगाने का स्टैंड भी प्रदान किया। कार्यक्रम का संचालन मीनू आगार व उमा राठी ने किया।

गणगौर एक्सप्रेस का आयोजन

नागपुर। माहेश्वरी महिला संगठन, सिताबर्डी द्वारा सखियो के संग गणगौर सिंजारे की थीम गणगौर एक्सप्रेस का आयोजन माहेश्वरी पंचायत भवन में किया गया। अध्यक्ष निशी सांवल ने बताया कि कार्यक्रम में राजस्थानी लोकगीतों की मधुर स्वरलहरियों पर महिलाओं ने नृत्य किया। नृत्य-नाटिका में नागपुर के विभिन्न क्षेत्रों से कुल 50 सखियों ने हिस्सा लेकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के रूप मे डॉ. कला साबु की गरिमामयी उपस्थिति रही। माहेश्वरी पंचायत अध्यक्ष शिवदास राठी, युवा संगठन सचिव शैलेश मोकाती, विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष सुषमा बंग, नागपुर जिला माहेश्वरी महिला संगठन अध्यक्ष प्रगति माहेश्वरी की विशेष उपस्थिति रही। मंच संचालन अर्पणा टावरी द्वारा किया गया। सचिव पूनम झंवर ने सभी का आभार व्यक्त किया। मनोरंजक हाऊजी भी खेलायी गयी।

शीतल जलशाला का शुभारम्भ

निजामाबाद। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी ग्रीष्मकाल को ध्यान में रखते हुए मारवाड़ी युवा मंच शाखा द्वारा स्थानीय RTC बस स्टैण्ड में यात्रियों के सुविधार्थ शीतल जल शाला का उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वेदप्रकाश मित्तल की उपस्थिति में हुआ। मंच के अध्यक्ष पवन मुन्दड़ा ने शुभारम्भ हुआ। मुख्य अतिथि श्री मित्तल का मंच के अध्यक्ष पवन मुन्दड़ा एवं विशेष अतिथि डीएम आनन्द का स्वागत मन्त्री श्रीकांत झँवर एवं डॉ नवीन मालू का कार्यक्रम संयोजक अनुराग भांगडिया व योगेश दायमा ने स्वागत किया। इस अवसर पर मंच के उपाध्यक्ष अंकुश अग्रवाल, उप मन्त्री उदय उपाध्याय, कोषाध्यक्ष आनन्द मोदाणी, संगठन मंत्री अनिल मून्दड़ा आदि कई सदस्य उपस्थित थे।

अच्छाई एक न एक दिन अपना असर जरूर दिखाती है भले ही थोड़ा वक्त ले ले बस सब्र का दामन पकड़ कर रखें वक्त आपका ही होगा।

जिला अध्यक्ष बाहेती का स्वागत

भीलवाड़ा। जिला माहेश्वरी सभा के नव निर्वाचित अध्यक्ष अशोक बाहेती का संगठन आपके द्वार के तहत जिला कार्यकारी समिति एवम् मांडल तहसील कार्यकारिणी के साथ बागोर आगमन पर बालाजी मार्केट में सोनी परिवार द्वारा मेवाड़ी परम्परा अनुसार जोधपुरी पाग पहनाकर स्वागत सत्कार किया गया। इस अवसर पर अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के कार्यकारी मण्डल सदस्य ओमप्रकाश बिड़ला मांडल बागोर के बालमुकुंद, रामपाल रामजस पारस ओम बालू अभिषेक, शिवम् हिमांशु बाबू मनोहर सोनी, महिला मंडल की अध्यक्ष ऋतु बाला सोनी आदि उपस्थित थे। उक्त जानकारी रामजस सोनी ने दी।

नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का स्वागत

हैदराबाद। सिकंदराबाद जिला माहेश्वरी सभा में माहेश्वरी समाज महाराजगंज हैदराबाद क्षेत्र के निर्विरोध निर्वाचित हुए पदाधिकारियों का स्वागत किया गया। इसमें अध्यक्ष भगवान भाई पंसारी एवं कार्यालय मंत्री रामदेव सारडा, परामर्शदाता नंदगोपाल भट्टड़, मंत्री नरेश भूतड़ा, कोषाध्यक्ष दीपक बलदवा, उपाध्यक्ष श्रीराम नावंदर व कोर कमिटी के सभी सदस्य आकाश काकानी, अभिषेक इन्नानी, अभिषेक सारडा, गोपाल राठी,दिनेश सारडा, दीपक भट्टड़, महेश साबू, ओमप्रकाश असावा आदि उपस्थित थे।

गणगौर पर्व का हुआ आयोजन

नागपुर। राजस्थानियों का गणगौर पर्व उमंग उल्लास उत्साह के साथ उनके आन बान और शान का प्रतीक भी है। इस अवसर पर ईशर गवर का बिंदोला लकड़गंज़ निवासी मीना हरीश बिन्नानी के घर आयोजित किया गया। अति आकर्षक झांकी में विराजे गवर ईशर की पूजा अर्चना के साथ परम्परागत और आधुनिक गीतों का गुंजन किया गया। आरती, प्रसाद के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। समस्त सदस्याओं की उपस्थिति ने कार्यक्रम को गरिमा प्रदान की।

फुलपाती का किया आयोजन

उज्जैन। श्री माहेश्वरी मेवाड़ा थोक पंचायत महिला मंडल द्वारा फुलपाती का आयोजन गोलामंडी धर्मशाला मे किया गया। कार्यक्रम मे समाज की महिलाओ के बीच नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मंडल द्वारा सभी प्रतियोगियों को पुरुस्कृत किया गया। मंडल की दो वरिष्ठ सदस्याओं हेमलता गांधी एवं शोभा मुन्दडा का सम्मान किया गया। मंडल की अध्यक्षा संगीता भूतड़ा व सचिव संध्या हेडा की उपस्थिति में गणगौर को झाले दिये गये। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि विष्णुकांता भूतड़ा एव निर्मला देवपुरा थीं। संचालन आरती सोडानी एवं सीमा परवाल ने किया। आभार रेखा मंत्री ने माना। कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष ज्योति राठी, उषा सोडानी, तेजू देवी तोषनीवाल, पुष्पा मंत्री शांता मंडोवरा, रश्मि लड़ढ़ा, गीता तोतला, सुधा दीदी, पायल, भूतड़ा, शीतल मुदड़ा, सीमा कासट, वंदना जैथलिया आदि उपस्थित थीं।

डागा का हुआ सम्मान

देवास। माहेश्वरी माहेश्वरी समाज देवास के मीडिया प्रभारी राजेंद्र मूंदड़ा ने बताया कि 5 अप्रैल 2012 को श्री सांवरिया नाथ मंदिर का जीर्णोद्धार कर भव्य रूप दिया गया था। इसी संदर्भ में मंदिर के स्थापना दिवस के अवसर पर 5 अप्रैल को प्रभु का भव्य श्रृंगार, पूजा एवं महा आरती का आयोजन किया गया। श्री सांवरिया नाथ मंदिर का जीर्णोद्धार स्व. श्री नारायण दास मूंदड़ा की प्रेरणा से संभव हो पाया। इस अवसर पर भेरूगढ़ स्थित माहेश्वरी धर्मशाला में नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष कैलाश डागा, महामंत्री प्रकाश मंत्री, कोषाध्यक्ष दिनेश एम. भूतड़ा, प्रदेश प्रतिनिधि मुरलीधर मानधनिया एवं दिनेश बी. भूतड़ा तथा महिला संगठन की जिला अध्यक्ष मंगला परवाल एवं उपाध्यक्ष शोभा चिचाणी का समाज अध्यक्ष मनोज बजाज, सचिव अनिल झंवर सहित समाज बंधुओं ने शाल श्रीफल से स्वागत सम्मान किया। महिला संगठन की अध्यक्ष चेतना माहेश्वरी एवं पूर्व अध्यक्ष मंजुला लाठी आदि ने जिला अध्यक्ष श्री डागा के साथ जिला महामंत्री प्रकाश मंत्री तथा महिला संगठन की जिला अध्यक्ष मंगला परवाल एवं उपाध्यक्ष शोभा चिचाणी का भी स्वागत किया।

गणगौर की निकली शोभायात्रा

रायपुर। माहेश्वरी सभा द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी पारम्परिक पर्व गणगौर शोभायात्रा एवं गणगौर की प्रासादी के साथ मनाया गया। सभा के प्रचार प्रसार प्रभारी विष्णु सारडा ने बताया कि गोपाल मंदिर में माता गवरजा एवं ईसर जी की युगल प्रतिमा की पूजा-अर्चना के पश्चात शोभायात्रा हेतु आकर्षक रूप से सजाएं गए रथ में स्थापना की गई। शोभायात्रा गोपाल मन्दिर सदरबाजार से गाजे-बाजे के साथ प्रारम्भ होकर गोपाल मंदिर पहुँची। सभा के अध्यक्ष संपत काबरा ने बताया कि विधायक बृजमोहन अग्रवाल भी माता का आशीर्वाद लेने पहुँचे। अखिल भारतीय माहेश्वरी समाज से नारायण राठी, अखिल भारतीय महिला समिति से ज्योति राठी,प्रदेश माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष सुरेश मूँदडा, माहेश्वरी समाज गुढ़ियारी आदि महेश सभा के पदाधिकारी उपस्थित थे।

माहेश्वरी पुस्तकालय ने किया कवि प्रणाम

कोलकाता। महानगर के माहेश्वरी पुस्तकालय ने अपनी 108 वर्षीय यात्रा को रेखांकित करते हुए, शतदल अर्पण कार्यक्रम श्रृंखला के अन्तर्गत कवि प्रणाम कार्यक्रम का आयोजन किया। राजस्थानी भाषा, साहित्य, संस्कृति अकादमी, बीकानेर के कोषाध्यक्ष, कवि-कथाकार, राजेन्द्र जोशी के सम्मान में आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता महानगर के सुपरिचित राजस्थानी स्तम्भ लेखक बंशीधर शर्मा ने की। समाजसेवी मुकुंद राठी ने श्री जोशी को शतदल अर्पण का अंगवस्त्र तथा सुरेश बिन्नाणी ने स्मृति चिन्ह प्रदान किया। माहेश्वरी सभा के सभापति बुलाकीदास मीमाणी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। संचालन, पुस्तकालय के मंत्री संजय बिन्नाणी ने किया।

आदत भी रिश्तों में दूध शक्कर की तरह घुल मिल जाने की, पर याद ही नहीं रहा कि जमाना तो शुगर फ्री का हो गया है।

अयोध्या में 2 लाख 80 हजार वर्गफीट में बनेगा भव्य शौर्य भवन

भवन निर्माण की रूप रेखा तय- 175 करोड़ में होगा निर्माण- सहयोग के लिये मुक्त हस्त से समाज तैयार

भीलवाड़ा। माहेश्वरी समाज द्वारा अयोध्या में बनाये जाने वाले शौर्य भवन जनोपयोगी सेवा केन्द्र के निर्माण की तैयारी पूर्ण हो गई है। इसके अंतर्गत 2 लाख 80 हजार वर्गफीट में 175 करोड़ की लागत से इसका भव्य निर्माण होगा। अयोध्या में दो लाख 80 हजार वर्गफीट में शौर्य भवन जनोपयोगी सेवा केन्द्र के निर्माण को लेकर माहेश्वरी बंधुओं में व्यापक उत्साह है।

अयोध्या शौर्य भवन के चेयरमैन एवं अखिल भारतीय माहेश्वरी समाज के पूर्व अध्यक्ष रामपाल सोनी ने बताया कि शौर्य भवन में 175 करोड़ रूपये की लागत से 400 कमरो के अत्याधुनिक सर्वसुविधायुक्त शौर्य भवन का निर्माण होगा, जिसमें 400 रूम, दो ऑडिटोरियम, योग शाला, ध्यान केंद्र, मैरिज हॉल, मंदिर, पार्किंग के निर्माण के साथ पर्यावरण का विशेष ध्यान रखा जाएगा। बनने वाले शौर्य भवन में श्यामसुंदर सोनी, संदीप काबरा, आर एल काबरा, नंदकिशोर लखोटिया, श्यामसुंदर काबरा का सराहनीय सहयोग रहा। श्री सोनी ने बताया कि भवन हेतु भूमि की रजिस्ट्री हो चुकी है। शौर्य भवन लगभग 2 वर्ष में बनाने की योजना है। राम मंदिर को लेकर पूरे देश में अति उत्साह है। अतः दर्शनार्थियों के आवास एवं भोजन की व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा द्वारा शौर्य भवन का निर्माण किया जा रहा है।

मुक्त हस्त से तैयार समाजजन

श्री सोनी ने बताया कि शौर्य भवन के लिए संरक्षक पदमभूषण श्रीमती राजश्री बिरला-बिरला ग्रुप मुंबई द्वारा 21 करोड़, राधाकिशन दम्माणी दम्माणी ग्रुप मुंबई, वेणुगोपाल हरिमोहन बांगड़ श्री सीमेंट कोलकाता, सत्यनारायण नुवाल सोलर ग्रुप नागपुर, रामपाल सोनी संगम ग्रुप भीलवाड़ा, देव किशन झंवर चेन्नई, पद्मश्री बंशीलाल राठी परिवार चेन्नई द्वारा 5-5 करोड़, लक्ष्मीनारायण सोमाणी इनलैंड ग्रुप मुंबई, गोपीकिशन उमेश मालाणी परिवार जोधपुर, महेशचंद्र बल्दवा महेश भगवती बल्दवा फाउंडेशन हैदराबाद, रामावतार नरेन्द्र साबू परिवार श्रीमती बिमला देवी साबू चेरिटेबल ट्रस्ट सूरत, रामनिवास मानधनी रामनिवास योगेश मानधनी फाउंडेशन जालना, जीएल मानधनी परिवार राजकुमार बिजय पवन अशोक मानधनी हैदराबाद, जयकिशन झंवर चेन्नई द्वारा 3-3 करोड़ रूपये, ब्रजेश माहेश्वरी कोटा, ललित मोहन राठी बैंगलोर, ओंकारनाथ मूंदड़ा वाराणसी, सुरेश देवपुरा केलिफोर्निया, किशोर बंग मुंबई, पुरषोत्तम काकानी बेलारी हैदराबाद, कैलाश काबरा गुवाहाटी, रामावतार झंवर मुंबई, भंवर लाल सोनी जोधपुर, बजरंग अजय जाखोटिया जयपुर, रामगोपाल गिरधर मूंदड़ा सूरत, चतुर्भुज अर्जुन राठी जोधपुर, श्याम राठी आनंद, आर डी बाहेती चेरिटेबल ट्रस्ट ट्रस्टी आर. डी. बाहेती जयपुर द्वारा भवन हेतु 1-1 करोड़ रूपये की सहमति प्रदान की गई।

फुलवारी हाट का हुआ आयोजन

आगरा। माहेश्वरी महिला मंडल के तत्वावधान में 1 अप्रैल को पारिवारिक मेला फुलवारी हाट का आयोजन 54 स्टालों के साथ हुआ। कैबिनेट मंत्री बेबी रानी मोर्या के सान्निध्य में शंखनाद के साथ मेले का उद्घाटन संपन्न हुआ। मेले में घर सुन्दर, सुरक्षित कैसे बनाएं उसके लिए वास्तु शास्त्र, आर्किटेक्ट, इंटीरियर, जीवन शैली हेतु काउंसलर, हेयर स्टाइल, होममेड बॉडी ब्यूटी प्रोडक्ट आदि कई उत्पादों की स्टाल शामिल थीं। बंदरवाल, डेकोरेटिव आइटम, मोमबत्ती, चद्दर विभिन्न परिधान नाइटवियर्स, होजरी आइटम, साड़ियां- सूट बनारसी, कोटा, माहेश्वरी, लखनऊ, राजस्थानी डिजाइनिंग ज्वेलरी, सिल्वर ज्वेलरी, पर्स, क्रोकरी, नन्हें कलाकारों के मनोभावों, चित्रकला एवं फैंसी ड्रेस आदि प्रतियोगिता आयोजित हुई। इलेक्ट्रॉनिक स्कूटी मेले का आकर्षण रही। खेल, चाट पकौड़ी की स्टालो का भी समावेश रहा। उभरते व्यवसायियों के उत्साहवर्धन हेतु 4 उद्यमियों को सम्मानित किया गया। मेले समापन में आगरा अमर उजाला के जी. एम. विशाल एवं MSME के जी. एम. अनुज कुमार के आगमन से उत्साहवर्धन हुआ।

म्यूजिकल हाऊजी का आयोजन

अहमदाबाद। स्थानीय माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा लाइव म्यूजिकल हाउसी रखी गयी। इसमें समाज के 500 से ज्यादा लोग उपस्थित थे। विक्रम धुत और मनीष चांडक ने अपने कार्यकाल में सहयोग हेतु सभी सदस्यों का अभिवादन किया और सभी सदस्यों को एक रिटर्न गिफ्ट दिया गया। इसके साथ ही नयी टीम में दीपक मणियार (अध्यक्ष), अभिषेक मालपानी (मंत्री) और प्रवीण धुत (कोषाध्यक्ष) को नए सत्र के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की।

वक्त से लड़कर जो नसीब बदल दे,
इंसान वही जो, अपनी तकदीर बदल दे,
कल क्या होगा, कभी ना सोचो,
क्या पता कल वक्त खुद अपनी तस्वीर बदल दे।

विनम्र एवं लक्षिता महाराणा मेवाड़ फाउंडेशन से सम्मानित

उदयपुर। महाराणा मेवाड़ फाउंडेशन के 39वें वार्षिक विद्यार्थी सम्मान समारोह में 26 मार्च को राजमहल में उदयपुर के विनम्र काबरा को सीए परीक्षा 2022 में 73 प्रतिशत अंक प्राप्त करने एवं लक्षिता माहेश्वरी को सीएस में 53 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ द्वारा भामाशाह सम्मान से सम्मानित किया गया। दोनों को सम्मान स्वरूप प्रशंसा पत्र, मैडल एवं 11000 रुपये का नकद पुरस्कार प्रदान किया गया। उक्त जानकारी उदयपुर प्रतिनिधि मुरलीधर गट्टानी द्वारा दी गई।

दीप उत्सव का किया आयोजन

राजनांदगांव। हिंदू नववर्ष की पूर्व संध्या पर माहेश्वरी महिला मंडल एवं गीता परिवार के संयुक्त तत्वावधान में दीप उत्सव का आयोजन हुआ। इसमें दीपक सजा के भगवान की स्तुति, गायत्री मंत्र, महामृत्युंजय जाप, श्री राम स्त्रोत, हनुमान चालीसा पाठ के बाद दीप प्रज्वलित कर चैत्र नवरात्रि के उपलक्ष्य में अंबे माँ की महाआरती की गई एवं ऐप लॉन्च किया गया। समापन में प्रसादी का वितरण हुआ। गीता परिवार अध्यक्ष सुषमा राठी एवं अलका सुरजन द्वारा कार्यक्रम संचालित किया गया। संरक्षक मंडल से शशि चितलांगिया, राधा लड्ढा, जिला सचिव प्रीति चितलांगिया, स्थानीय अध्यक्ष शीला गांधी, नवनिर्वाचित अध्यक्ष दीपा बागड़ी, सचिव अनीता चितलांगिया, उपाध्यक्ष विमला लड्ढा, पंचायत अध्यक्ष पवन डागा, सचिव संजय लड्ढा, रामदेव राठी, आशीष चितलांगिया एवं पंचायत कार्यकारिणी और महिला मंडल कार्यकारिणी सदस्यों की विशेष उपस्थिति रही। जानकारी पिंकी धूत ने दी।

6 वर्षीय मायशा ने बनाया वर्ल्ड रिकार्ड

देवास। ऑल इंडिया स्केटिंग कोचेस द्वारा पूरे भारत में करीब 20 शहरों में वर्ल्ड रिकार्ड के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें तकरीबन 700 बच्चों ने भाग लिया। इसमें स्केटर द्वारा लगातार एक घंटे तक नॉन स्टॉप जलती हुई टार्च (मशाल) लेकर स्केटिंग करना थी। वर्ल्ड रिकार्ड इंडिया एवं जीनियस फाउंडेशन द्वारा देवास की 6 वर्षीय होनहार स्केटर अनिकेत व रुपल सोमानी की सुपुत्री मायशा को वर्ल्ड रिकार्ड होल्डर घोषित किया तथा ग्लोबल जीनियस रिकार्ड से भी सम्मानित किया गया। इसमें मायशा को प्रमाण पत्र एवं मेडल प्रदान किया गया।

वैवाहिक प्रकोष्ठ की वेबसाइट लाँच

जयपुर। श्री माहेश्वरी समाज जयपुर के तत्वावधान में फरवरी माह में आयोजित ऑनलाइन वैवाहिक परिचय सम्मेलन को माहेश्वरी परिवारों ने बहुत पसन्द किया। चेयरमैन संजय माहेश्वरी ने बताया कि मैरिज ब्यूरो द्वारा नवीनतम वेबसाइट www.mimbjaipur.com लांच की गई है जिसमें प्रत्याशी निशुल्क रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। इस वेबसाइट में लेटेस्ट बायोडाटा मैचिंग टेक्नोलॉजी का प्रावधान किया गया है ताकि ज्यादा से ज्यादा वैवाहिक संबंध संभव हो सकें। वैवाहिक प्रकोष्ठ मंत्री सत्यनारायण करवा ने बताया कि 14 मई को उच्च शिक्षित वर्ग हेतु ऑनलाइन परिचय सम्मेलन के आयोजन होंगे। वेबसाइट पर सहायता हेतु मोबाइल नंबर 8619530451 व 9414991967 पर कार्यालय समय में सम्पर्क किया जा सकता है।

खरी-खरी

दुराचार,
सुविधाओं के पलने में पलता है.

नैतिकता को,
कदम-कदम पर मिली विफलता है.

सीधा और सदाचारी तो
हर-दम छला गया

जो शातिर मक्कार
उसी का सिक्का चलता है

© राजेन्द्र गट्टानी, भोपाल
94250-16939, 87702-21707

उमेश आईआईएम से एमबीए

उदयपुर। गायत्री देवी एवं मुकेश कुमार झंवर के सुपुत्र उमेश ने गत 05 अप्रैल को आईआईएम तिरुचिरापल्ली से एमबीए की उपाधि अर्जित की। इससे पूर्व उमेश ने 18 वर्ष की आयु में सीए बनकर भारत देश में सबसे कम उम्र के सीए बनने का इतिहास रचकर अपना नाम इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज कराकर उदयपुर की राष्ट्रीय स्तर पर पहचान कराई थी। उमेश समाज के वरिष्ठ बंशीलाल झंवर के सुपौत्र हैं।

आर्थोपेडिक-फिजियोथेरेपी शिविर सम्पन्न

ब्यावर। क्षेत्रीय माहेश्वरीसभा के सेवा के साथ सहयोग कार्यक्रम के तहत निःशुल्क ऑर्थोपेडिक जांच व फिजियोथैरेपी परामर्श शिविर का आयोजन स्थानीय माहेश्वरी भवन पाली बाजार में किया गया। शुभारंभ जिला अध्यक्ष संदीप मूंदड़ा, क्षेत्रीय सभा अध्यक्ष डॉ. एल. एन बल्दुआ व मंत्री रमेश चितलांगिया द्वारा किया गया। शिविर संयोजक संस्था कोषाध्यक्ष विजयझंवर व संगठन मंत्री राजेन्द्र काबरा थे। कार्यक्रम में पंचायत बोर्ड अध्यक्ष सुनील मूंदड़ा व मंत्री पुरुषोत्तम जाजू के साथ समाज के सभी पूर्व अध्यक्ष व सभी गणमान्यजन तथा संस्था के कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित थे। संस्था अध्यक्ष डॉ. बल्दुआ ने अपने उद्बोधन में संस्था द्वारा 9 सूत्री कार्यक्रम के बारे में सभी को बताया। शिविर संयोजक ने बताया कि करीब 285 मरीजों द्वारा अपना रजिस्ट्रेशन कराया गया और डॉ. बीएम मालू व डॉ. विजेता तिवारी द्वारा 205 मरीजो की जांच कर परामर्श प्रदान किया गया। शिविर संचालन राजेन्द्र काबरा ने किया।

किसी घर में एक साथ रहना परिवार नहीं कहलाता है। बल्कि एक साथ जीना एक दूसरे को समझना और एक दूसरे की परवाह करना परिवार कहलाता है।

राष्ट्रीय प्रतियोगिता में जीते पदक

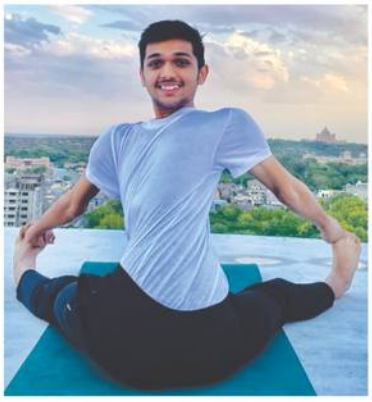

जोधपुर। नेशनल योगासना स्पोर्ट्स फैडरेशन की ओर से जोधपुर के स्कूल में 19 से 21 मार्च तक तृतीय सीनियर नेशनल योगासना स्पोर्ट्स चैंपियनशिप आयोजित हुई। इसमें आर्टिस्टिक योगासन ग्रुप में राजस्थान टीम ने स्पर्णपदक और आर्टिस्टिक योगासन पेयर में कांस्य पदक हासिल किए। राजस्थान टीम में रातानाड़ा (जोधपुर) निवासी वासुदेव व सुमित्रा मुथा के 20 वर्षीय सुपुत्र पवन मुथा ने अहम भूमिका निभाई।

माहेश्वरी मंडल की कार्यकारिणी गठित

वर्धा। धार्मिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं सामाजिक कार्यों में अग्रसर माहेश्वरी मंडल, वर्धा की वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमें अध्यक्ष सोहन राठी, उपाध्यक्ष अनिल जांवधिया, सचिव हेमंत भुतडा, सहसचिव ललित राठी, समन्वयक राजकुमार जाजू, कोषाध्यक्ष हरीश गांधी, संगठन सचिव अमित गांधी सर्वसम्मति से चुने गये। कार्यकारिणी सदस्यों का चयन भी हुआ।

डागा जिलाध्यक्ष तथा मंत्री जिला महामंत्री

देवास। जिला माहेश्वरी सभा के 3 वर्षीय चुनाव संपन्न हुए। इसमें अध्यक्ष कैलाश डागा देवास, महामंत्री प्रकाश मंत्री भौंरासा, उपाध्यक्ष अमित मालू, दामोदर हुरकट, संयुक्त मंत्री गोपाल कृष्ण मानधन्या कमलापुर, प्रदीप बजाज भौंरासा, कोषाध्यक्ष दिनेश मुरलीधर भूतड़ा देवास, प्रचार मंत्री संजय भूतड़ा लोहारदा, संगठन मंत्री प्रमोद गट्टानी कांटाफोड़, प्रादेशिक सभा प्रतिनिधि मुरलीधर मानधन्या देवास, संतोष माहेश्वरी चापड़ा, सुरेश मूंदड़ा सोनकच्छ, मनोज तापड़िया लोहारदा, विनोद राठी सतवास, दिनेश बालकिशन भूतड़ा देवास, गोपाल धूत कन्नौद, राजेश बजाज बागली, कार्यसमिति प्रादेशिक सभा राजेश होलानी कांटाफोड, अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा सदस्य नरेंद्र छापरवाल सोनकच्छ चुने गए। जिला अध्यक्ष श्री डागा ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर जिला महिला मंडल की पूर्व जिला अध्यक्ष साधना बियानी भी उपस्थित थीं।

युवक-युवती परिचय ई-पुस्तिका

जोधपुर। श्री महेश नवमी के शुभअवसर पर आगामी 29 मई को माहेश्वरी विवाह-योग्य दशम युवक - युवती परिचय ई-पुस्तिका लांच की जा रही है। इसमें निःशुल्क पंजीयन 15 मई तक करवाया जा सकता है। इस ई-परिचय पुस्तिका को तैयार करवाने में सीए सुरेश राठी, जोधपुर की अहम भूमिका है। प्रत्याशी इस ई-पुस्तिका के QR CODE द्वारा गूगल फार्म में अपनी पूर्ण जानकारी प्रेषित कर सकते है। अधिक जानकारी के लिये मो. 93767-54000, 92568-59900 पर भी सम्पर्क कर सकते है।

बिन्नानी का हुआ सम्मान

बीकानेर। भगवान दास बिन्नाणी एवं कुसुम लता बिन्नाणी के सुपुत्र दीपक बिन्नाणी को गत गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर शिक्षा निदेशालय भवन, बीकानेर में माध्यमिक शिक्षा विभाग में वरिष्ठ सहायक पद पर उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। उन्हें सम्मान स्वरूप शॉल ओढ़ाकर मोमेण्टो तथा प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया।

महिला संगठन के त्रयोदश सत्र का शुभारंभ

कानपुर। राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजु बांगड़ एवं राष्ट्रीय महामंत्री ज्योति राठी के नेतृत्व में गत 6 अप्रैल को अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के तत्वावधान में हनुमान जन्मोत्सव के शुभ अवसर पर संगठन के त्रयोदश राममय सत्र के प्रथम कार्य का आगाज़ हर्षोल्लास से हुआ। इस दिन नेपाल चैप्टर सहित संपूर्ण भारतवर्ष के पांचों अंचल के 27 प्रदेशों, जिलों एवम स्थानीय संगठनों तथा पदाधिकारियों द्वारा सामूहिक रूप से सुंदरकांड का पाठ पारिवारिक माहौल में व मित्र गणों के साथ कर धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन किया गया। संस्कृति सिद्धा अध्यात्म व परंपरा तथा संस्कार सिद्धा बाल व किशोरी विकास समितियों के माध्यम से सर्वत्र सामूहिक रूप से हनुमान जन्म उत्सव मनाया गया। इसमें भजन एवं सुंदरकांड पाठ के साथ कहीं-कहीं हनुमान जी की झांकी बाल हनुमान के रूप में सजायी गई। हनुमान जी को प्रसाद के रूप में लड्डू, चूरमा, पेड़ा तथा तरह-तरह के फल मिठाईयों आदि का भोग लगाया गया।

फागोत्सव का हुआ आयोजन

अहमदाबाद। माहेश्वरी सखी संगठन द्वारा फाग उत्सव का आयोजन विगत माह स्पोर्ट्स क्लब में किया गया। अनुराधा अजमेरा ने सभी सखियों का स्वागत किया।सचिव निक्की राठी ने सखी संगठन के 25 साल पूर्ण होने की खुशी में गरीब बच्चों की शिक्षा, दान जैसे उत्तम सेवा कार्य के बारे में सभी को बताया। कार्यक्रम में करीब 150 महिलाएं मौजूद रहीं। उर्मिला कलंत्री का राष्ट्रीय मध्यांचल उपाध्यक्ष, कांता मोदानी का गुजरात प्रांत सचिव और सुशीला महेश्वरी का गुजरात प्रांत का उपाध्यक्ष चुने जाने पर स्वागत किया गया।

घनश्याम राठी बने कोषाध्यक्ष

उज्जैन। माहेश्वरी समाज उज्जैन जिला सभा के चुनाव सम्पन्न हुए जिसमें नागदा माहेश्वरी समाज के सक्रिय सदस्य घनश्याम राठी को सर्वसम्मति से निर्विरोध जिला सभा का कोषाध्यक्ष चुना गया। आपकी इस उपलब्धि पर नागदा समाज के सदस्यों, महिला मंडल की सदस्यों, सोशल ग्रुप के सदस्यों एवं युवा मंडल के सदस्यों ने बधाई प्रेषित की।

माहेश्वरी संस्थाओं की सामूहिक बैठक

बीकानेर। स्थानीय दादा चौक स्थित महेश भवन में श्री कृष्ण माहेश्वरी मंडल के तत्वावधान में बीकानेर स्थित सभी माहेश्वरी संस्थाओं की एक संयुक्त बैठक का आयोजन किया गया। मंडल के प्रचार मंत्री शिव राठी ने बताया कि अध्यक्षता श्री कृष्ण माहेश्वरी मंडल के अध्यक्ष सत्यनारायण राठी ने की। बैठक में सर्वप्रथम मंडल के मंत्री सुशील करनानी ने स्वागत भाषण दिया। मंडल के अध्यक्ष श्री राठी ने बताया कि बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी 29 मई को माहेश्वरी समाज का वार्षिक उत्सव ''महेश नवमी'' पर्व के भव्य रूप में मनाया जाना है। सह मंत्री पवन कुमार राठी ने बताया कि लगभग 2 से 3 घंटे तक चली इस बैठक में महेश नवमी पर्व को भव्य रूप प्रदान करने हेतु कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विचार किया गया।

नगर जिलाध्यक्ष मणियार व मंत्री जाजू सम्मानित

संगमनेर। अहमदनगर जिला माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष अनिष मणियार तथा जिला मंत्री अजय जाजू को अहमदनगर जिला सभा के पदाधिकारियों ने सम्मानित किया। इसमें उनके सत्र 2019-22 के कार्यकाल को प्रदेशाध्यक्ष श्रीकिसन भंसाली ने सराहा। साथ ही जिला सभा प्रदेश में अव्वल स्थान पर रही। इसी कारण सभी जिला पदाधिकारी, सभी तालुकाध्यक्ष, मंत्री आदि को भी मानपत्र देकर सम्मानित किया। इसमें वरिष्ठ मार्गदर्शक नंदलाल मणियार, आर.डी.मंत्री, जितेंद्र बिहाणी, सोमनाथ बी. मुंदडा, बसंत काका मणियार के करकमलों द्वारा अध्यक्ष अनिष मणियार तथा जिला मंत्री अजय जाजू को सन्मानचिन्ह, पुष्पगुच्छ, पुष्पहार तथा मानपत्र देकर सम्मानित किया गया।

मानसिक स्वास्थ्य पर आयोजित हुई कार्यशाला

ब्यावर। श्री माहेश्वरी पंचायत बोर्ड (रजि.), ब्यावर द्वारा वन थेरेपी मानसिक स्वास्थ्य कार्यशाला का आयोजन किया गया। माहेश्वरी पंचायत बोर्ड मंत्री - पुरषोत्तम जाजू ने बताया कि मुख्य वक्ता के रूप में प्रांजुल सोमानी उपस्थित थे, जो मनोवैज्ञानिक / क्लिनिकल हिप्नोथेरेपिस्ट / लाइफ कोच व इंजीनियर हैं। इसमें 16 अप्रैल 2023 दोपहर को श्री माहेश्वरी भवन, पाली बाजार, ब्यावर पर सभी आयु वर्ग के लोगो से इससे संबंधित मुद्दो पर चर्चा के लिए सेमिनार के रूप में आयोजन किया गया, जिसमे मानसिक स्वास्थ्य पर विस्तार से जानकारी देकर समस्या का समाधान किया गया। शुभारंभ पंचायन बोर्ड ब्यावर के अध्यक्ष-सुनील कुमार मुंदड़ा, जिला अध्यक्ष-संदीप मूंदड़ा आदि ने किया। माहेश्वरी समाज के पूर्व अध्यक्ष, मंत्री आदि सभी की सहभागिता से कार्यक्रम का सफल आयोजन हुआ जिसमें करीब 225 से ज्यादा महिला, पुरुष, युवाओं की सहभागिता रही। मुख्य वक्ता प्रांजुल सोमानी को सम्मान-पत्र, मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

पेडीवाल बने माहेश्वरी सभा जिला अध्यक्ष

चूरू। जिला माहेश्वरी सभा के रतनगढ़ माहेश्वरी भवन में संपन्न त्रैवार्षिक चुनाव में सर्वसम्मति से नरेश पेड़ीवाल रतनगढ़ को जिलाध्यक्ष व विकास लाखोटिया सरदारशहर को मंत्री चुना गया। प्रादेशिक पर्यवेक्षक संजय करनानी व श्रीभगवान चांडक श्रीडूंगरगढ़ की उपस्थिति में चुनाव सम्पन्न हुए। चुनाव अधिकारी रामचन्द्र राठी ने बताया कि कार्यक्रम का संचालन नरेंद्र झंवर ने किया।

साधना बनी जिला न्यायाधीश

अलीराजपुर। समाज सदस्य प्यारेलाल माहेश्वरी की सुपुत्री साधना माहेश्वरी को पदोन्नत करते हुए जिला न्यायाधीश श्योपुर के रूप में पदस्थ किया गया। उक्त जानकारी प्रदेश मंत्री अजय झँवर ने दी। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

बजाज बने प्रदेश सभा कार्यकारी मंडल सदस्य

उज्जैन। विगत दिवस उज्जैन में माहेश्वरी जिला सभा के चुनाव सम्पन्न हुए। इसमें नागदा समाज के वरिष्ठ, कार्यकर्ता सतीश बजाज को प्रदेश कार्यकारी मंडल सदस्य निर्विरोध निर्वाचित किया है।

जिला कार्यसमिति में बिसानी

उज्जैन। जिला सभा के चुनाव में नागदा माहेश्वरी समाज के सक्रिय कार्यकर्त्ता अशोक बिसानी को जिला कार्यसमिति का सदस्य निर्विरोध निर्वाचित किया गया है। श्री बिसानी की इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

उपलब्धि

चांदनी को पीएच.डी. उपाधि

आणंद। प्रहलाद राय रामचंद्र लड्ढा (चीखोंद्रा) की सुपुत्री चांदनी को गत 1 फरवरी 2023 को पीएचडी की उपाधि प्राप्त हुई। इसके पश्चात 13 मार्च 2023 को उनकी फूड एण्ड एग्रीकल्चर आर्गेनाईजेशन ऑफ द यूपी के डायरेक्टर के पद पर नियुक्ति हुई। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

परिवार मिलन कार्यक्रम का शुभारंभ

रांची। श्री माहेश्वरी सभा द्वारा समाज के बुजुर्गों को समर्पित मंच 'चौपाल' के तत्वावधान में गत 16 अप्रैल को एक नये कार्यक्रम ''परिवार मिलन'' का शुभारंभ किया गया। पूर्व में रिश्तेदारों एवं परिचितों से उनके घर पर जाकर मिलने की प्रथा थी, जो अब प्रायः विलुप्त हो चली है। इस प्रथा को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम को प्रारंभ किया गया। चौपाल के सदस्य छोटे-छोटे समूह बनाकर समाज के किसी एक परिवार से उनके घर जाकर भेंट कर परिवार के प्रत्येक सदस्य से वार्तालाप कर परिचय बढ़ाते हैं। संगठन एवं सभा द्वारा संचालित कार्यक्रमों की जानकारी देकर उस परिवार के सदस्यों से समाज के सभी कार्यक्रमों में भाग लेने का निवेदन भी करेंगे। परिवार मिलन कार्यक्रम के शुभारंभ के दिन राजकुमार मारू, शिव शंकर साबू, नरेंद्र लाखोटिया, किशन कुमार साबू, प्रकाश काबरा, ओम प्रकाश बोड़ा (लल्लू) एवं अशोक साबू ने छोटे छोटे समूह बनाकर समाज के तीन परिवार मदनगोपाल मालपानी, महावीर सोडाणी एवं गोकुल मंत्री के आवास पर जाकर उनके पूरे परिवार से मुलाकात की।

राठी अध्यक्ष - माहेश्वरी उपाध्यक्ष

शाजापुर। अजय राठी एवं कमल नारायण माहेश्वरी को माहेश्वरी समाज की जिला कार्यकारिणी में क्रमशः अध्यक्ष एवं जिला उपाध्यक्ष सर्वसम्मति से चुना गया। सभी स्नेही जनों ने हर्ष व्यक्त किया।

जमीन अच्छी हो, खाद अच्छा हो परंतु पानी अगर खारा हो तो फूल खिलते नहीं। भाव अच्छे हो, विचार भी अच्छे हो मगर वाणी खराब हो तो सम्बंध कभी टिकते नहीं।

'आनंद गोष्ठी' का हुआ आयोजन

इंदौर। संस्था 'आनन्द गोष्ठी' के संरक्षक गोविन्द मालू ने बताया कि 22 अप्रैल को पृथ्वी दिवस पर संस्था द्वारा प्रति वर्ष विशिष्ट का आयोजन किया जाता है। यह छटा वर्ष है। इसी तारतम्य में सदस्यों द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों व घरों में गायत्री मंत्र और अथर्ववेद के चार मन्त्रों ॐ इन्द्राय स्वाहा, ॐ प्रजापतये स्वाहा, ॐ अग्नये स्वाहा, ॐ सोमाय स्वाहा से सूर्यास्त के पूर्व हवन किया गया। साथ ही संध्याकाल में घी का दीपक तुलसी जी के समीप प्रज्ज्वलित किया। साथ ही इस अवसर पर सामूहिक संकल्प दोहराया कि 'हे धरती माँ जो कुछ भी तुमसे लूँगा उतना ही तुझे वापस करूँगा, तेरी जीवनी शक्ति-सहन शक्ति पर कभी आघात नहीं करूँगा।' श्री मौनी बाबा आश्रम गायत्री नगर पर महंत रुक्मणी देवीजी के सान्निध्य में भी पृथ्वी दिवस सामूहिक रूप से मनाया गया। इस अभियान के तहत, शहर को 11 क्षेत्रों में बांट कर मोबाइल और सोशल मीडिया पर ऐसा आग्रह कर प्रचार किया गया था। 151 स्थानों पर यह आयोजन हुआ। मंत्रोच्चार के साथ हवन पंडित रामचन्द्र शर्मा वैदिक ने फेसबुक लाइव किया। मुख्य आयोजन 'पूर्णोदय' बृजेश्वरी में गोविन्द मालू और ऊष्मा मालू के नेतृत्व में किया गया। सभी ने अक्षय तृतीया पर धरती की सम्पदा को अक्षुण्ण बनाए रखने का भी संकल्प लिया। समिति के शिवप्रकाश अजमेरा, डी. एन. तिवारी, अमित विजयवर्गीय, संजय चांडक, केदार हेड़ा, अंशुल पंडित, आदर्श सचान, रचना गुप्ता, मंजू चतुर्वेदी, मंजू कुशवाह आदि समस्त सदस्यों का सहयोग प्राप्त हुआ।

मोहता बने कार्यकारी मंडल सदस्य

उज्जैन। विगत दिनों जिला सभा के चुनाव सम्पन्न हुए, जिसमें नागदा माहेश्वरी समाज के वरिष्ठ सदस्य गोविंदलाल मोहता को उज्जैन जिले से निर्विरोध महासभा कार्यकारी मंडल सदस्य चुना गया। यह जानकारी नागदा समाज के पूर्व अध्यक्ष सतीश बजाज द्वारा दी गई।

राष्ट्रीय व प्रादेशिक सभा में सदस्य मनोनीत

इंदौर। विगत दिनों संपन्न दक्षिण क्षेत्र माहेश्वरी समाज के निर्वाचन में श्री रुपेश भूतड़ा अ.भा. महासभा एवंम गोपाल कृष्ण एम मानधनिया, अनिल कुमार मंत्री व टोडरमल मूंदड़ा पश्चिमांचल माहेश्वरी सभा में कार्यकरिणी सदस्य निर्वाचित घोषित किए गए। समस्त स्नेहीजनों ने इस निर्वाचन पर हर्ष व्यक्त किया।

मूंधड़ा बनी ज्ञानसिद्धा सहसंयोजक

नागपुर। ख्यात समाजसेवी लेखिका सुमिता राजकुमार मूंधड़ा की महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन के अंतर्गत खानदेश विभाग की 'ज्ञानसिद्धा - साहित्य समिति' में त्रैवार्षिक सत्र की सहसंयोजिका पद पर नियुक्ति हुई है। गत त्रैवार्षिक सत्र में श्रीमती मूंधड़ा नाशिक जिला माहेश्वरी महिला संगठन की साहित्य समिति की संयोजिका के पद पर कार्यरत थीं।

माहेश्वरी खेल महोत्सव का शुभारंभ

निजामाबाद। जिला माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा महेश नवमी के उपलक्ष में आयोजित माहेश्वरी खेल महोत्सव 2023 का आयोजन स्थानीय हरिचरण मारवाड़ी हिंदी विद्यालय में किया गया। इस खेल महोत्सव में माहेश्वरी प्रीमियर लीग-5 एवं बैडमिंटन, केरम, चेस, टेबल टेनिस जैसे इनडोर गेम व छोटे बच्चों के लिए म्युजिकल चेयर, नींबू चम्मच, रनिंग रेस भी आयोजित किए गए। इस खेल महोत्सव में न केवल युवक-युवती, बच्चे बल्कि 60 वर्ष के ऊपर के पुरुषों ने भी भाग लेकर अपनी प्रतिभा दिखाई। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रमेश कुमार मोदानी एवं विशेष अतिथि के रुप में दिनेश कुमार उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन संगठन मंत्री संदीप राठी ने किया। अध्यक्ष गोविंद झंवर ने स्वागत भाषण दिया। निजामाबाद जिला माहेश्वरी सभा के मंत्री राजेश कुमार डालिया एवं उपाध्यक्ष रमेश कुमार झंवर ने भी युवा संगठन द्वारा किए गए कार्यों की भूरी-भूरी प्रशंसा की।

झँवर बने जिला सभाध्यक्ष

बीकानेर। आज बीकानेर जिला माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष पद के विधिवत चुनाव बीकानेर जिला उद्योग इंडस्ट्रियल एरिया रानी बाजार में सम्पन्न हुए। इसमें ललित कुमार झंवर पुत्र श्याम लाल झंवर बीकानेर जिला माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष निर्वाचित हुए। चुनाव अधिकारी आनंद बजाज थे।

'गवरजा गीतमाला' का लोकार्पण

कोलकाता। महानगर के प्रतिष्ठित संगीत शिक्षण संस्थान माहेश्वरी संगीतालय की ओर से प्रस्तुत गवरजा गीतमाला पुस्तक का लोकार्पण बैंकवेट हॉल में किया गया। इस अवसर पर आमंत्रित अतिथियों का पुष्पगुच्छ प्रदान कर अभिवादन किया गया। दीप प्रज्वलन और गणेश वंदना के साथ संगीतमय कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। प्रसिद्ध सामाजिक संस्था गणगौर की ओर से प्रकाशित एवं मुद्रित गवरजा गीतमाला भजन ग्रंथ में समाहित कतिपय भजनों के गायन विभिन्न स्वर शिल्पियों द्वारा किए गए। इसी क्रम में एक छोटी सी बच्ची ने गवरजा माता के भजन सुनाकर श्रोताओं का मन मोह लिया। उक्त जानकारी महिला संगठन की पूर्वांचल संयुक्त मंत्री निशा लड्ढा ने दी।

जिला महिला संगठन के चुनाव सम्पन्न

ललिता सोमानी

किरण बाहेती

रतलाम। माहेश्वरी महिला संगठन के जिला स्तरीय चुनाव के पश्चात रतलाम के माहेश्वरी भवन में पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण सम्पन्न हुआ। इस समारोह में ललिता सोमानी ने जिला अध्यक्ष एवं किरण बाहेती ने जिला सचिव पद की शपथ ग्रहण की। सुधा मेहरा, मनोरमा तोतला, अनीता मालपानी, रुकमणी मंत्री, रतलाम माहेश्वरी समाज अध्यक्ष शैलेंद्र डागा एवं सचिव नरेंद्र बाहेती आदि उपस्थित थे।

जिला सभा के चुनाव संपन्न

अजय राठी

शाजापुर। आगर जिला माहेश्वरी सभा के नए सत्र 2023 के निर्वाचन नलखेड़ा में निर्विरोध संपन्न हुए। प्रदेश पर्यवेक्षक सम्पत मोदानी ब्यावरा, सहायक प्रभारी रामप्रसाद गगरानी सांरगपुर व निर्वाचन अधिकारी मुखर्जी मुंदड़ा उपस्थित थे। इसमें अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल सदस्य संजय कैला - (मोहनबड़ोदिया), शाजापुर आगर जिला सभा के अध्यक्ष अजय राठी, (अकोदिया), सचिव पवन मालानी, (आगर), कोषाध्यक्ष महेन्द्र माहेश्वरी (आगर), पश्चिमी म.प्र. सभा कार्यसमिति सदस्य अशोक मोदानी (सुसनेर) चुने गये। जिला संगठन मंत्री-रघुनंदन पलोड़ (आगर), उपाध्यक्ष - कमल माहेश्वरी (शाजापुर) व जिला सभा उपाध्यक्ष-माधव धुत (अकोदिया), सहसचिव-गोपीलाल गोदायनी (चोमा), सहसचिव - देवैन्द्र बिसानी (बड़ोदिया), प्रचार मंत्री-श्रीकांत गीलडा (आगर), जिला क्रीड़ा मंत्री- राजेश माहेश्वरी (शाजापुर), सांस्कृतिक मंत्री- ब्रजेश मूंदड़ा (आगर) चुने गये। पश्चिमी म.प्र. सभा कार्यकारी मंडल सदस्य तथा जिला सदस्य भी चुने गये। सभी निर्विरोध चुने गये।

पंचक्रोशी यात्रियों को करवाई भोजन प्रसादी

उज्जैन। विगत दिनों उज्जैन में आयोजित पंचक्रोशी यात्रा के यात्रियों के लिए कैलाश तोतला एवं परिवार द्वारा विगत 25 वर्षों से निरन्तर प्रतिवर्ष पंचक्रोशी यात्रियों के भोजन प्रसादी का आयोजन किया जाता रहा है। इस वर्ष भी दत्त अखाड़ा क्षेत्र में भोजन प्रसादी का आयोजन किया गया। उल्लेखनीय है 118 किमी की पैदल पंचक्रोशी यात्रा के पश्चात अंतिम पड़ाव दत्त अखाड़ा पर होता है। यहाँ लगभग 8 - 10 हजार श्रद्धालुओं को बैठाकर भोजन प्रसादी करवायी गई। इस आयोजन में तोतला परिवार के प्रकाश तोतला, अर्पित तोतला, कृष्णा, सोहानी तोतला एवं अन्य मित्र व परिवारजनों का विशेष सहयोग रहा।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश माहेश्वरी सभा के चुनाव संपन्न

अलीगढ़। पश्चिम उत्तरप्रदेश माहेश्वरी सभा के निर्विरोध सम्पन्न चुनाव में राकेश मोहता अलीगढ़ अध्यक्ष तथा सुभाष चंद्र बाहेती बिल्सी प्रदेश मंत्री चुने गये। मुख्य चुनाव अधिकारी विजय माहेश्वरी मुजफ्फरनगर, सह चुनाव अधिकारी रघुवंश राठी अलीगढ़ तथा महेश चंद्र माहेश्वरी सहसवान की देखरेख में 8 अप्रैल से चुनाव प्रक्रिया शुरू हुई। 14 अप्रैल को नामांकन दाखिल किए गए । 15 अप्रैल को जांच हुई व 16 अप्रैल को नाम वापसी थी। नई कार्यकारिणी में वरिष्ठ उपाध्यक्ष अखिलेश डागा बिजनौर, उपाध्यक्ष गिरिराज माहेश्वरी, उपाध्यक्ष अजय दीवान, उपाध्यक्ष, राजकुमार जाखेटिया, संयुक्त मंत्री मुकेश माहेश्वरी, मनोज दुजारी, सुशील माहेश्वरी, संगठन मंत्री मुकेश माहेश्वरी, कोषाध्यक्ष नवनीत माहेश्वरी, प्रचार मंत्री संजीव गोदानी भी निर्विरोध चुने गए। इस अवसर पर अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के उपसभापति अशोक सोमानी व पूर्व उपसभापति राधाकृष्ण सोमानी भी उपस्थित रहे। अशोक सोमानी ने कहा कि अयोध्या में कोलकाता माहेश्वरी समाज के बंधु शरद कोठारी तथा राम कोठारी वीर गति को प्राप्त हो गए थे। अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा इन दोनों की स्मृति में 65 एकड़ भूमि पर भवन का निर्माण कराएगी, जिस में 200 करोड़ रुपए लागत आएगी। 175 करोड़ रुपए इकट्ठे हो गए हैं। चार टावरों में 400 कमरों का निर्माण होगा तथा 1000 एवं 600 की क्षमता वाले दो ऑडिटोरियम होंगे। इस शौर्य भवन में गौशाला भी होगी।

गगरानी कार्यसमिति में शामिल

उज्जैन। नागदा माहेश्वरी समाज के सक्रिय एवं कर्मठ कार्यकर्ता आनन्दीलाल गगरानी को जिला सभा की कार्यसमिति का सदस्य निर्विरोध निर्वाचित किया गया।

मनोज राठी प्रादेशिक सभा के कार्यकारी मंडल सदस्य मनोनीत

उज्जैन। जिला सभा के चुनाव गत दिनों सम्पन्न हुए। इसमें नागदा माहेश्वरी समाज के सक्रिय कार्यकर्ता मनोज राठी को प्रादेशिक सभा के कार्यकारी मंडल का सदस्य निर्विरोध निर्वाचित किया गया।

मूंधड़ा बने चेम्बर डायरेक्टर

खुलना (बांग्लादेश)। मूलतः देशनोक (बीकानेर) निवासी व खुलना (बांग्लादेश) के प्रवासी गोपीकिशन मूंधड़ा खुलना चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री के डायरेक्टर जैसे अतिप्रतिष्ठित पद पर चयनित हुए हैं। श्री मून्धड़ा बरसों से बांग्लादेश के व्यवसाय क्षेत्र में अपनी अहम भूमिका निभाते आ रहे हैं। आपने अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा में कार्यकारी मण्डल सदस्य के रूप में बांग्लादेश का नेतृत्व भी किया है। श्री मून्धड़ा अच्छे साहित्यकार और कवि भी हैं।

जिम्मेदारी एक एहसास और काम करने का तरीका, इन दोनों का तालमेल सही हो तो बड़ी से बड़ी व्यवस्था आसानी से चलाई जा सकती है। हम काम आफिस से करें या घर से, जिम्मेदारी का एहसास हमेशा रहना चाहिये।

मालानी अध्यक्ष - तापड़िया सचिव

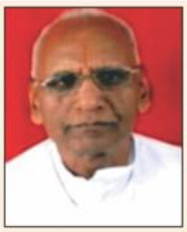
रामगोपाल मालानी

शिवप्रसाद तापड़िया

इचलकरंजी। तह. माहेश्वरी सभा कार्यकारिणी 2023-26 के चुनाव श्री महेश सेवा समिति इचलकरंजी में सौहाद्रपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुए। इसमें सर्वसम्मति से अध्यक्ष रामगोपाल मालानी, सचिव शिवप्रसाद तापड़िया, उपाध्यक्ष कमलकिशोर राठी, कोषाध्यक्ष कैलाशचंद तोतला, सहसचिव लक्ष्मीकांत मर्दा को चुना गया। चुनाव सुचारूरूप से सम्पन्न कराने में नंदकिशोर बाहेती व उनकी टीम का योगदान रहा।

जिला सभा के चुनाव सम्पन्न

नवीन बाहेती

उज्जैन। विगत दिनों 16 अप्रैल 23 को उज्जैन जिला माहेश्वरी सभा के चुनाव सम्पन्न हुए। चुनाव अधिकारी राजकुमार झंवर के अनुसार नवीन बाहेती उज्जैन जिला माहेश्वरी सभा के सचिव निर्वाचित हुए। अध्यक्ष का चुनाव न्यायालय में विचाराधीन होने से नहीं हो पाया। शेष पद निर्विरोध निर्वाचित हुए। दिनेश कुमार लड्ढा-वरिष्ठ उपाध्यक्ष, नरेंद्र लाठी (बड़नगर) -उपाध्यक्ष, सतीश मूंदड़ा (तराना)-उपाध्यक्ष, घनश्याम राठी (नागदा) - कोषाध्यक्ष, रूपनारायण झंवर - संगठन मंत्री, विजय सारड़ा (महिदपुर) - प्रचार मंत्री, मंगल प्रसाद भट्टड़ एवं दिनेश बिंझानी (खाचरौद) संयुक्त सचिव निर्विरोध निर्वाचित हुए। इसी प्रकार महासभा प्रतिनिधि गोविंद मोहता (नागदा) एवं महेश लड्ढा निर्विरोध निर्वाचित हुए।

'मन के मोती' का हुआ विमोचन

अजमेर। साहित्यकार एवं समाजसेवी अंबिका हेड़ा की राजस्थान अकादमी द्वारा इसी वर्ष आर्थिक सहयोग से प्रकाशित पुस्तक मन के मोती का विमोचन जानेमाने प्रतिष्ठित साहित्यकारों के कर कमलों द्वारा संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि असम से आर्यी पदम श्री अवार्ड के लिए नामित साहित्यकार डॉ. निशा नंदनी भारतीय थीं। अति विशिष्ट अतिथि के रूप में शिव शंकर हेड़ा एवं शशि हेड़ा उपस्थित थे।

बहुत मुश्किल नहीं है जिंदगी की सच्चाई समझना, जिस तराजू पर दूसरों को तोलते हो उस पर कभी खुद बैठकर देखो।

अक्षय तृतीया पर हुआ आयोजन

कोलकाता। अक्षय तृतीया के अवसर पर मानव सेवा ट्रस्ट कोलकाता के अध्यक्ष जगदीश चन्द्र एन. मूंधड़ा ने स्वर्गाश्रम स्थित गीता भवन में लक्ष्मी नारायण मंदिर के ठाकुर जी को नई पोशाक एवं उनका श्रृंगार करवाया। उनके साथ पत्नी सुधा मूंधड़ा, मुंबई की मंजू माहेश्वरी, सीकर की सावित्री बियानी, हावड़ा से सुलोचना खेतान एवं संगीता तापड़िया, कोलकाता से संतोष गुप्ता, बीणा संतोष सलामपुरिया, हावड़ा से कुसुम, प्रकाश मूंधड़ा, ब्यावर से श्री एवं श्रीमती राठी आदि उपस्थित थे।

सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

कासगंज। जिला माहेश्वरी सभा कासगंज एटा द्वारा विधान परिषद सदस्य रजनीकांत माहेश्वरी नवनिर्वाचित प्रदेश पदाधिकारी तथा जिला पदाधिकारियों का स्वागत किया गया। इसमें श्री गंगा देवी माहेश्वरी धर्मशाला में माहेश्वरी समाज से विधान परिषद में मनोनीत सदस्य रजनीकांत माहेश्वरी, पश्चिमी उत्तर प्रदेश माहेश्वरी सभा अध्यक्ष राकेश मोहता, प्रदेश मंत्री सुभाषचंद्र बाहेती, प्रदेश उपाध्यक्ष एवं जिला सभा अध्यक्ष राजकुमार जाखेटिया द्वारा भगवान महेश का दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विनय राज पन्नू ने की। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष अजय माहेश्वरी, कोषाध्यक्ष नवनीत माहेश्वरी, संगठन मंत्री मुकेश माहेश्वरी, प्रचार मंत्री संजीव गोदानी तथा रामकुमार सादानी, अभय माहेश्वरी, रघुवंश राठी, मनीष चांडक आदि सभी माहेश्वरी कार्यकारी मंडल सदस्यों को माला, बैज,पगड़ी पहनाकर तथा पुष्प गुच्छ और प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर रजनीकांत माहेश्वरी, राकेश मेहता, सुभाषचंद्र बाहेती को शॉल उड़ाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन मनोज कुमार गुप्ता ने किया इस अवसर पर शेष चंद्र कावरा, अनिल कुमार माहेश्वरी, विनीत कुमार जाजू, अनिल कुमार काकांणी, हीरेंद्र कुमार माहेश्वरी, सुरेंद्र कुमार माहेश्वरी, योगेश जाखेटिया, किशन चंद्र शकची, मनोज जाखेटिया आदि कई समाजजन उपस्थित थे।

तहसील सभा के चुनाव सम्पन्न

दत्तप्रसाद लोहिया

सतीश तोषनीवाल

अंबाजोगाई। तहसील माहेश्वरी सभा के सत्र 2023-26 के चुनाव में अध्यक्ष पद पर दत्तप्रसाद लोहिया एवं सचिव पद पर सतीश तोषनीवाल का निर्विरोध चयन हुआ। समाज के वरिष्ठ नंदकिशोर मूंदड़ा की उपस्थिति और पुरुषोत्तम चोकड़ा की अध्यक्षता में बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में पिछले कार्यकाल के अध्यक्ष, सचिव, संगठन मंत्री, कोषाध्यक्ष भी उपस्थित थे। इस सभा में सर्वानुमति से उपाध्यक्ष गुलाबचंद सारडा, कोषाध्यक्ष रामानुज मूंदड़ा, सहसचिव कांतिलाल चोकड़ा का भी चयन हुआ।

बढ़ते संबंध विच्छेद पर परिचर्चा

जोधपुर। माहेश्वरी साहित्यकार मंच के ऑनलाइन फेसबुक पेज पर विचारों की श्रृंखला में 'बढ़ते संबंध विच्छेद-कारण और निवारण' विषय पर चर्चा संग प्रतियोगिता आयोजित की गई। संस्थापक श्यामसुंदर माहेश्वरी, सतीश लखोटिया, कलावती करवा, मधु भूतड़ा अक्षरा, स्वाति जैसलमेरिया की गरिमामयी उपस्थिति में कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि कमल भूतड़ा (ऑस्ट्रेलिया), विशिष्ट अतिथि रमेश पेड़ीवाल (सिक्किम), डॉ. अशोक सोडाणी (राजस्थान), किरण मूंदड़ा (महाराष्ट्र) कार्यक्रम अध्यक्ष एवं प्रमुख वक्ता की उपस्थिति में शुभारम्भ हुआ। 'विषय - बढ़ते सम्बंध विच्छेद - कारण और निवारण' पर आयोजित हुई लेखनी प्रतियोगिता में देश-विदेश से जुड़े प्रमुख एवं प्रबुद्ध अतिथियों ने कार्यक्रम से जुड़ कर उद्बोधन देकर समाज को नई दिशा दिखाई। मधु भूतड़ा 'अक्षरा' जयपुर ने काव्यात्मक अंदाज में कहा- 'टूटती जा रहे तीव्रता से वैवाहिक जीवन की डोर, चिंतनीय हो रही स्थिति सोचना जरूरी इस ओर।' स्वाति जैसलमेरिया ने कहा- 'अक्सर वे बच्चें बहुत शारीरिक व मानसिक रूप से कमजोर होते है जिस घर मे पति- पत्नी क्लेश में जीते है। हर परिवार के साथ काउंसलिंग करना बहुत जरूरी है, जिससे उन्हें सही दिशा मिल सकें।' मुख्य अतिथि कमल भूतड़ा ऑस्ट्रेलिया ने संबन्ध विच्छेद को रोकने के लिए आध्यात्मिक मनन और योग साधना पर विशेष ध्यान देने को कहा। डॉ. अशोक सोडानी ने इस विषय पर निरंतर परिचर्चा करने का सुझाव दिया। किरण मूँदड़ा ने कहा कि परिवार नहीं तो कुछ भी नहीं। रमेश पेड़ीवाल ने मारवाड़ी भाषा में पीढ़ा जताते हुए कहा कि 'समाज बड़ा दुखी होता है, जब विवाह टूटते हैं।' राजश्री राठी ने कहा- 'विवाह पवित्र संस्कार है।' बदायूं से डॉ. शुभ्रा माहेश्वरी, जय बजाज आदि ने भी विचार व्यक्त किये।

भाग्य से जितनी अधिक उम्मीद करेंगे वह उतना ही निराश करेगा। कर्म में जितना विश्वास रखेंगे वह उतना ही आपको आपकी उम्मीद से अधिक देगा।

होली स्नेह मिलन एवं शपथग्रहण

जयपुर। जिला माहेश्वरी महिला संगठन का गत दिनों केशव नगर सामुदायिक केन्द्र में होली स्नेह मिलन एवं शपथग्रहण समारोह सम्पन्न हुआ। इसमें नृत्य, नृत्य नाटिका, पर्यावरण बचाओं, मोबाईल के दुष्प्रभाव आदि के सम्बन्ध में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की दर्शकों ने बहुत सराहना की। इस अवसर पर जिला माहेश्वरी महिला संगठन एवं जयपुर के सभी क्षेत्रीय महिला संगठनों के समस्त पदाधिकारियों को संगठन की संरक्षक उमा परवाल ने शपथ दिलवाई। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सुनीता पेडीवाल एवं विशिष्ट अतिथि माधुरी कचोलिया थी। इस अवसर पर प्रादेशिक संगठन की चुनाव पर्यवेक्षक प्रेमकला कालानी, प्रादेशिक संगठन की अध्यक्ष पूनम दरगड़ एवं मंत्री सुनीता जैथलिया को भी सम्मानित किया गया।

श्रद्धांजलि

डॉ. मालपानी का मृत्योपरांत नेत्रदान

हैदराबाद। स्वतंत्रता सेनानी स्व. श्री शरदचंद्रजी मालपानी (अमरावती), स्व. श्री राजेंद्र मालपानी (अमरावती) व श्री रविंद्र मालपानी (नांदेड़) के भाई डॉ. रमेश - जगन्नाथ मालपानी (हैदराबाद) का निधन गत 15 मार्च को अलीबाग में हुआ। मृत्यु पश्चात उनकी धर्मपत्नी उषा मालपानी की सहमति से स्व. डॉ. मालपानी का नेत्रदान किया गया। आप अपने पीछे भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गये।

देहदानी श्रीमती शकुंतला बलदवा

सोलापुर। समाज की वरिष्ठ सदस्य श्री पुरूषोत्तम बलदवा की धर्मपत्नी तथा स्व. श्री नारायणदास सोनी की सुपुत्री श्रीमती शकुंतला बलदवा का 67 वर्ष की अवस्था में गत 8 फरवरी को हृदयाघात से देहावसान हो गया। आपकी अंतिम इच्छानुसार परिवार द्वारा आपकी देह का मेडिकल कॉलेज को दान किया गया तथा श्रद्धांजलि स्वरूप नारायण रेकी सत्संग का आयोजन किया गया।

श्री दाऊलाल बिहानी

मिर्जापुर। माहेश्वरी परिषद के वरिष्ठ सदस्य, पूर्वी उत्तरप्रदेश माहेश्वरी सभा के पूर्व मंत्री, अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के पूर्व कार्यकारी सदस्य श्री दाऊलाल बिहानी का 77 वर्ष की आयु में गत 10 अप्रैल को आकस्मिक देहावसान हो गया। आप सामाजिक धार्मिक और जनहित कार्यों में सदैव अग्रणी रहते थे।

अक्षय तृतीया पर सेवा प्रकल्प

झारखंड (बिहार)। अक्षय तृतीया के दिन मां गंगा का अवतरण धरती पर हुआ एवं मां अन्नपूर्णा का जन्म भी अक्षय तृतीया के दिन हुआ इसलिए इस दिन जल और अन्न का दान महत्वपूर्ण है। इस शुभ अवसर पर प्रदेश की विभिन्न शाखाओं में सेवा प्रकल्प का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पक्षियों के लिए पानी का कुंडा घरों में भेंट किया गया। गन्ने का रस, कैरी का पानी, तरबूज, खीरा, राहगीरों को खिलाया गया। हरिहर गौशाला में गाय के लिए तरबूज एवं खीरा भोज का आयोजन किया और आसपास के बच्चों में टॉफी, बिस्किट, ज्यूस व स्टेशनरी आदि सामग्री वितरित की गई।

एक कदम संगठन की ओर

जोधपुर। जिला माहेश्वरी महिला संगठन 2020-2023 सत्र की अध्यक्ष शिवकन्या धूत के सफलतम 3 वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने पर उत्सव एक कदम संगठन की ओर का भव्य आयोजन रातानाडा माहेश्वरी भवन में किया गया। कार्यकाल में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 40 सहयोगी सदस्याओं का साड़ी एवं मोमेंटो के साथ सम्मान किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न गेम्स एवं हाउजी का भी आयोजन किया गया। अध्यक्ष उषा बंग ने बताया कि इस अवसर पर श्रीमती धूत को साफा एवं मोमेंटो देकर भव्य स्वागत कर विदाई दी गई। सचिव नीलम भूतड़ा ने बताया कि मंच संचालन छाया राठी एवं सुनीता हेड़ा द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में पूर्व प्रदेश सचिव कमला मूंदड़ा, अरुणा तापड़िया, संजू राठी, वीणा सोनी, आशा फोफलिया, विमला गट्टानी, पूर्णिमा काबरा, मधु पुंगलिया, मधु मूंदड़ा, मोनिका सोनी, संगठन मंत्री सुशीला बजाज, गीता सोनी, संतोष राठी, रुचि राठी, लता राठी, शांति लोहिया आदि उपस्थित थी।

मैदान में हारा हुआ इंसान फिर से जीत सकता है लेकिन मन से हारा हुआ इंसान कभी नहीं जीत सकता।

चंदुलाल बियाणी बने जिला उपाध्यक्ष

महाराष्ट्र। बीड जिला कार्यकारी मंडल की चुनाव सभा संपन्न हुई। प्रदीप चितलागें, सत्यनारायण लाहोटी, सुरेश लड्ढा, नंदकिशोर मूंदडा, जुगलकिशोर लोहिया, नंदकिशोर तोतला, गोपाल कासट लड्ढा, इनकी प्रमुख उपस्थिति में आगामी सत्र के लिए जिलाध्यक्ष कृष्ण तोष्णीवाल (अंबाजोगाई), उपाध्यक्ष चंदूलाल बियाणी, सचिव जगदीश जाजु (अंबाजोगाई), कोषाध्यक्ष सतीश भंडारी, संगठन मंत्री गिरीश सोनी को सर्वसम्मति से निर्वाचित किया गया।

दर्श चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम

इन्दौर। अन्नपूर्णा क्षेत्र माहेश्वरी समाज के वरिष्ठ सदस्य महेंद्र अटासनिया के पोते दर्श माहेश्वरी (अटासनिया) ने संस्था ''साथी हाथ बढ़ाना'' द्वारा गत 23 अप्रैल को सहकार नगर महालक्ष्मी मंदिर इन्दौर में आयोजित एक चित्र कला प्रतियोगिता में भाग लिया। इसमें तीन केटेगरी 1 से 7 वर्ष, 8 से 15 वर्ष एवं 16 से 20 वर्ष में लगभग 130 बच्चों ने भाग लिया। जिसमें आठ से पन्द्रह वर्ष में दर्श ने गणेश जी की प्रतिमा का स्केच बनाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस उपलब्धि पर अन्नपूर्णा क्षेत्र माहेश्वरी समाज, सुदामा नगर ग्रुप टीम सहित सभी स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

प्रकाश कासट बने जिलाध्यक्ष

लातुर। जिला माहेश्वरी सभा के कार्यकारी मंडल के चुनाव गत 4 अप्रैल को किशन भन्साली प्रदेशाध्यक्ष महाराष्ट्र, मदनलाल मिनीयार (प्रदेश मंत्री), संजय मंत्री, लक्ष्मीरमण लाहोटी, रमेश बियाणी, हुकुमचंद कलंत्री आदि की उपस्थिति में सम्पन्न हुए। इसमें जिलाध्यक्ष सीए प्रकाश कासट व सचिव फुलचंद काबरा को नियुक्त किया गया। जिला माहेश्वरी सभा के कृष्णकुमार लाहोटी सभागृह में संपन्न पदग्रहण समारोह में यशस्वी 6 साल का कार्यकाल संभालने वाले पूर्व जिलाध्यक्ष राजकुमार पलोड़ ने जिलाध्यक्ष का पदभार श्री कासट को सौंपा।

IS:1786
CM/L - 6943589

GBR TMT

THE STRENGTH WITHIN

www.gbrmetals.com

Manufacturers of High quality MS Billets and TMT Bars

Works:
#295, G.N.T Road,
Peravallur Village,
Ponneri Taluk - 601 206
Tamil Nadu
Website: www.gbrmetals.com

Registered Office:
#4, Ramanan Road,
Chennai - 600 079
Tamil Nadu
Ph: +91 44 25292151
E-mail: sales@gbrmetals.com

गत दिनों आयोजित महासभा कार्यसमिति व कार्यकारी मण्डल की बैठक में 30 वें सत्र के महासभा के चुनाव हेतु पूर्व सभापति पद्मश्री बंशीलाल राठी, रामपाल सोनी तथा सभापति श्यामसुन्दर सोनी को अधिकृत किया गया। उन्होंने लोगों से लगातार सम्पर्क में रहकर सर्वसम्मति के लिए प्रयास किया और सभी का सहयोग मिलने से समिति के पदाधिकारियों का चयन करने में सफलता प्राप्त हुई। इनके अनुसार आगामी 30वें सत्र हेतु सभापति सन्दीप काबरा, महामन्त्री अजय काबरा, अर्थमन्त्री राजकुमार काल्या, संगठन मन्त्री प्रवीण सोमाणी, उपसभापति दक्षिणांचल अरूण भांगडिया, उपसभापति पश्चिमांचल राजेश बिड़ला तथा उपसभापति उत्तरांचल विनीत केला सर्वसम्मति से चुने गये। इस निर्वाचन की महासभा द्वारा अधिकृत घोषणा 18 जून को की जाऐगी। आईये डालें महासभा के नेतृत्व पर एक नजर!

महासभा के 30वें सत्र की बागडोर संभालेंगे

संदीप काबरा

नागौर जिले की परबतसर तहसील के पीरवा गांव के श्री उगमचंद काबरा व श्रीमती गौमती काबरा के परिवार में 1 दिसंबर 1975 को जन्मे संदीप काबरा की सामाजिक कार्यों में भागीदारी प्रारंभिक उम्र से ही रही है। बाल्यकाल से ही वे बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। छात्र जीवन में इन्होंने बाल-विचार, असमान विवाह, सहित कई सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ चलने वाले आंदोलनों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। आम आदमी के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने के लिये किये जाने वाले प्रयासों के साथ-साथ अन्य सामाजिक गतिविधियों में इनकी अग्रणी भूमिका रही। स्कूल तथा कॉलेज स्तर पर भी मेधावी छात्र रहे हैं। आपकी एक विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान आपके परिवार का संयुक्त परिवार के रूप में रहना भी है। बड़े भाई राजेश काबरा भी व्यवसाय तथा समाजसेवा में आपके सहयोगी हैं। स्नातक तक शिक्षित श्री काबरा ने जोधपुर को अपनी कर्मभूमि बनाया और यहाँ श्री पैकेजिंग (कोरोगेशन), पेलिकन क्वार्टस स्टोन, आशुतोष एण्टरप्राइजेस (कार्बन) तथा लक्ष्मी ऑटो इण्डस्ट्रीज (कार्बन स्लीपरिंग होल्डर निर्माण) आदि व्यवसायों का सफलतापूर्वक संचालन कर रहे हैं। आपकी धर्मपत्नी मंजू काबरा भी प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से कंधे से कंधा मिलाकर सेवा दे रही हैं।

समाज संगठनों में योगदान

लगातार महासभा के दो सत्रों में महामंत्री के रूप में सेवा दे रहे श्री काबरा वर्तमान सत्र के पूर्व 28 वें सत्र में भी सर्वसम्मति से महामंत्री रह चुके हैं। 27वें सत्र में संगठन मंत्री एवं महासभा के 26वें सत्र में कार्यसमिति सदस्य रहे हैं। वर्ष 2010-12 में अभा माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर में प्रबंध समिति सदस्य, वर्ष 2000-09 में अभा माहेश्वरी युवा संगठन में कार्यकारी मंडल सदस्य, वर्ष 1992-2000 में राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन व वर्ष 1992-2000 में राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन कार्यकारी मंडल सदस्य, वर्ष 2000-03 में अभा माहेश्वरी युवा संगठन कार्यसमिति सदस्य, माहेश्वरी पंचायत जोधपुर सदस्य तथा श्री माहेश्वरी भवन जोधपुर में प्रबंध समिति सदस्य, वर्ष 2007-12 में भी माहेश्वरी पंचायत सभा जोधपुर में सहवृत सदस्य रहे हैं। श्री काबरा ने महासभा के 27वें सत्र के संगठन मंत्री के रूप में महासभा की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। इसी का नतीजा था कि उन्हें 28वें सत्र में सर्वसम्मति से महामंत्री निर्वाचित किया गया। वर्तमान सत्र में चुनावी प्रक्रिया से निर्वाचित होकर उन्होंने महामंत्री पद की जो सफलता पूर्वक जिम्मेदारी निभाई, इसी ने उन्हें सर्वसम्मति से सभापति निर्वाचित करवाया। आप श्री आदित्य विक्रम बिड़ला व्यापार सहयोग केंद्र से भी सम्बद्ध होकर सक्रिय योगदान दे रहे हैं।

परिवार के बीच संदीप जी

कई राष्ट्रीय संगठनों से सम्बद्ध

श्री काबरा राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के बाल्यकाल से स्वयं सेवक रहे हैं। स्वदेशी जागरण मंच की राष्ट्रीय परिषद् के सदस्य, स्वदेशी जागरण मंच राजस्थान प्रदेश प्रवक्ता, स्वदेशी मेला आयोजन समिति महासचिव, स्वदेशी विचार फाउंडेशन अध्यक्ष, विवेकानंद योग एवं चिकित्सा अनुसंधान संस्थान राजस्थान के उपाध्यक्ष, ग्राम विकास समिति जोधपुर के कोषाध्यक्ष तथा 1996 से 2000 तक फुलेरा इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के महासचिव रहे। खुदरा एफडीआई विरोधी जन संघर्ष मंच दिल्ली के प्रदेश संयोजक रहते हुए एफडीआई के विरोध में जन आंदोलन किया। श्री काबरा ने 2002 से 2009 तक भारतीय नववर्ष महोत्सव समिति जोधपुर (2002-2009) के कोषाध्यक्ष पद पर सराहनीय सेवाएं दी। दस जमा दो पद्धति के विरोध में राजस्थान के सबसे बड़े छात्र आंदोलन के दौरान वे प्रदेश महासचिव की भूमिका में थे। सन 1989 में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़ाव रहा। इस दौरान उन्होंने जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय छात्र संघ का चुनाव भी लड़ा। इससे पहले 1988 में श्री महेश शिक्षण संस्थान छात्र संघ में पदाधिकारी रहे। श्री काबरा जोधपुर जिला बैडमिंटन संघ के सदस्य, श्री महालक्ष्मी बालिका विद्यालय जोधपुर के सदस्य, भारत सरकार के उपक्रम एथिक्स कमेटी में 2016 से 2018 तक सदस्य, जाणता राजा आयोजन समिति 2019 के कोषाध्यक्ष, जनहित शिक्षण संस्थान के उपाध्यक्ष, राज्य स्तरीय युवा महोत्सव के सलाहकार मंडल सदस्य तथा 1988 से 1996 तक विद्यार्थी संरक्षण समिति के महासचिव सहित 1996 से 2000 तक उद्योग सलाहकार मंडल जयपुर ग्रामीण के सदस्य रहे हैं।

स्वदेशी मेले का बनाया कीर्तिमान

श्री काबरा ने देश के सर्वाधिक एवं सफल स्वदेशी मेले का लगातार आठ बार जोधुपर में आयोजन कर एक कीर्तिमान बनाया है। इस आयोजन में देश के सभी प्रमुख औद्योगिक राजनीतिक क्षेत्र के कार्यकर्ताओं का पर्दापण भी हुआ। इसे जोधपुर की धरा पर एक ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में देखा जाता है। वे लघु उद्योग भारती जोधपुर तथा इंडियन कार्बन सोसायटी दिल्ली के सदस्य तथा भारतीय विपणन विकास केंद्र सीबीएमडी की सलाहकार समिति के सदस्य भी रहे हैं।

नवाचारों में नहीं पीछे

सामाजिक व औद्योगिक संगठनों के विभिन्न पदों पर पदासीन रहते हुए श्री काबरा ने अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन बखूबी किया। श्री काबरा ने 2019 में अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के सान्निध्य में बतौर मुख्य संयोजक माहेश्वरी समाज के अंतरराष्ट्रीय महासम्मेलन के माध्यम से विश्व के विभिन्न कोनों में रह रहे समस्त माहेश्वरी बंधुओं को जोधुपर की धरा पर एक सूत्र में पिरोकर माला का रूप देने का प्रयास किया जिसमें वे सफल रहे। इस सम्मेलन से उन्होंने दिखा दिया कि कोई भी कार्य व्यक्ति के दृढ़ निश्चय व प्रबल इच्छा शक्ति के समक्ष नगण्य है। इस महाकुंभ में उन्होंने जोधपुर को कई नवाचारों से रूबरू तो करवाया ही साथ ही शादी, समारोह व अन्य आयोजनों में व्यर्थ हो रहे भोजन के कण-कण को बचाने का संदेश भी दिया। कई स्टार्टअप के लिए एक ऐसा प्लेटफॉर्म भी तैयार किया जहां उनकी उम्मीदों को पंख लगे। कई इनोवेटिव्ज आइडियाज के बूते कई स्टार्टअप ने राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर करोड़ों के पैकेज हासिल किए। श्री काबरा ने औद्योगिक संगठनों के विभिन्न पदों पर रहते हुए भी काफी सराहनीय कार्य किए।

ये रहेंगे टीम में शामिल

■ महामंत्री - अजय काबरा

अ.भा. माहेश्वरी महासभा के विगत दो सत्रों से लगातार संगठन मंत्री के रूप में अपनी सेवा दे रहे अजय काबरा को वर्तमान में सर्वसम्मति से महासभा के महामंत्री पद की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। महासभा के पूर्व के दो सत्रों में श्री काबरा कार्यकारी मंडल सदस्य भी रहे हैं। उनको समाज संगठन में जब उत्तरांचल के संयुक्त मंत्री पद की जिम्मेदारी सौंपी गई थी, जो उन्होंने बखूबी निभाई थी। श्री बांगड़ मेडिकल माहेश्वरी वेलफेयर सोसायटी के गोल्ड सदस्य तथा अभा माहेश्वरी एजुकेशन ट्रस्ट दिल्ली के ट्रस्टी के रूप में सेवा दे रहे हैं। वर्ष 2007-2010 तक पूर्वी उप्र माहेश्वरी सभा के प्रदेश मंत्री तथा वर्ष 2010-2013 में श्री महेश सेवा प्रादेशिक ट्रस्ट पूर्वी (उप्र) के सचिव रहे हैं।

■ कोषाध्यक्ष-राजकुमार काल्या

अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन के वर्तमान तक लगातार दो सत्र में सफल अध्यक्ष रहे गुलाबपुरा जिला भीलवाड़ा (राज.) निवासी राजकुमार काल्या इस बार अ.भा. माहेश्वरी महासभा के सर्वसम्मति से कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं। एम.कॉम. एम.बी.ए तक उच्च शिक्षित श्री काल्या रियल इस्टेट, एक्सप्लोसिव, माईनिंग, फाइनेंस आदि महत्वपूर्ण व्यवसायों से सम्बद्ध हैं। आप अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन को महामंत्री, कोषाध्यक्ष तथा सांस्कृतिक मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पदों पर भी सेवा दे चुके हैं। इसके साथ ही आप शोर्य भवन जनोपयोगी सेवा केन्द्र (अयोध्या), श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट, श्री बसन्तीलाल मनोरमादेवी काल्या अभा. माहेश्वरी युवा फाउंडेशन, श्री नाकोड़ा पार्श्वनाथ भैरव मंदिर ट्रस्ट व एबीएमएम माहेश्वरी रिलीफ फाउंडेशन से संस्थापक ट्रस्टी के रूप में सम्बद्ध हैं। श्री बांगड माहेश्वरी मेडिकल वेलफेयर सोसायटी, श्री प्राज्ञ कुंदन वल्लभ हॉस्पिटल, बद्रीलाल सोनी माहेश्वरी शिक्षा सहयोग केन्द्र, श्री कृष्णदास जाजू स्मारक ट्रस्ट, अखिल भारतीय एजुकेशनल एण्ड चैरिटेबल ट्रस्ट मुम्बई से ट्रस्टी तथा प्रबंधकारिणी सदस्य के रूप में श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन, पुष्कर से भी सम्बद्ध हैं। सर्टीफिकेट ऑफ कमिटमेन्ट फ्रोम वर्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड-2021 से भी सम्मानित किया जा चुका है।

■ संगठन मंत्री-प्रवीण सोमानी

अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन के 12 के सत्र में महामंत्री रहे मुंबई निवासी प्रवीण सोमानी अ.भा. माहेश्वरी महासभा के नवीन सत्र हेतु सर्वसम्मति से संगठन मंत्री चुने गये। आपके पिता लक्ष्मीनारायण सोमानी ''माहेश्वरी'' बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में महत्वपूर्ण सेवा देते रहे हैं। व्यावसायिक रूप से आप ''इनलैंड वर्ल्ड लॉजिस्टिक'' में मैनेजिंग डायरेक्टर की जिम्मेदारी सम्भाल रहे हैं। श्री सोमानी को महासभा में संगठन मंत्री जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी उनकी युवा संगठन के 12वें सत्र की विशिष्ट सेवा तथा उनकी विशिष्ट प्रबंधन क्षमता को देखते हुए सौंपी गई है।

माहेश्वरी समाज के मूल संस्कारों और रीति रिवाजों से करायेगी पहचान

ऋषि मुनि प्रकाशन द्वारा प्रकाशित

हमारे संस्कार हमारे रीति रिवाज

जिसमें पाएंगे आप माहेश्वरी समाज में प्रचलित रीति-रिवाजों के साथ ही विवाह संस्कार, जन्म संस्कार, मृत्यु संस्कार तथा माहेश्वरी परम्पराओं के विशिष्ट पर्वो गणगौर, सातुड़ी तीज तथा ऋषि पंचमी पर केन्द्रीत विशिष्ट जानकारी।

विशेष छूट के साथ उपलब्ध ~~Rs. 125/-~~ Rs. 100/-

ऋषिमुनि प्रकाशन
90, विद्या नगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.)
94250 91161, 91799-28991
rishimuniprakashan@gmail.com

*महिला संगठनों के लिए विशेष छूट के साथ उपलब्ध

amazon पर उपलब्ध

माहेश्वरी समाज में सर्वाधिक पढ़ी जाने वाली अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की मासिक पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

को सम्पूर्ण राजस्थान, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, आन्ध्रप्रदेश, कर्नाटक एवं गुजरात में जिला तथा तहसील स्तर पर

ऊर्जावान एवं कर्मठ प्रतिनिधियों की आवश्यकता है

आत्मविश्वास से भरपूर व पर्याप्त शैक्षणिक योग्यता वाले उम्मीदवारों को प्रथमिकता आकर्षक कमीशन/ वेतन एवं प्रेस कार्ड देय होगा। इच्छुक उम्मीदवार अपना बायोडाटा पूर्ण जानकारी के साथ ई-मेल करें।

smt4news@gmail.com
मो. - 094250-91161

SMT NEWS VIDEO NEWS BULLETIN

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के 132 साल के इतिहास में पहली बार मारवाड़ के संदीप काबरा के निर्विरोध निर्वाचन पर माहेश्वरी समाज में हर्ष की लहर है। श्री काबरा 18 जून को सभापति का पदभार संभालेंगे। आईये जानें श्री काबरा से उनकी जुबानी, क्या होगा इस सत्र में कुछ नया?

परिवार, संस्कृति और व्यापार का संरक्षण ही लक्ष्य–श्री काबरा

▸▸ प्रत्येक समाज बंधु होगा बीमित

हमारा लक्ष्य परिवार, संस्कृति और व्यापार को बचाना है। इसके लिए वर्षभर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। माहेश्वरी समाज के हर बंधु का बीमा कराया जाने का लक्ष्य है। 4-5 जिलों में बीमा शुरू भी हो चुके हैं।

▸▸ व्यापार एवं उद्योग के लिए करेंगे जागरूक

माहेश्वरी युवा बिजनेस करने के बजाय सरकारी नौकरी की तरफ भाग रहे हैं। जबकि यह समाज हमेशा से ही बिजनेस में अग्रणी रहा है। रोजगार देने में समाज का बड़ा योगदान है। युवाओं को व्यापार के प्रति न केवल जागरूक किया जाएगा, बल्कि उनकी समझ बढ़ाने, मुश्किलें हल करने के लिए कई काम कराए जाएंगे।

▸▸ अयोध्या में बनेगा भव्य 'शौर्य' भवन

पहला काम अयोध्या में प्रस्तावित 'शौर्य' भवन को पूरा करना है। इसकी लागत लगभग 180 करोड़ रुपए होगी और यह राशि समाज के लोगों द्वारा वहन की जा रही है। यह भवन सर्व समाज के लिए होगा। इसमें हॉल, लाइब्रेरी, 1200 सीट क्षमता के ऑडिटोरियम सहित कई सुविधाएं होंगी।

▸▸ कुरीतियों के शमन के प्रयास

कुरीतियों के शमन के प्रयास महासभा के गठन के समय से जारी है। महासभा ने अनेक ऐतिहासिक फैसले लिए हैं। बड़ी उम्र का विधुर छोटी उम्र की लड़कियों से विवाह नहीं करेगा, विधवा विवाह जैसे प्रस्ताव तो महासभा सौ वर्ष पूर्व पास कर चुकी है। महासभा ने गांधी के स्वदेशी आंदोलन का प्रस्ताव भी पास कर इसे पुरजोर किया था, तब से अब तक प्रचलित कुरीतियों के शमन पर निरंतर कार्य जारी हैं। हमारे टॉक शो इसी शृंखला की एक कड़ी हैं। दहेज प्रचलन में है पर मांगने का साहस किस में है? कुरीतियों के शमन के प्रयास अनवरत जारी रहेंगे।

▸▸ राष्ट्र के आर्थिक विकास का बिम्ब बनेगा समाज

माहेश्वरी समाज का शहर, राज्य और देश के विकास में अहम योगदान है। चाहे दान करना हो या फिर उद्योग लगाकर रोजगार देना। राष्ट्र के आर्थिक मोर्चे पर भी हम विकास बिम्ब बनकर उभरे है। आज महासभा मात्र एक जातीय संगठन न होकर राष्ट्र विकास का अहम सोपान बन गया है। अब तो हम अन्य पिछड़ी जातियों के विकास तक में भूमिका निभाते हैं। आज माहेश्वरी समाज में बढ़ती शिक्षा एवं उनके बढ़ते आर्थिक विकास को देखकर कहेंगे कि माहेश्वरी राष्ट्र के गौरव है एवं आगे भी रहेंगे।

▸▸ आनुपतिक आधार पर मिलेगा प्रतिनिधित्व

महासभा के विधान के अनुसार हर पांच सौ परिवारों से चाहे वे गांव, शहर, महानगर कहीं के भी हों, जनसंख्या के आनुपातिक आधार पर एक प्रतिनिधि महासभा तक पहुंचे, यहीं हमारा लक्ष्य है। महिला व युवा संगठन के पदाधिकारी भी विधान संरचना एवं पदेन नियुक्तियों के अनुरूप महासभा में पहुंच रहे हैं। हमारी इच्छा है कि देश की प्रतिभाओं को भी इसमें समाविष्ट कर सकें, तो महासभा एक शक्तिशाली संगठन के रूप में उभरेगी।

अ.भा. माहेश्वरी महासभा के प्रोफेशनल सेल सह संयोजक डॉ. विलास लड्ढा ने चिकित्सकों के ग्रुप द्वारा महासभा के अंतर्गत समाजजनों को अत्यंत कम शुल्क में हेल्थ चेकअप सुविधा की शुरुआत की है। वर्तमान में यह मुम्बई, नागपुर तथा अकोला में प्रारम्भ हुई है। शीघ्र ही इसे अन्य शहरों में भी स्थानीय संगठनों की मांग पर प्रारम्भ किया जाऐगा।

डॉ. विलास लड्ढा

माहेश्वरी परिवारों को मिलेगी छूट के साथ उपचार सुविधा

वर्तमान दौर में चिकित्सा प्राप्त करना एक अत्यंत कष्ट साध्य ही नहीं बल्कि अत्यंत खर्चीली चुनौती बन चुकी है। आम व्यक्ति श्रेष्ठ चिकित्सा सुविधा से अपनी आर्थिक स्थितियों के कारण ही वंचित रह जाता है। वहीं जो मध्यमवर्गीय परिवार अपने सदस्य की चिकित्सा करवा भी लेते हैं, उन्हें उन आर्थिक स्थितियों से उभरने में वर्षों लग जाते हैं। कई तो वर्षों तक अपने उधारी चुकाने में ही जुटे रहते हैं। ऐसे ही माहेश्वरी परिवारों के लिये ''upchar'' के नाम से अत्यंत डिस्काउंटेट सेवा लेकर आये हैं, डोम्बीवली (पूर्व), मुम्बई निवासी ख्यात चिकित्सक तथा अ.भा. माहेश्वरी महासभा के प्रोफेशनल सेल सहसंयोजक डॉ. विलास लड्ढा। यह सुविधा अबतक मुम्बई, नागपूर, हैदराबाद, अकोला में उपलब्ध है जो भविष्य में अन्य शहरों में भी हो सकती है। उनकी इस उत्कृष्ट सेवा के लिये अखिल भारत वर्षीय माहेश्वरी महासभा के जालना एक्सपो में उन्हें आरोग्य संबंधित कार्य हेतु सभापति श्याम सोनी और सभी मंचासन पदाधिकारियों द्वारा सम्मानित भी किया गया।

30 प्रतिशत से भी कम में हेल्थ चेकअप

योजना की जानकारी देते हुए डॉ. विलास लड्ढा ने बताया कि लीलावती अस्पताल मुंबई में रू 27000/- का कम्प्लीट मेडिकल चेकअप पैकेज देशभर के माहेश्वरी बंधुओं के लिए मात्र रू 7320/ में उपलब्ध कराया गया है। ऐसे ही पैकेजेस हैदराबाद के ग्लोबल हॉस्पिटल नागपुर के प्लेटिना हॉस्पिटल और अकोला के लोटस हॉस्पिटल के साथ तथा थायरोकेयर के साथ किया गया है। अगर कोई भी जिला या प्रदेश इस तरह के पैकेजेस अपने क्षेत्र के लिए करवाना चाहते हैं तो उनसे संपर्क कर सकते हैं। उनकी टीम उस हॉस्पिटल से बात करके ऐसा पैकेज बनाने की कोशिश करेंगी। अगर आप किसी भी बीमारी में सेकंड ओपिनियन लेना चाहते हैं या देशभर के किसी भी शहर में किसी भी डॉक्टर से अपॉइंटमेंट दिलवाना हो या किसी भी अस्पताल में बेड बुक करवाना हो, ऐसे में उनकी टीम कम से कम समय में ये दिला देती हैं। किसी पेशंट को शिफ्ट करवाना हो तो एयर एम्बुलेंस की सेवा भी उपलब्ध करा देते है।

किसी को भी जरूरत हो तो वेबसाईट www.upchar.in या फिर मोबाईल नंबर **77384 50586** पर उनसे संपर्क कर सकते हैं।

हर प्रकार के विशेषज्ञ उपलब्ध

डॉ. लड्ढा ने प्रकल्प की उपयोगिता की जानकारी देते हुए बताया कि जब मुंबई या किसी बड़े शहरों में किसी गंभीर मरीज़ को अस्पताल में जाने की ज़रूरत पड़ती है,तब मरीज़ और उनके रिश्तेदार परेशान हो असमंजस में पड़ जाते हैं। हम पूरे देश से एक समर्पित चिकित्सकों का समूह हैं जो सही दिशा-निर्देश देने/ दिलवाने के लिए हमेशा उपस्थित रहेंगे। आप अपनी पहले रिपोर्ट हमें भेज सकते हैं। एक बार विशेष चिकित्सक / सलाहकार से रिपोर्ट को जाँच लें, तत्पश्चात हम आपके लिए अस्पताल / चिकित्सकों के साथ मिलने का समय निश्चित करवा सकेंगे ताकि समय पर किसी नजदीकी अच्छे बड़े अस्पताल में सही इलाज या ऑपरेशन हो सके, और इसमे कोई असुविधा ना हो। कुछ जटिल मामलों में, जहाँ आधुनिक दवाईयां नहीं उपयोग में लायी जा सकतीं या फिर सर्जरी नहीं की जा सकती, हम सर्वसुविधायुक्त केन्द्रों में आयुर्वेदिक पंचकर्म एवम योगा उपचार के बारे में भी सोच सकते हैं, जिससे इलाज में सुविधा होवे।

हमारी धरती कई ऐसी दुर्लभ औषधियाँ उत्पन्न करती हैं, जो किसी चमत्कार से कम नहीं होती। उन्हीं में से एक है, अस्थि संहार या हड़जोड़। आमतौर पर किसी भी फ्रेक्चर के बाद हड्डी जुड़ने में लम्बा समय लगता है, लेकिन इसका उपयोग कुछ ही दिनों में हड्डी को जोड़ देता है। इतना ही नहीं कई अन्य बीमारियों में भी यह अत्यंत कारगर है। बस इसके उपयोग के लिये आयुर्वेद चिकित्सक का परामर्श जरूरी है।

कैलाशचंद्र लढ्ढा
जोधपुर

हड्डी जोड़ने की अद्भूत औषधि

अस्थि संहार

आयुर्वेद में और स्थानीय लोग में भी अस्थि संहार या अस्थिजोड़ चूर्ण का प्रयोग टूटी हुई हड्डियों को जोड़ने के लिये करते रहे हैं। इसकी लगभग 8 मी तक लम्बी आरोही पर्णपाती लता होती है। जो देखने में चतुष्कोणीय तथा अस्थि शृंखला जैसी प्रतीत होती है, पुराने तने पत्रविहीन होते हैं। इसका प्रयोग अस्थि संबंधी बीमारियों के चिकित्सा में किया जाता है। अस्थिसंहार प्रकृति से मधुर, कड़वा, तीखा, गर्म, लघु, गुरु, रूखी, कफवातशामक, पाचक और शक्तिवर्द्धक होता है। अस्थिसंहार कृमि, अर्श या पाइल्स, नेत्ररोग, अपस्मार या मिरगी, घाव या अल्सर, आध्मान या पाचक तथा दर्दनाशक होता है। अस्थिसंहार के पौधे से प्राप्त ग्लूकोसाइड हृदयपेशी पर नकारात्मक (नेगेटिव) क्रोनोट्रापिक (Chronotropic) प्रभाव डालता है। यह परखनलीय परीक्षण में अस्थिजनन क्रियाशीलता (Osteogenic activities) दिखाता है।

क्या है अस्थि संहार

अस्थिसंहार का वानास्पतिक नाम Cissus quadrangularis Linn. (सीस्सुस क्वॉड्रंगुलारिस्) Syn-Vitis quadrangularis (Linn.) Wall. ex. Wight है। अस्थिजोड़ Vitaceae (वाइटेसी) कुल का है। अस्थिजोड़ को अंग्रेजी में Bone setter (बोन सेटर) कहते हैं। भारत के विभिन्न प्रांतों में अस्थिसंहार को भिन्न-भिन्न नामों से पुकारा जाता है। जैसे संस्कृत में ग्रन्थिमान्, अस्थिसंहार, वङ्काङ्गी, अस्थिश्रृंखला, चतुर्धारा तथा हिन्दी में हड़जोड़, हड़संघारी, हड़जोड़ी, हड़जोरवा आदि कहते हैं। अंग्रेजी में इसे एडिबल स्टेमड वाइन (Edible stemmed vine), वेल्ड ग्रेप (Veld grape), विंग्ड ट्री वाइन (Winged tree vine) कहा जाता है।

कैसे करें इसका उपयोग

हड्डियों को जोड़ने में हड़जोड़ बहुत ही लाभकारी होता है लेकिन इसके इस्तेमाल करने का तरीका सही होना चाहिए। भग्न अस्थि या संधि पर हड़जोड काण्ड कल्क का लेप करने से शीघ्र भग्न संधान होता है। 10-15 मिली हड़जोड़ स्वरस को घी में मिलाकर पीने से तथा भग्न स्थान पर इसके कल्क में अलसी तैल मिलाकर बांधने से भग्न अस्थि का संधान होता है। 2-5 ग्राम हड़जोड़ मूल चूर्ण को दुग्ध के साथ पिलाने से भी टूटी हुई हड्डी जुड़ जाती है। अगर रीढ़ की हड्डी के दर्द से परेशान हैं तो हड़जोड़ का औषधीय गुण बहुत फायदेमंद तरीके से काम करता है। हड़जोड़ के पत्तों को गर्म करके सिंकाई करने से दर्द कम होता है। अगर मोच आने पर दर्द कम नहीं हो रहा तो हड़जोड़ का घरेलू उपाय बहुत ही लाभकारी होता है। हड़जोड़ स्वरस में तिल तैल मिलाकर, पकाकर, छानकर लगाने से मोच तथा वेदना में लाभ होता है।

कई बीमारियों में चमत्कारी

ब्रोंकियल अस्थमा में हड़जोड़ का औषधीय गुण लाभकारी साबित हो सकता है। 5-10 मिली हड़जोड़ रस को गुनगुना कर पिलाने से तमक श्वास में लाभ होता है। अक्सर मसालेदार खाना खाने या असमय खाना खाने से पेट में समस्याएं होने लगती है। 5-10 मिली हड़जोड़ पत्ते के रस में मधु मिलाकर पिलाने से पाचन क्रिया ठीक होती है तथा उदर संबंधित समस्याओं से आराम मिलता है। ज्यादा मसालेदार, तीखा खाने आदि से पाइल्स की बीमारी होने की संभावना बढ़ जाती है। उसमें हड़जोड़ का घरेलू उपाय बहुत ही फायदेमंद साबित होता है। उपदंश मतलब जननांग यानि जेनिटल पार्ट्स में घाव जैसा हो जाता है, लेकिन इस घाव में दर्द नहीं होता है। एक भाग तालमखाना, 1/2 भाग अस्थिसंहार, 1/4 भाग दालचीनी तथा 2 भाग शर्करा के चूर्ण को 14 दिनों तक दूध के के साथ सुबह शाम सेवन करने से उपदंश में लाभ होता है। (इस अवधि में तेल, अम्ल या एसिडिक फूड तथा नमक रहित आहार लेना चाहिए।) इसके अलावा हड़जोड़ तने के रस का लेप करने तथा तने के रस का सेवन करने से उपदंश आदि रोगों में लाभ होता है।

महिलाओं को भी लाभदायक

डिलीवरी के बाद के दर्द से राहत दिलाने में भी हड़जोड़ अत्यंत लाभदायक है। हड़जोड़ के तना एवं पत्तों को पीसकर लेप करने से डिलीवरी के दर्द से आराम मिलता है। महिलाओं के रोग प्रदर या ल्यूकोरिया में भी हड़जोड़ फायदेमंद है। महिलाओं को अक्सर योनि से सफेद पानी निकलने की समस्या होती है। सफेद पानी का स्राव अत्यधिक होने पर कमजोरी भी हो जाती है। इससे राहत पाने में हड़जोड़ का सेवन फायदेमंद होता है। 5-10 मिली हड़जोड़ काण्ड रस का सेवन करने से अनियमित अर्न्तस्राव तथा श्वेतप्रदर या सफेद पानी में लाभ होता है। अगर कटने या छिलने पर ब्लीडिंग कम नहीं हो रहा है तो हड़जोड़ का प्रयोग लाभकारी होता है। हड़जोड़ स्वरस को लगाने से क्षतजन्य रक्तस्राव का स्तम्भन होता है। इसके अलावा 2-4 मिली तने और जड़ के रस को पीने से शीताद, दंत से रक्तस्राव, नासिका से रक्तस्राव तथा रक्तार्श या बवासीर में खून आना आदि में लाभ होता है।

सर्वमान्य रूप से माहेश्वरी समाज महेश नवमी को अपना उत्पत्ति दिवस मानता आ रहा है। इन सब के बावजूद यह अभी भी शोध का विषय है कि माहेश्वरी समाज की उत्पत्ति कितने वर्ष पूर्व हुई? आखिर वह कितने वर्ष पूर्व की महेश नवमी थी, जब क्षत्रिय से हमने वैश्य कर्म अंगीकार किया था?

अभी भी शोध का विषय है समाज की उत्पत्ति

प्रचलित मान्यताओं के अनुसार माहेश्वरी जाति की उत्पत्ति का घटनाक्रम एक पौराणिक कथा से जोड़ा जाता है। इसके अनुसार खण्डेला के राजा खड़गल सेन के पुत्र सुजान कुँवर व उनके 72 उमराव यज्ञ विध्वंस के दोष के कारण ऋषि श्राप से पाषाणवत हो गये थे। भगवान महेश और पार्वती के आशीर्वाद से वे पुनर्जीवित हुए तथा महेश नवमी पर लोहार्गल नामक तीर्थस्थल पर तलवार छोड़ तराजू धारण कर वैश्य हो गये और माहेश्वरी कहलाऐ। समाज के प्रथम इतिहासकार श्री शिवकरण दरक व विभिन्न जागाओं की बहियों से समाज की उत्पत्ति का सर्वमान्य रूप से यही कथानक सामने आता है।

उत्पत्ति का काल शोध का विषय

समाज की उत्पत्ति के काल को लेकर बहुत मतभेद है। मगनीरामजी जागा के अनुसार यह माहेश्वरी समाज का उत्पत्ति दिवस विक्रमादित्य से 3984 वर्ष पूर्व था। शिवकरणजी दरक ने इस वर्ष को ''शक प्रथम'' का संवत 9 लिख दिया जो अस्पष्ट है। उत्पत्ति दिवस को लेकर भी मतभेद हैं, क्योंकि दरकजी ज्येष्ठ शुक्ल नवमीं को उत्पत्ति दिवस मानते हैं, जबकि जागा कार्तिक शुक्ल एकादशी शनिवार को उत्पत्ति का समय मानते हैं।

क्या कहते हैं पुराने साक्ष्य

अधिकांश जागा माहेश्वरी समाज की उत्पत्ति विक्रमादित्य से 3984 वर्ष पूर्व कार्तिक शुक्ल 11 को ही मानते हैं और लाला सालिगरामजी माहेश्वरी (सोमानी) ने भी इस तथ्य को स्वीकार करते हुए इसी कालावधि को अपनी पुस्तक में समाहित किया। स्व. श्री दरक ने अथक प्रयत्नों से जागाओं से जानकारी प्राप्त कर पुस्तक में इन्हें समाहित किया था, अतः हो सकता है किन्हीं कारण वश अस्पष्टता बन गई हो। उनके पुत्र रामरतनजी दरक ने काल सम्बंधित इस त्रुटि का सुधार करते हुए इसमें विक्रमादित्य से 3984 वर्ष पूर्व का काल जोड़कर भूल सुधार किया है।

शोध के आयने में उत्पत्ति

अधिकांश जागाओं ने अपनी बहियों में माहेश्वरी समाज की उत्पत्ति का वर्ष युधिष्ठिर संवत 9 माना है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार युधिष्ठिर ने राजसूयी यज्ञ के समय अपने नाम से संवत प्रारम्भ किया था। इसके बाद ही जुए में हारने के कारण उन्हें 12 वर्ष वनवास तथा 1 वर्ष अज्ञातवास बिताना पड़ा। महाभारत युद्ध जीतकर ही वे पुनः राजा बने थे। अतः महाभारत युद्ध युधिष्ठिर संवत 13 में हुआ था, तो युधिष्ठिर संवत 9 महाभारत युद्ध से निश्चित ही चार वर्ष पूर्व था। इसके पश्चात उन्होंने 36 वर्ष राज्य किया था। उनके हिमालय गमन के साथ ही द्वापर युग समाप्त हो गया था। ज्योतिष के आधार पर कई विद्वानों ने वसंत सम्पात को आधार मानकर काल गणना की है। इसमें विदेशी विद्वानों के साथ ही लोकमान्य तिलक आदि ने भी महाभारत काल की गणना की है। उन्होंने इसे वर्तमान समय से लगभग पाँच हजार एक सौ चौबीस वर्ष पूर्व बताया है। इसमें कलयुग के 5124 वर्ष शामिल हैं। इस मान से माहेश्वरी समाज की उत्पत्ति का युधिष्ठिर संवत 9 वर्तमान वर्ष से 5124+36+5= 5164 वर्ष पूर्व माना जाऐगा। मगनीरामजी जागा आदि की गणना में 899 वर्ष का समय अधिक आता है।

अभी भी अनिर्णित है उत्पत्ति काल

तमाम प्रयासों के बावजूद अभी भी विद्वानों की आम सहमति किसी भी कालगणना पर नहीं बनी है। समाज की उत्पत्ति पर शोध करने वाले ''माहेश्वरी वंशोत्पत्ति तथ्यान्वेषण'' के लेखक कलकता के गौरीशंकर सारदा इस मत से पूर्ण सहमत नहीं हैं। उनका कहना है कि मगनीरामजी जागा के अनुसार माहेश्वरी जाति की उत्पत्ति के समय बृहस्पति मेष राशि में स्थित था। ज्योतिर्विज्ञान की गणना के अनुसार पाँच वर्ष पश्चात यह कन्या राशि या इसके आस-पास ही होना चाहिये, क्योंकि यह प्रतिवर्ष एक राशि आगे बढ़ता है। यदि महाभारत काल की ग्रह स्थितियाँ देखी जाऐं तो उस समय बृहस्पति मकर राशि में था। अतः युधिष्ठिर संवत 9 में माहेश्वरी समाज की उत्पत्ति मानना विवादास्पद होगा। वे जागाओं की बहियों के आधार पर मानते हैं कि भगवान राम के काल से 300 वर्षों के अन्दर माहेश्वरी जाति की उत्पत्ति हो चुकी थी। महाभारत युद्ध में उनकी 30 वीं पीढ़ी के राजा बृहदबल ने भाग लिया था। यदि 30 वर्ष प्रति पीढ़ी का आकलन किया जाऐ तो यह माना जाऐगा कि राम से 900 वर्ष पश्चात महाभारत युद्ध हुआ था। अतः माहेश्वरी समाज की उत्पत्ति महाभारत युद्ध से 5 वर्ष नहीं बल्कि लगभग 600 वर्ष पूर्व हो चुकी थी।

एक दौर था जब डिजिटल उपकरणों के उपयोग पर जोर दिया जाता था। अब धीरे-धीरे डिजिटल डिटॉक्स की मांग भी उठने लगी है। इसका अर्थ है डिजिटल उपकरणों से कुछ समय की दूरी। आईये जानें क्यों समय की मांग बन रहा है, डिजिटल डिटॉक्स?

समय की माँग डिजिटल डिटॉक्स

ऋचा बियाणी
इंदौर

एक ज़माना था, जब हम न्यूज़ चैनल, अखबार, किताबों और मैगज़ीन को ही हमारे नॉलेज का स्रोत मानते थे। जब से इंटरनेट हमारे जीवन में आया है, हमने बहुत तेज़ी से तरक़्क़ी की और देश दुनिया की हर खबर, चुटकी में हमारी उँगलियों पर आ गई। जहाँ हमने इसके इतने लाभ देखे, वहीं एक पक्ष को अनदेखा करते चले गए, और आज भी कर रहे हैं। हमारी निज़ी ज़िंदगी में सबसे ज़्यादा दखल इस इंटरनेट और सोशल मीडिया ने कर दिया। जहाँ एक परिवार में चार लोग भी साथ में बैठे हैं ना, निश्चित उनमें से दो लोग मोबाइल में इंटरनेट का उपयोग करते हुए मिल जाएँगे। इसके दुरुपयोग ने हमारी पारिवारिक ज़िंदगी में बहुत दूरियाँ बना दी है। बच्चे और माता पिता सब, स्वयं में, अपने काम में, और बचे समय में मोबाइल पर इतना व्यस्त हो जाते हैं कि आपस में वार्तालाप और हँसी ठिठोली के पलों को जी नहीं पाते। अधिकतर अभिभावक तो ये मान ही चुके होते हैं कि, इसके बिना बच्चों का और खुद का गुज़ारा नामुमकिन है, जो कि हमारी गुलामी वाली मानसिकता को दर्शाता है।

जीवन का अर्थ ही बदला

व्यापार पहले भी होता था, अब भी होता है, हालाँकि व्यापार करने के तरीक़े में बहुत बदलाव आया है, और पर क्या सिर्फ़ व्यापार और पैसा ही जीवन का उद्देश्य है? क्या हमारा घर- परिवार हमारे लिये कोई मायने नहीं रखता? व्यापार के लिये यदि ये सही तरीक़े से उपयोग भी किया जाए तो कोई हानि नहीं, पर धीरे धीरे मनोरंजन और फिर जीवन का अटूट अंग बन जाता है। ये समस्या आज पनपी है, किंतु कल इतना भयावह रूप ले लेगी, जिसका अंदाज़ा लगाना बहुत मुश्किल है। हमारी आगामी पीढ़ियाँ किन-किन बीमारियों से जूझ रही होंगी, ये सोच कर ही मन सिहर जाता है।

डिजिटल दुनिया में खोता बचपन

स्कूलों में बच्चों की पढ़ाई टेबलेट और आईपैड के ज़रिये करवायी जाती है, ये कौन सी भयानक लत हम युवा पीढ़ी में लगवा रहे हैं? आँखें, दिमाग़, खुद के पूरे शरीर और अंततः जीवन को, एक शत प्रतिशत बीमारी में झोंक रहे हैं। हमारी रचनात्मकता, हमारी कला, सब कुछ नष्ट करने में ये बहुत बड़ा भागीदार है। ये गैजेट्स हम पर आधिपत्य जमा रहे हैं। इस समस्या का निवारण बहुत आवश्यक हो गया है। बच्चों से पहले, हम बड़ों को अपनी आदतें बदलने का ईमानदार प्रयास करना पड़ेगा। इंटरनेट के उचित उपयोग और लत के बीच का फ़ासला ही हमें समझना पड़ेगा।

क्यों जरूरी है डिजिटल डिटॉक्स

डिजिटल डिटॉक्स मतलब, जितना ज़रूरी है, उतना ही फ़ोन इस्तेमाल करें। यदि ये नुस्खा. हमने सच में अपना लिया तो, यक़ीन मानिये, हमारा स्क्रीन टाइम 50 प्रतिशत से भी कम हो जाएगा। हफ़्ते में एक दिन ऐसा निकालिए जब फ़ोन आप छूयें भी ना, देखिए आपका मन-मस्तिष्क कितनी शांति का अनुभव करता है। आप अपने परिवार, अपने काम और स्वयं के लिये इतना समय बचा तो सकते हैं। यदि हम इस उम्र में मोबाइल की लत नहीं छोड़ पा रहे, तो फिर बच्चों का तो कोई दोष ही नहीं है, क्यूँकि वो तो डिजिटल जेनरेशन में ही पैदा हुए हैं। ये हम सभी की, पूरे समाज की कोशिश होनी चाहिए कि पहले हम डिजिटल डिटॉक्स को अपने जीवन का एक अनिवार्य अंग बनाएँ, फिर बच्चों को इस कार्य के लिए प्रेरित करें। निश्चित ही, हम एक आशाजनक बदलाव स्वयं में महसूस करेंगे।

आयकर रिटर्न के फार्म मे हर वर्ष कुछ न कुछ बदलाव आते हैं तथा सरकार आपसे अधिक जानकारिया लेना चाहती है ताकि सरलीकरण के दौर में फेस लेस फैसले के दौरान करदाताओं को तकलीफ नहीं होवे तथा आपका कर निर्धारण एवं रिफन्ड (अगर बाकी है) जल्दी ही आपको दिया जा सके। इसी को ध्यान में रखकर वर्तमान वर्ष 2023-24 में भी काफी महत्वपूर्ण बदलाव रिटर्न फार्म मे आयकर विभाग द्वारा किये गये है। अत: उन्हे समझना बहुत जरूरी है। आइये समझें क्या परिवर्तन हुए हैं।

सीए आर.एल. काबरा
अर्थमंत्री अ.भा.मा. महासभा

आयकर रिटर्न में हुए बड़े बदलाव

बजट 2023

दो रिटर्न फार्म की व्यवस्था

वैसे तो छोटे कर दाताओ के लिए फार्म ITR1 एवं फार्म ITR4 निर्धारित है तथा अगर आप भारत मे आर्डिनेरी रेजिडेन्ट है तो आपको फार्म 1 भरना होगा एवं अगर आप HUF या विशेष व्यक्ति हैं (जैसे कि आपने 1 करोड़ रुपये से ज्यादा रकम करंट बैंक खाते मे जमा करायी है, आपने 2 लाख रुपये से ज्यादा विदेश यात्रा मे खर्च किया है, आपने 1 लाख रुपये से ज्यादा बिजली के बिल जमा किए है, आपका टर्न ओवर 60 लाख रुपये से ज्यादा है या प्रोफेशनल फीस की आय 10 लाख रुपये से ज्यादा है या आपने सेविंग खाते मे 50 लाख रुपये से ज्यादा जमा किए है) तो आपको फार्म 4 भरना होगा। फार्म 1 एवं 4 कुछ और परिस्थितिओं में भी लागू होते है। इसी तरह अगर आप NonResident या Non Ordinary Resident है या किसी कंपनी मे डायरेक्टर है तो आपको फार्म 2 या 3 भरना होगा। भागीदारी फर्म जिसने PresumptiveTax की सुविधा ली है उसे फार्म 4 एवं दूसरी फर्मों, LLP, AOP इत्यादि को फार्म 5 लागू होंगे तथा कम्पनी एवं बिजनेस के लिए फार्म 6 लागू होंगे। विशेष परिस्थितियों मे तथा ट्रस्टो मे सभी को फार्म 7 लागू हैं।

इनको भी रिटर्न भरना जरूरी

किसी व्यक्ति कि आय टेक्सेबल स्लेब से कम है तो अब तक उसे रिटर्न नहीं भरना पड़ता था किन्तु इस वर्ष (ASSYR23-24) से यदि उसने अपने खाते में 1 करोड़ रुपये से ज्यादा जमा कराये हैं या विदेश यात्रा में 2 लाख रुपये से ज्यादा खर्च किया है या बिजली का खर्चा 1 लाख रुपये से ज्यादा है तो उसे आयकर रिटर्न भरना अब जरूरी होगा। अगर आप शेयर बजार में IntraDay ट्रैडिंग करते है तो आयकर रिटर्न में आपके IntraDay का टर्न ओवर ITR फार्म के PartA (ट्रैडिंग अकाउंट) में बताना पड़ेगा।

चेरिटी ट्रस्टो के रिटर्न में बदलाव

अगर आप किसी ट्रस्ट को डोनेशन देते हैं और 80 सी की छूट लेना चाहते हैं तो आपको इस वर्ष रिटर्न फार्म में ARN (डोनेशन का Reference) नंबर भरना अनिवार्य होगा। नये नियम के अनुसार अगर आपने ट्रस्ट की ऑडिट रिपोर्ट नहीं ली है या टैक्स के हिसाब-किताब नियमानुसार नहीं रखे हैं या आपने ट्रस्ट का रिटर्न एवं आडिट रिपोर्ट समय पर नहीं भरा है तो आपको दिया गया ExemptionDeye Withdraw हो जाएगा, टैक्स रिटर्न आप जब भी भरेंगे आपको यह सब बताना होगा। छूट Withdraw होने पर सिर्फ खर्चे (कॉर्पस अथवा लोन से नहीं) ही मिलेंगे और कैपिटल खर्चा नहीं मिलेगा। खर्चे के बाद शेष आय पर टैक्स लगेगा। अब रिटर्न फार्म में (ITR7) आपको ट्रस्ट के Author/Founder/Trustee/Manager सभी की जानकारी हर वर्ष देनी होगी। पहले यह सिर्फ एप्लीकेशन के समय ही विवरण जाता था। अब रिटर्न फार्म में ScheduleIA/DA जोड़ दी गयी है जिसमें ट्रस्ट को ScheduleIA ces Accumulation वर्ष एवं अगर किसी वर्ष में उस पर नियम नहीं पालने पर टैक्स लगा है तो बताना होगा। इसी तरह scheduleDA में अगर आपने इनकम पाँच वर्ष के लिए Accumulate की है और उसे नहीं खर्च कर सके हैं तो आपको सारी जानकारी देनी होगी। अब रिटर्न फार्म के ScheduleJ में आपको फंड का कॉर्पस Investment या deposits की जानकारी अलग देनी होगी पहले यह Sec.11(5) में किए गए सभी एक साथ Investments पर देनी होती थी।

यहाँ भी हुआ परिवर्तन

अगर आपका ट्रस्ट Sec 10 (23 C) में रजिस्टर्ड है और आपने अपने Investment या ट्रस्ट के Assets में से कोई Benefit Directly या Indirectly किसी ट्रस्टी /Author/Sec 13(3) के दायरे

मे आने वाले व्यक्ति के लिए किया है तो उसका खुलासा करना होगा। अब अगर आपने ट्रस्ट का InvestmentSec 11(5) के तहत भी या अन्यथा किया है तो उसका विवरण भी आपको रिटर्न फार्म मे ITR 7 में इस वर्ष से देना होगा। रिटर्न फार्म में अब इस वर्ष से एक नई ScheduleR के तहत अब आपको कॉर्पस फंड ScheduleJ के हिसाब से एवं बैलन्स शीट के हिसाब से अगर कोई अन्तर है तो उसका Reconciliation देना होगा। यह अंतर कैपिटल खर्चे के कारण, Depreciation के कारण या और कोई वजह से हो सकता है। अब डोनेसन जो बिना नाम या बिना विवरण के आपके ट्रस्ट मे जमा हुए है उनको अलग से ScheduleVC मे बताना होगा तथा उस पर आपको Sec115 BBC (ITAct) के तहत टैक्स देना होगा। अब रिटर्न फार्म में ScheduleA एक नई जोड़ी गई है जिसमें आपको ट्रस्ट के Objecthej किये गये Revenue एवं Capital खर्चों की डीटेल देनी होगी। पहले ये डीटेल ScheduleEC एवं ER अलग अलग देनी होती थी लेकिन अब इसे रद्द करके एक ही नई ScheduleA डाली गयी है। जो ट्रस्ट Sec. 10 (23C) /12 AA/12 AB में रजिस्टर्ड है एवं किसी कारणवश अमान्य हो गये है उन्हें तो Accreted tax लगेगा और इसकी जानकारी Schedule 115TD के तहत भी देनी होगी। अब रिटर्न फार्म में Schedule 115 BBI के तहत Specified Income (जो ट्रस्ट Sec. 10 (23C) /12 AA/12 A B मे अमान्य हुये, पर 30 % टैक्स एवं सरचार्ज / सेस रिपोर्ट करना पड़ेगा।

यह भी हुए परिवर्तन

अब रिटर्न के Schedule LA में पॉलिटिकल पार्टी को यह बताना होगा कि वह Election Commission of India में रजिस्टर्ड है या नहीं एवं है तो कब से? अब रिटर्न फॉर्म के ITR – 3 के Balance Sheet ScheduleceW 'Advances' की पूरी जानकारी देनी होगी जैसे की Advance to person u/s 40A (2) (b) of IT Act यानि की रिलेटेड पार्टीज एवं अन्य Advancespees आपने दिये है। अब रिटर्न फॉर्म ITR –5 के तहत अगर कोई फर्म / AOP / BOI के पार्टनर या सदस्यों में वर्ष के दौरान बदल है तो उनकी जानकारी के साथ अब उनका PAN नंबर एवं उन्हे कितना Remuneration दिया है उसे भी बताना होगा। कोई भी Individual या HUF करदाता को नए टैक्स Regime से बाहर होने पर एक फॉर्म 10 -IE भरना होता है और अगर आपकी इनकम बिज़नेस या प्रोफेशन से है तो सिर्फ एक बार ही आप बाहर होने का मौका ले सकते है। अब रिटर्न फॉर्म में इस फॉर्म 10 - IE की जानकारी देनी होगी।

स्तम्भ

राह जिंदगी की...

प्रो. कल्पना गगडानी मुंबई

पद से कद का मान नही कद से पद का मान बढ़ायें

विगत कुछ समय से एवं आने वाले समय में माहेश्वरी समाज सामाजिक संगठन में क्षेत्र, जिला, प्रदेश, अंचल एवं अखिल भारतीय माहेश्वरी समाज में आगामी तीन वर्षों के लिये नेतृत्व परिवर्तन की प्रक्रिया चालू है। आए दिन समाज की अनेकों सामाजिक संस्थाओं में समयावधि के अंतर्गत नेतृत्व परिवर्तन की निरंतर प्रक्रिया चालू रहती है। ये समस्त संस्थाएं समाज सेवा की भावी संस्थाएं हैं जो समाज सेवा का कार्य कर समाज में व्यक्तियों को उन्नत व्यवस्था दिलाने की थोड़ी सी कोशिश करने का यथा संभव प्रयास करते हैं।

सोशल मीडिया के इस युग में फेसबुक, व्हाटसेप, इन्स्टा, पत्र पत्रिकाओं में किसी पद पर नियुक्ति या छोटे-छोटे सेवा कार्यों के अनगिनत फोटो नजर आते हैं। सामाजिक उन्नति की दिशा में किसी मुकाम पर पहुंचना निःसंदेह खुशी एवं स्वाभिमान की बात है। आत्मीयजनों के लिये भी यह उत्साह एवं आनंद के पल होतें परंतु व्यक्ति विशेष और पदग्राह्यकर्ता के लिये ये उमंग से अधिक उत्तरदायित्व के मार का एहसास होना चाहिये।

निश्चित अवधि में पद के अनुरूप कार्य करते हुए हमें सदैव जागरुक होना चाहिये कि इस पद मात्र से हमारे कद का मन सुरक्षित न हो अपितु हमारे कार्य उस दिशा में इतने अधिव उत्तम और उपयोगी होने चाहिये कि उससे उस पद की गरिमा दिन दूनी रात चौगुनी बढ़ जाये।

जिंदगी की राह में व्यक्ति बड़ा बनता है अपने कार्यों से। कार्य सिद्ध होते हैं अपने ज्ञान से, अपने अनुभव से, अपने व्यवहार से, अपनी अप्रतिम कार्य क्षमता से, अपनी निष्ठा, लगन और मेहनत से। अतः हमें अपने आप में और अपने बच्चों तथा आने वाली पीढ़ियों को सामाजिक संगठनों में अपने सदस्यों में आरंभ से उत्तम कार्यों को करने की प्रवृत्ति विकसित करना चाहिये।

संस्थाओं में जमीनी स्तर से इस प्रवृत्ति पर जोर देना चाहिये कि ये पद समाज सेवा के पद है। यहां अभिमान का भाव या उस पद के प्रदर्शन का भाव नहीं रखें। पद ग्रहण पर लंबे-लंबे इश्तहार छपवाने, शहर में बैनर लगवाने से अधिक नाम और शोहरत तब मिलेगी जब प्रमाण रूप में अपने द्वारा किये गये समाजोपयोगी कार्यों के फोटोज आप प्रकाशित करवाये। इससे आप का नाम भी होगा और आपके कार्यों को देखकर अन्य लोगों, अन्य संस्थाओं को इस प्रकार के समाजोपयोगी कार्य करने की प्रेरणा भी मिलेगी ।

''जिंदगी की सुंदर राह बनायें
कद से पद का मान बढ़ाये''

देवगुरु बृहस्पति अपने गोचरवश अत्यंत प्रभावी रूप से फल प्रदान करने वाला ग्रह है। कारण है, इसका किसी भी राशि में लगभग 13 माह भ्रमण करना। इस बार बृहस्पति मेष राशि में विगत 22 अप्रैल को प्रातः 6:12 (आईएसटी) पर प्रवेश कर चुके हैं। आइये जानें कैसा रहेगा, बृहस्पति का भ्रमण।

बृहस्पति का मेष राशि प्रवेश-22 अप्रैल 2023

क्या परिवर्तन लाऐंगे

देवगुरू बृहस्पति

अभिषेक सोनी, नागपुर
82371 07999

देवगुरु बृहस्पति, जिसे वैदिक ज्योतिष में गुरु या बृहस्पति के रूप में भी जाना जाता है, ज्ञान और आध्यात्मिक विकास से जुड़ा ग्रह है। यह व्यक्ति को सकारात्मक तरीके से प्रभावित करने के लिए जाना जाता है। हालाँकि, किसी की जन्म कुंडली के आधार पर राशि चक्र के प्रत्येक चिन्ह पर इसका सकारात्मक और नकारात्मक दोनों प्रभाव हो सकता है। बृहस्पति की ताकत आपके आंतरिक जीवन को सुंदर बनाती और प्रेरित करती है, इसलिए अपने कुण्डली चार्ट में बृहस्पति को समझना महत्वपूर्ण है।

वैदिक ज्योतिष में बृहस्पति को राशि चक्र में सबसे भाग्यशाली, लाभकारी और शुभ ग्रहों में से एक माना जाता है। इसे गुरु या बृहस्पति के नाम से भी जाना जाता है। यह धन, खुशी, ज्ञान, सौभाग्य, आध्यात्मिकता और ज्ञान को संदर्भित करता है। बृहस्पति दो राशियों धनु और मीन का स्वामी है। इस बार बृहस्पति अपने मित्र मंगल के घर में भ्रमण कर रहा है क्योंकि मेष राशि का स्वामी मंगल है और वे दोनों मित्र हैं।

क्या पड़ेगा गोचर का प्रभाव

देवगुरु बृहस्पति गोचर भ्रमणवश राशि परिवर्तन कर दिनांक 22 अप्रैल, 2023 को 06.12 बजे अपनी स्वराशि मीन से मेष राशि में प्रवेश कर चुके हैं। गोचर फलित के अनुसार जब गुरु आपकी राशि से 1, 4, 8 अथवा 12 वें स्थान पर आते हैं, तो कष्टदायक होते है। अतः गुरु के मेष राशि में परिभ्रमण से यह मेष, कर्क, वृश्चिक, तथा मीन राशि के लिए क्रमशः 1, 4, 8 व 12 वां होने के कारण कम फलदायक होंगे। अन्य राशि के जातकों के लिए गुरु गोचर में प्रायः शुभफल ही प्रदान करेगा। मेष में गतिशील गुरु की सिंह, तुला एवं धनु राशि पर क्रमशः 5, 7 व 9वीं शुभ पूर्ण दृष्टि रहने से अत्यधिक शुभता प्रदान करेंगे। गोचर में गुरु द्वारा प्रदत्त फल जन्म कुण्डली में स्थित ग्रहों के योगायोग तथा दशान्तर्दशा के अधीन होते हैं।

गुरु के मेष राशि में गोचर का फल जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में क्या प्रभाव पड़ेगा आईये जानते हैं।

विभिन्न क्षेत्रों पर प्रभाव

वित्त और पैसाः ज्योतिषीय रूप से, बृहस्पति गोचर काल मेष, वृष और मिथुन राशि के लिए अच्छा रहने की उम्मीद है। इस अवधि के दौरान उन्हें बहुत अधिक मौद्रिक और वित्तीय लाभ प्राप्त होगा। कर्क और मकर राशि के जातक भी आर्थिक रूप से मजबूत होंगे। हालांकि कुम्भ और मीन राशि वालों के लिए यह समय थोड़ा कठिन रहेगा क्योंकि उन्हें अपने दैनिक जीवन में कुछ आर्थिक समस्याओं का अनुभव होगा। सिंह, कन्या और तुला राशि के जातक यदि इस दौरान अपनी बुद्धि और सूझबूझ का इस्तेमाल करें तो उन्हें इसका लाभ मिलेगा। वे इस तरह से अपनी आर्थिक स्थिति को प्रशंसनीय ढंग से बनाए रखने में सक्षम होंगे।

कैरियर और व्यवसायः गुरु के मेष राशि में गोचर के दौरान मेष, वृष और मिथुन राशि के जातकों के करियर में बहुत अच्छी वृद्धि होगी। कर्क और कन्या राशि के जातकों के लिए करियर में कुछ परेशानी आ सकती है। सिंह, तुला, वृश्चिक और धनु राशि वालों के लिए नए अवसर उनके दरवाजे पर दस्तक दे सकते हैं और वे खुश रहेंगे। वहीं मकर, कुम्भ और मीन राशि के लिए गुरु का गोचर अच्छे परिणाम देगा। वे खुश रहेंगे और उनके करियर के साथ-साथ व्यवसायों में भी वृद्धि होगी। खासकर कर्क, सिंह, वृश्चिक और कुंभ राशि के जातकों का कारोबार फलता-फूलता नजर आएगा।

प्यार और रिश्तेः सिंह, कन्या और तुला राशि के जातकों के लिए अप्रैल 2023 में बृहस्पति के गोचर के फलस्वरूप प्रेम जीवन अच्छा रहेगा और वे अपने साथी के साथ खुश रहेंगे। वृश्चिक, धनु और मकर राशि वालों के लिए प्रेम के नए अवसर आएंगे और वे अपने रिश्तों में खुश रहेंगे। हालांकि, कुंभ, मीन और मेष राशि के जातकों के लिए मुश्किल समय रहेगा, लेकिन अगर वे अपने रिश्तों में एक-दूसरे की बात सुन रहे हैं, तो उनके प्रेम जीवन में सुधार आएगा। वृष, मिथुन और कर्क राशियों के लिए, नया प्यार और नई आशा, अधिक ऊर्जा और उत्साह के साथ उनका इंतजार कर रही है।

परिवार: अप्रैल में बृहस्पति के गोचर के दौरान मेष, वृष, मिथुन और कर्क राशि वाले व्यक्तियों का पारिवारिक जीवन सुखी और सामंजस्यपूर्ण रहेगा। सिंह, कन्या, तुला और वृश्चिक राशि के जातकों को जीवन में कुछ परेशानियां आएंगी। हालाँकि, यदि वे सकारात्मक सोचते हैं और जीवन के प्रति आशावादी दृष्टिकोण रखते हैं, तो उनके पास एक सुखद समय होगा। धनु, मकर, कुंभ और मीन राशि के जातक सुखी और शांतिपूर्ण पारिवारिक जीवन व्यतीत करने में सक्षम होंगे।

शिक्षा: शिक्षा क्षेत्र में, मीन, कुंभ, मकर और धनु अप्रैल 2023 में गुरु गोचर के दौरान अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने में सक्षम होंगे। वृश्चिक, तुला, कन्या और सिंह शिक्षा में संघर्ष करेंगे, लेकिन कड़ी मेहनत से, प्रयास, वे सफल हो सकेंगे। कर्क, मिथुन, वृष और मेष राशियों के तहत पैदा हुए व्यक्तियों के पास विकास के पर्याप्त अवसर होंगे यदि वे अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करते हैं और खुद को समर्पित करते हैं।

गुरू की शांति के लिये क्या करें

गुरु के व्रत- गुरुवार का व्रत रखें। भीगी चने की दाल गाय को खिलाएं। पांच पीले वस्त्रों के साथ विष्णुपुराण का दान करें। केसर का तिलक लगाएं।

गुरु के दान- गुरु की प्रिय वस्तुओं-शर्करा, शहद, घी, हल्दी पीत वस्त्र, धार्मिक पुस्तक, पुखराज, नमक, पीत पुष्प, केसर, पीले लड्डू आदि का सामर्थ्य के अनुसार दान करें।

गुरु के मंत्र- ''ऊँऐं क्लीं बृहस्पतये नमः'' अथवा ''ऊ ग्रां ग्रीं ग्रौं सः गुरुवे नमः'' मंत्र का संध्याकाल में जप करें। जप संख्या 19000। गुरुवार व पूर्णिमा को विष्णु सहस्त्रनाम के पाठ करें। गजेन्द्र मोक्ष के पाठ नियमित रुप से करें। केले की जड़ का ताबीज बनाकर विधिपूर्वक धारण करें।

सेवा- पिता, गुरु, ब्राह्मण एवं बुजुर्गों की सेवा करें। आशीर्वाद प्राप्त करें। कन्या भोजन कराएं। गौशाला में दान दें। प्रथम रोटी गाय को खिलाएं।

दर्शन- केला अथवा पीपल के गुरूवार को दर्शन करें। इन्हें हल्दी मिश्रित जल से सीचें और घी का दीपक जलाकर शुभ प्राप्ति की प्रार्थना करें।

दान-गुरूवार को केले का दान करें। स्वयं इस दिन केले नहीं खायें।

अनुशासन अर्थात् प्रबंधन एक ऐसी कला है, जो हमें सफलता की राह दिखाती है। लेकिन यह अनुशासन तब तक सम्भव नहीं जब तक निज अर्थात स्वयं पर अनुशासन न हो।

ज्योति सोनी, बूबना
अध्यक्ष
नवलगढ़ नागरिक महिला समिति सूरत

निज पर शासन-फिर अनुशासन

प्रकृति ने प्रत्येक मनुष्य को तीन साधन से संपन्न किया है। मन, वाणी और शरीर। मन से व्यक्ति सोचता है, वाणी से बोलता है और शरीर से कर्म करता है। ये तीनों साधन अगर संयम और आत्मनियंत्रित हैं तो ऐसा कोई कार्य नहीं है जो मानव की पहुंच के बाहर है या यूं कहा जाए कि मनुष्य को श्रेष्ठता प्राप्त करने के लिए इन तीनों पर नियंत्रण पाना बहुत आवश्यक है। शरीर, इन्द्रियों, वाणी और मन को कैसे नियंत्रित किया जाए इस बात पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है। अनुशासन का जीवन में उतना ही महत्व है जितना जीवन जीने के लिए आहार की आवश्यकता होती है।

किसी भी व्यक्ति में कार्यकुशलता जन्म से नही आती बल्कि किसी कार्य को करने का सही समय, लक्ष्य और आत्म नियंत्रण ही उसकी सफलता की कुंजी है। अगर हम संकल्प कर ले और सभी कार्यों को करने का एक समय निश्चित करके उसके विषय में सानुकुल समय सारणी बनाकर कार्य करें तो निश्चित ही हमें जीवन में सफलता प्राप्त होगी ही। लेकिन आज मोबाईल और कंप्यूटर के युग ने आने वाली पीढ़ियों को समय के महत्व को समझने से अनभिज्ञ कर दिया है। बच्चे लम्बे समय तक मोबाईल पर समय देने लगे जिससे उन्हें कई विपत्तियों का सामना करना पड़ सकता है। अगर हमारी आने वाली जनरेशन समय रहते अपने जीवन को अनुशासित नही करती है तो ये हम सभी के लिए एक विकट परिस्थिति का निर्माण कर रहे हैं। दुनिया को जीतने के लिए पहले हमें खुद को जितना होगा। विनम्रता, सहिष्णुता और इन्द्रियों पर नियंत्रण ये तीन सूत्र हम अपने जीवन में अपनाते हैं तो अभ्यास द्वारा हम आत्मअनुशासन द्वारा प्रगति कर सकते हैं। जो ध्येय हमें जीवन में पाना है उसके लिए आत्मानुशासन बहुत आवश्यक है। आत्मानुशासन मतलब अपनी इन्द्रियों पर अनुशासन, अपनी वाणी पर अनुशासन, अपने मन पर अनुशासन है। जिस व्यक्ति ने इन सभी पर नियंत्रण कर लिया वह किसी भी मुश्किल से मुश्किल राह को भी पाने में समर्थ और शक्तिमान है। निज पर शासन फिर अनुशासन यानि पहले खुद पर अनुशासन और शिष्टता का पालन करने वाला ही दूसरों पर शासन कर सकता है।

जैसे अगर हम अपनी आने वाली पीढ़ी को कोई पथ निर्देशित करते हैं तो पहले हमें स्वयं को उसे अपनाना होगा, क्योंकि ज्यादातर बच्चे अपने माता-पिता का अनुसरण करते हैं। इसीलिए हम सभी को मिलकर जीवन में कई अनुशासन और शिष्टता अपनानी होगी, जिससे आने वाली पीढ़ी भी उनका पालन कर सके। अनुशासित जीवन के लिए हम सभी को संकल्प लेना होगा।

''प्रकृतिः अपि ईश्वरस्य अनुशासने तिष्ठति। यः नरः पूर्णतया अनुशासन पालयति सः स्वजीवने सदा सफलः भवति। अतः अनुशासनस्य पालनं जीवने बहु आवश्यकं भवति।''

दबे पाँव वह पुनः दरवाजा खोलने को बढ़े ही थे कि उनकी ऊपर की सांस ऊपर व नीचे की नीचे रह गई। शेर अब तक बीच वाले खुले पिंजरे से उनके पिंजरे में प्रविष्ट कर चुका था। शर्माजी चुपचाप वहीं सहम गए। पैरों में आगे बढ़ने की शक्ति नहीं रही, खून सर्द हो गया, सारी क्रिया शक्ति ही लुप्त हो गई। मृत्यु धीरे-धीरे उनकी ओर आ रही थी।

हरिप्रकाश राठी, जोधपुर
94141-32483

पशु-मानव

कादिर भाई, पॉकिटमार के सितारे इन दिनों ठीक नहीं थे। पिछले पाँच रोज से कोई आमदनी नहीं हुई, एक भी जेब पर हाथ नहीं मार सके। सब दिन होत न एक समान। वैसे उनकी अंगुलियों का कमाल कम नहीं था, अच्छी-अच्छी जगह उन्होंने पर्स मारे थे। रेलवे स्टेशन, सिनेमाघर, मन्दिर, बारात, मेले एवं कई भीड़ भरी जगहों में कादिर भाई की अँगुलियों ने जौहर दिखाए थे।

उनके साहस, धैर्य, चातुर्य एवं कौशल की जितनी तारीफ की जाए, कम होगी। चोरी करना बुजदिलों एवं बेवकूफों का काम नहीं है। बहुत जुगत भिड़ानी पड़ती है। भेड़ की खाल में भेड़िया होना कोई सरल कार्य नहीं है। अमावस्या की घनी अंधियारी रातों में भी चोर के मन में चाँदनी होती है। जब सब सोते है, चोर जागता है। जब सब मस्ती में होते हैं, चोर अपनी चुस्ती दिखाता है। सैकड़ों सावधान लोगों के बीच में चोर एक असावधान को ढूंढ लेता है। बड़े-बड़े राजे-महाराजे एवं पुलिस वाले भी जब चोरों से नहीं बच पाते तो सामान्य आदमी की बिसात ही क्या है। तभी तो चोरी चौंसठ प्रतिष्ठित कलाओं में एक है। सामाजिक एवं नैतिक स्तर पर चोरी का दर्जा कितना ही निम्नतर क्यों न हो, कलात्मक स्तर पर तो इसकी गिनती अन्य कलाओं के बराबर ही है।

कई ऐसे वाकये सुनने में आते हैं जहां चोरों के अद्भुत कौशल से मुग्ध होकर राजाओं ने उन्हें पुरस्कृत किया। कहते हैं उदयपुर रियासत में एक ऐसा चोर था जो छिपकली की तरह सीधी दीवार चढ़ लेता था। उदयपुर महाराणा ने पकड़े जाने पर उसे पुरस्कृत किया। जयपुर के महाराजा ने एक प्रसिद्ध चोर को अपना पहरेदार बनाया था। चोरी कोई हँसी खेल नहीं है, साहस एवं कौशल के लिए सम्मान रखने वाले हर व्यक्ति के दिल में चोरों के लिए भी कहीं सम्मान होता है।

पिछले माह रावण-दहन के समय, जब सत्य की असत्य पर जयकारों का निनाद हो रहा था, कादिर भाई ने एक रामभक्त महाजन का पर्स ऐसी मुस्तैदी से मारा कि रामभक्त को हवा भी न लगी। पर्स में सौ-सौ के पूरे दस नोट थे। घर जाकर महाजन ने मन-ही-मन एक बार 'जय रावण' अवश्य कहा होगा। कादिर भाई जैसे लोगों ने ही रावण जैसे महा पण्डित असुर को शाश्वत एवं सनातन बनाया है। उन्हीं जैसे लोग राम को हर युग में जगाए रखते हैं।

कादिर भाई ने बाल धूप में सफेद नहीं किए हैं। पैंतालीस वर्ष की उम्र में पिछले पच्चीस सालों से जेब काटने का लम्बा अनुभव है। खुदा नजर न लगाए, अब तक एक बार भी नहीं पकड़े गए। इतनी अच्छी रिपोर्ट तो शातिर चोरों की भी नहीं होती। इसीलिए नौसिखिये पॉकिटमार उन्हें उस्ताद मानते हैं।

पतला लम्बा मुँह, दाँये गाल पर काला बड़ा तिल, कोयल-सी मीठी बोली, छोटी-छोटी तीखी नुकीली मूंछें, लोमड़ी-सी आँखें, गले में बंधा रुमाल एवं सर पर जालीदार टोपी तथा रंगे सियार-सी चाल, मजाल कोई उन्हें चोर समझे। पर सौभाग्य सदैव साथ नहीं रहता, गत दस दिनों से खाली भटक रहे हैं। भावी प्रबल है।

कादिरभाई अब पुराने चिर-परिचित स्थानों से उकता गए थे। आज सुबह से पब्लिक पार्क में घूम रहे थे, नई आजमाइश के मूड में थे। पब्लिक पार्क में बाँयी तरफ शहर का प्रसिद्ध चिड़ियाघर एवं दाँयी तरफ अजायबघर था। चिड़ियाघर में शेर, चीते, भालू, बंदर, अन्य कई जानवरों एवं पशु-पक्षियों के पिंजरे थे। जेठ का महीना था, पिंजरे तप रहे थे अतः कोई खास भीड़ नहीं थी। यहां वहां इक्का-दुक्का आदमी नजर आता था। कादिर भाई खड़े-खड़े सोच रहे थे कोई जानवरों को देखने में व्यस्त हो तो हाथ साफ करूं। अँगुलियाँ कई दिनों से जौहर दिखाने को तरस रही थी। अभी वो शेर के पिंजरे के आस-पास घूम रहे थे। गिद्ध की आँख बहुत दूर तक देखती है।

भाग (2)

रामबाबू शर्मा की उम्र अब पचास के पार होगी। सर पर बाल काले कम और सफेद ज्यादा हैं। गालों पर दस्तक देती हल्की झुर्रियाँ, आँखों के नीचे हल्के काले गड्ढे एवं चश्मे का मोटा काँच बताते हैं कि बुढ़ापा अब द्वार पर ही खड़ा है। गत पच्चीस वर्षों से चिड़ियाघर में इलेक्ट्रीशियन का काम कर रहे हैं। जानवरों के पिंजरे में बिजली, पंखे, कूलर ठीक रखने की जिम्मेदारी इन्हीं की है। ऐसे कर्मठ कार्यकर्ता बिरले होते हैं। कार्य जिनकी पूजा हो एवं ईमानदारी पूँजी, शर्माजी की गिनती ऐसे ही लोगों में है। शर्माजी अपना काम इतनी मुस्तैदी से करते थे कि सर्वत्र उनकी सराहना होती। चिड़ियाघर की सुरक्षा व्यवस्थाओं से वे भली भाँति परिचित थे। किस तरह पक्षियों, जानवरों से पेश आना है, खतरनाक जानवर जैसे शेर, चीते, भालू आदि के पिंजरे किस तरह कार्य प्रारंभ करने के पहले लीवर खींच कर बीच में से बंद करने हैं आदि-आदि। हिंसक जानवरों के पिंजरे के बीच एक छोटा पिंजरा होता है जिसे काम करने के पहले बंद करना जरूरी

होता है ताकि जानवर पिंजरे के एक तरफ रह सके। सारे इलेक्ट्रिक स्विच आदि दूसरी तरफ लगे होते हैं। इन सुरक्षा तरीकों से अब तक वो अभ्यस्त हो चुके थे। निस्संकोच पिंजरों में आते-जाते थे, कभी कोई दुर्घटना नहीं हुई।

रोजमर्रा के काम करते-करते आदमी में एक विशिष्ट तरह का आत्मविश्वास आ जाता है। शेर के पिंजरे में मांस डालने वाला आदमी शेर की दहाड़ से नहीं डरता। जो कार्य जीवन का हिस्सा बन जाते हैं उनसे डर कैसा ?

आज शर्माजी को शेर के पिंजरे का कूलर ठीक करना था। गत दो वर्ष से इसी शेर के पिंजरे में वो कई बार बिजली का कार्य देखने आ चुके थे। वैसे शर्माजी अक्सर प्रसन्नचित्त नजर आते पर आज वे अन्यमनस्क थे। कल शाम ही उनके बेटे गौरव का सीढ़ियों से उतरते हुए पाँव फिसल गया था। गिरते ही वह जोर से चीखा। टखने में जोर की लगी थी हालांकि कोई फ्रेक्चर नहीं था फिर भी डॉक्टर ने सावधानी के तौर पर कच्चा प्लास्टर लगा दिया था। रात होते वापस घर भी ले आए थे।

आज सुबह वह घर से निकले तब गौरव कराह रहा था। डॉक्टर ने कहा भी था दो-चार रोज दर्द रहेगा। गौरव उनका इकलौता बेटा था, शर्माजी उसे बेहद प्यार करते थे। आज घर से निकलते समय उन्होंने बेटे को नई जीन्स की पेंट एवं टी-शर्ट लाने का वायदा किया था। पिता के वादे ने उसके दर्द पर मरहम का असर किया, आँखों में चमक आ गई। शर्माजी ने पर्स में पन्द्रह सौ रुपये रखे, पर्स बैक पॉकेट में रखा एवं चिड़ियाघर की राह ली, सोचा वापस आते हुए तसल्ली से खरीद लेंगे।

शेर के पिंजरे वाले कूलर को ठीक करना आज जरूरी था। अधीक्षक ने उन्हें देखते ही कहा, ''सारी रात शेर दहाड़ता रहा! आज उसके खाने के समय से पहले कूलर ठीक कर दो। कल शाम भी उसने गर्मी के मारे मांस छोड़ दिया। कल भी कूलर बन्द थे।''

शर्माजी ने शेर के पिंजरे के कोने वाला छोटा दरवाजा चाबी से खोला, तुरन्त वापस अन्दर से बन्द किया एवं सीधे कूलर के पास आ गए। बच्चे की चोट को लेकर मन उदास था, आज बीच का लीवर खींचना ही भूल गए, बेधड़क अन्दर आकर कूलर ठीक करने लगे।

एकाएक उन्हें ध्यान आया कि आज वह लीवर खींचना भूल गए हैं। लीवर खींचने से शेर के पिंजरे के बीच एक छोटा पिंजरा बंद हो जाता था ताकि काम आसानी से किया जा सके। अक्ल पर पर्दा पड़ गया, बच्चे के तनाव में भेजा घूम गया। उनका कलेजा धक-धक करने लगा जैसे पैरों तले जमीन सरक रही हो। दम खुश्क होने लगा जैसे छाती फट रही हो। भावी की कल्पना से ही वो दिल थाम कर रह गए।

दबे पाँव वह पुनः दरवाजा खोलने को बढ़े ही थे कि उनकी ऊपर की सांस ऊपर व नीचे की नीचे रह गई। शेर अब तक बीच वाले खुले पिंजरे से उनके पिंजरे में प्रविष्ट कर चुका था। शर्माजी चुपचाप वहीं सहम गए। पैरों में आगे बढ़ने की शक्ति नहीं रही, खून सर्द हो गया, सारी क्रिया शक्ति ही लुप्त हो गई। मृत्यु धीरे- धीरे उनकी ओर आ रही थी।

भागने का अर्थ मृत्यु सुनिश्चित थी। वो भय से थरथराने लगे, सारा शरीर पीपल के पत्ते की तरह काँपने लगा। कोई उपाय न देखकर वह कूलर ठीक करने में लग गए। उन्हें मालूम था शेर भूखा है एवं आज मौत निश्चित है। उनके कमरे में शेर नहीं यमराज ही घुसा था। हाथ-पाँव, पिण्डलियाँ भय से काँप रहे थे। हे राम! आज बचा लो, पीछे परिवार का क्या होगा। शेर की तरफ देखने की तो उनकी हिम्मत ही नहीं थी। शुतुरमुर्ग की तरह उन्होंने अपना ध्यान कूलर में व्यस्त किया पर ज्यों-ज्यों शेर उनके करीब आता गया उन्हें लगा मृत्यु करीब आती जा रही है। जान सुई की नोक पर थी। आज वहां खड़ा होना अंगारों पर खड़ा होने जैसा था। कुछ भी समझ में नहीं आ रहा था। आँखों के आगे अँधेरी आने लगी थी। इधर कुआँ उधर खाई वाली हालत थी। आत्मरक्षा का अन्तिम हथियार स्क्रू ड्राइवर था, सोच रहे थे शेर के हमला करते ही उसकी आँख में घुसेड़ दूंगा, शायद घायल होकर भाग जाए। पर यह सोच मात्र मन बहलाने की असफल चेष्टा के अतिरिक्त कुछ न था। शेर का एक पंजा उनके अंजर पंजर ढीले कर सकता था।

शेर शर्माजी के करीब आया, और करीब आया, यहाँ तक की उनके पास आकर खड़ा हो गया। शर्माजी ऊपर से नीचे पसीने से तरबतर हो गए जैसे प्राण कुछ पल के लिए रह गए हों। बदन बर्फ की तरह ठण्डा पड़ गया। चेहरा ऐसे मुर्झा गया जैसे संध्या के समय कमल। शेर अब भी खड़ा था। वे चोर आँखों से कभी शेर को देखते तो कभी स्क्रू ड्राइवर हाथ में लिये कूलर को। भीगी बिल्ली की तरह उनका शरीर काँप रहा था। मन-ही-मन जल्दी-जल्दी हनुमान चालीसा पढे जा रहे थे, ''हे बजरंग बली! आज इस बला को टाल दो, आपकी सवामणी करूंगा।'' उन्होंने जीवन में भी नहीं सोचा था कि उनके साथ ऐसा दर्दनाक एवं खौफनाक हादसा होगा। चिड़ियाघर में काम करने के लम्बे अनुभव से उन्हें मालूम था कि भूखा शेर किसी का सगा नहीं होता। इस विप्लवकारी विचार के आते ही उनके हाथ-पाँव फूल गए। उनके रुधिर एवं हृदय की दुःसह जलन का बयान नहीं किया जा सकता। उन्हें लगा जैसे उनकी कमर टूट रही है। शेर उन्हें छोड़ने वाला नहीं, आज कुर्बानी निश्चित है।

आश्चर्य ! शेर ने मुँह झुकाकर शर्माजी को सूंघा एवं धीरे-धीरे अपनी जीभ से उनके तलवे चाटने लगा। जैसे कह रहा हो, ''आप इतने दिनों से मेरा पिंजरा ठंडा कर रहे हो, इन प्रचण्ड गर्मियों में मुझे कितना सुकून मिलता है। कल क्या नाराज हो गए थे? कोई बात नहीं! आज ठीक कर दीजिए। कल गर्मी ने मेरे प्राण ले लिए थे, मैं शाम खाना भी नहीं खा सका। आप अकारण इतना भयभीत हो रहे हो। हम पशु भले सही पर कृतघ्न नहीं है। आपका उपकार अविस्मरणीय है।'' स्वाभाविक प्रेम एवं अनुराग से भरे जानवर क्या-क्या नहीं समझ लेते।

भाग (3)

पिंजरे के बाहर खड़ा कादिर भाई यह सब नजारा देख रहा था। उसके शातिर दिमाग ने यह अनुमान लगा लिया कि आज शर्माजी फँस गए हैं, पर वह यह सोचकर चुप रहा कि चिल्लाने से जानवर बिगड़ सकता है। वंचक अपनी गणित लगा रहा था।

कृतज्ञता प्रगट करके शेर पुनः अन्दर के पिंजरे में चला गया। शर्माजी बदहवाश पिंजरे से बाहर आए। जान बची लाखों पाए। मानो मुर्दे को प्राण मिल गए हो। ऐसे छूटे जैसे जन्म का दरिद्र खजाना पा गया हो। बाहर आकर पारे की तरह बिखर गए। उन्हें मूर्छा आने को ही थी।

बाहर खड़े कादिर भाई ने उन्हें सहारा दिया। वह कादिर भाई को जानते तक नहीं थे, पर उससे बेतहाशा ऐसे लिपटे जैसे डूबते को तिनके का सहारा मिला हो। इस भीषण विपत्ति में कादिर भाई ही उन्हें प्रथम अवलम्ब लगा।

धीरे-धीरे शर्माजी शांत हुए। अब वह एक पल भी यहां नहीं रुकना चाहते थे। उन्होंने सीधा स्कूटर उठाया एवं घर की राह ली। बच्चे के कपड़े खरीदने का विचार धरा रह गया।

घर उन्हें कपड़े बदलते वक्त पता चला कि उनका पर्स गायब था।

ज्ञान मुद्रा शिरोमणि मुद्रा है। मूर्तियों एवं चित्रों में बहुधा देवताओं को ज्ञान मुद्रा में दिखाया गया है। इसे शिव और शक्ति का मिलाप भी कहा जाता है। अंगूठा बुद्धि का और तर्जनी अग्नि का प्रतीक है।

शिवनारायण मूंधड़ा
'वास्तु मित्र'
94252-02721

योग की शिरोमणि मुद्रा

ज्ञान मुद्रा

मुद्रा करने की विधि

अंगूठे और तर्जनी उंगली के अग्रभाग को मिलाएं। बाकी तीनों उंगलियां सीधी रखें। दोनों हाथों से यह मुद्रा बनाते हुए हाथों का पृष्ठ भाग घुटनों पर रख लें, हथेलियां ऊपर की ओर। इसे कम से कम 10 मिनट तक करें। चलते-फिरते, सोते-जागते, उठते-बैठते भी यह मुद्रा लगाई जा सकती है। जितना अधिक समय लगाएंगे, उतना ही लाभ भी बढ़ जाएगा। एक बात और समझ लें अंगूठा परमात्मा का प्रतीक है और तर्जनी आत्मा की। ज्ञान मुद्रा से आत्मा का परमात्मा से मिलन होता है। शेष तीनों उंगलियां मिलाकर सीधी रखी जाती हैं ये तीनों उंगलियां हमारे भीतर विद्यमान तीनों गुणों- तमोगुण, रजोगुण व सतोगुण (तमस, रजस व सत्त्व) की प्रतीक है। अतः आध्यात्मिक साधना के लिए यह मुद्रा सर्वोत्तम है।

क्या होता है लाभ

- नकारात्मक विचार दूर होते हैं। बुद्धि का विकास होता है। एकाग्रता बढ़ती है। स्मरण शक्ति बढ़ती है और मानसिक शक्ति का विकास होता है।
- इस मुद्रा को करते ही हमारे मन व मस्तिष्क में अद्भुत हलचल सी प्रारम्भ हो जाती है। हल्का सा स्पंदन होता है।
- मस्तिष्क में स्थित पिट्यूटरी ग्रन्थि व पीनियल ग्रन्थि प्रभावित होती हैं। मन शान्त होता है। क्रोध शान्त होता है। तनाव दूर होता है। तनाव से होने वाले सभी रोगों (जैसे उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, सिर दर्द, माइग्रेन, अनिद्रा, मधुमेह इत्यादि) में लाभ होता है। तीनों समय (प्रातः, दोपहर और सायंकाल) इस मुद्रा को करने से बहुत लाभ होता है।
- सिर दर्द और माइग्रेन में ज्ञान मुद्रा और प्राण मुद्रा साथ-साथ करने से अधिक लाभ होता है।
- मानसिक रोगों में यह मुद्रा शांति प्रदान करती है। अनिद्रा रोग में भी इस मुद्रा का लाभ है। जब कभी आपको किसी त्वरित आवेग उत्तेजना के कारण नींद न आ रही हो तो इस मुद्रा को लगाने से नींद आ जाती है। जिन्हें नींद ज्यादा आती हो उनकी नींद संतुलित होती है।
- आध्यात्मिक क्षेत्र में प्रगति के लिए यह मुद्रा अति आवश्यक है। ज्ञानमुद्रा की निरन्तर साधना से मानव का ज्ञान तन्त्र विकसित होता है। छठी इन्द्री का विकास होता है।
- इस मुद्रा से दांत दर्द, और त्वचा रोग दूर होते हैं तथा यह सौन्दर्यवर्धक भी है। इससे चेहरे के दाग, झाइयां दूर होती हैं और चेहरे की आभा (चमक) बढ़ती है।
- ज्ञान मुद्रा, मुद्रा विज्ञान की आत्मा है। यह एकमात्र ऐसी मुद्रा है जो लगातार चौबीसों घण्टे लगातार लगाई जा सकती है। ज्ञान मुद्रा आत्मा, मन, बुद्धि व शरीर सभी को प्रभावित करती है। यह रोग प्रतिरोधक भी है और रोगनाशक भी है।
- हाइपरेक्टिव बच्चों के लिए यह मुद्रा बहुत अच्छी है।

तीज-त्यौहारों के मूलरूप में परिवर्तन करना उचित-अनुचित? हमारे तीज-त्यौहार विलुप्त होते जा रहे थे, पर कोरोना काल में ऑनलाइन और सोशल मीडिया ने त्यौहारों में फिर से नई जान डाल दी है। अब हर छोटे-मोटे त्योहार को आधुनिकता का जामा पहनाकर नए रंग-ढंग से मनाने लगे हैं। सोशल मीडिया पर फ़ोटो और वीडियो पोस्ट किए जाते हैं। सभी एक-दूसरे से बढ़-चढ़कर हर त्यौहार को मना रहे हैं। विभिन्न प्रकार के मनोरंजन को त्यौहारों के साथ जोड़ दिया जाता है जिससे मजा दोगुना हो जाता है। नई पीढ़ी में हमारे संस्कार और संस्कृति झलकने लगे हैं पर परिवार और समाज के बड़े-बुजुर्गों को यह बदलाव रास नहीं आ रहा है। आज की युवा पीढ़ी इस बदलाव के कारण ही हमारे रीति-रिवाजों में रुचि ले रही है। एक वर्ग इस परिवतर्तन का विरोध भी कर रहा है। अतः वर्तमान दौर में यह विचारणीय हो गया है कि त्यौहारों को फिर से जीवंत करने के लिए उनके मूलरूप को परिवर्तित करना उचित है या अनुचित? आइये जानें इस स्तम्भ की प्रभारी सुमिता मूंदड़ा से उनके तथा समाज के प्रबुद्धजनों के विचार।

तीज-त्यौहारों के मूलरूप में परिवर्तन करना
उचित अथवा अनुचित?

परिवर्तन भी परम्पराओं को अक्षुण्ण रखने के हित में हो

पिछले कुछ वर्षों से हमारे पारंपरिक त्योहार विलुप्त से होते जा रहे थे। आधुनिकता की ओर बढ़ती नई पीढ़ी को तीज-त्यौहारों को मनाने में बिल्कुल भी रुचि नहीं थी। अब खून में हमारे संस्कारों की पकड़ समझें या घर में बड़े-बुजुर्गों की पैठ कि आज हमारे तीज-त्यौहार आधुनिकता का आवरण ओढ़कर पुर्नजीवित हो रहे हैं। चूँकि सबकी दिनचर्या अतिव्यस्त होने लगी है इसलिए नई पीढ़ी तीज-त्योहारों को अपनी सुविधानुसार परिवर्तित कर मनाने लगी है। त्योहारों को गेट-टूगेदर का रुप देकर मिलने-जुलने का एक नया तरीका निकाल लिया है। किटी-पार्टियों की थीम त्योहारों के अनुसार रखी जा रही है। इन त्योहार थीम पार्टियों के कारण त्यौहार एक दिन में समाप्त ना होकर 15-15 दिन तक चलते रहते हैं। नई-पीढ़ी त्योहारों को पारंपरिक रूढ़िवादी तरीके से ना मनाकर उसे नया आवरण पहनाकर अपनी रुचियों के अनुसार मनचाहा परिवर्तन कर रही है। यही कारण है कि अब उन्हें त्योहार बोझ प्रतीत नहीं होते और उनमें त्योहार मनाने की उत्सुकता भी बढ़ने लगी है। दूसरे शब्दों में कहा जा सकता है त्यौहार मनाने का पारंपरिक तरीका बदलने से हमारे तीज-त्यौहार फिर से जीवंत हो रहे हैं। हाँ इससे फिजूलखर्ची और दिखावे में भरपूर इजाफा हुआ है। कुछेक उच्च धनाढ्यों के तीज-त्योहार तो रंगीनमिजाज भी होने लगे हैं। इससे मूल संस्कारों और पारंपरिक संस्कृति को ठेस पहुंच रही है जो सामाजिक दृष्टिकोण से शर्मनाक और चिंताजनक है। समय के साथ परिवर्तन संसार का नियम है, पर परिवर्तन से हमारे संस्कारों और मूल संस्कृति का अपमान नहीं होना चाहिए। परिवर्तन सदैव परंपराओं को संजोकर अक्षुण्ण रखने के हित में होना चाहिए तभी तो पीढ़ी दर पीढ़ी हमारी धरोहर, हमारे संस्कार, हमारी संस्कृति नया जामा पहनकर भी खिलखिलाते रहेंगे।

❐ **सुमिता मूंधड़ा,** मालेगांव

थोड़ा परिवर्तन अनुचित नहीं

पुराना रिवाज नया अंदाज-थोड़ा तुम बदलो, थोड़ा हम बदले। समय का चक्र जिस तरह घूम रहा है, इस चक्र के साथ हमें भी यदि चलना है तो नई पीढ़ी और पुरानी पीढ़ी दोनों का सहयोग जरूरी है। कई वर्षों से चले आ रहे अपने त्योहारों को पुरानी पीढ़ी ने बहुत ही आदर-सम्मान और एकजुट होकर मनाया हैं। वही आज की पीढ़ी को देखा जाए तो पढ़ाई; व्यस्तता और समय का अभाव इन कारणों से और कई जगह तो नई पीढ़ी ऐसे भी सोचती थी कि जहां अपना गांव में घर है वहां तो सारे रीति रिवाज होते ही है तो हम ना करें तो भी चलेगा। लेकिन जब कोरोना का काल आया और सभी फिर से अपने घर परिवार के साथ रहने लगे तो उन्हें भी त्योहारों में मजा आने लगा। उन्होंने कुछ नए अंदाज मे कुछ परिवर्तन के साथ सारे त्योहारों को खुशी-खुशी मनाया। नई पीढ़ी को उसमें आनंद भी बहुत आया और अब यही सिलसिला वैसे ही नए अंदाज में क्यों ना हो मैं मानती हूं कि रीति-रिवाजों को आगे बढ़ाना और इन त्योहारों के महत्व को पीढ़ी दर पीढ़ी संजोए रखना यह सबसे ज्यादा जरूरी है। नई पीढ़ी इन्हें परिवर्तन करने की कोशिश कर रही है तो इस परिवर्तन में बड़े बुजुर्गों का भी साथ यदि नई पीढ़ी को मिलता है तो यह त्योहार प्रेममय वातावरण में परिवर्तित हो जाएंगे, जिससे परिवार में एकजुटता और प्रेम भी बढ़ेगा।

❐ **पूनम नंदकिशोर जाजू,** मुखेड़, जिला नांदेड (महाराष्ट्र)

रूपांतरण कुछ हद तक उचित

आज की युवा पीढ़ी पाश्चात्य संस्कृति से अत्यधिक प्रभावित है। उन पर पाश्चात्यता या आधुनिकता का रंग कुछ इस प्रकार चढ़ रहा है कि हमारी अपनी भारतीय संस्कृति कहीं विलुप्त होती नजर आ रही है। हमारे तीज-त्योहारों को वे भूलते जा रहे हैं। ऐसे में हमारे तीज-त्योहारों, संस्कृति, संस्कार आदि को जीवंत रखने के लिए रूपांतरण कुछ हद तक उचित है। जब त्योहारों के मूल रूप यानी उनमें छिपी शिक्षा, आस्था, विश्वास, अपनापन, आपसी भाईचारा, स्नेह आदि के साथ कुछ परिवर्तित अंदाज भी शामिल हों तो वे युवा पीढ़ी को अत्याधिक आकर्षित करेंगे, जैसे पारंपरिक उपहार कुछ नई लुभावनी सी सजावट के संग। यदि हम त्योहारों को कुछ रोचक, मनोरंजक बनाएं तो युवा वर्ग अपनी संस्कृति से भी जुड़ेंगे और बिना किसी दबाव के अपने रीति-रिवाज, त्योहारों को सहर्ष अपनाएंगे।

❐ **नेहा चितलांगिया,** मालदा (प. बं.)

समय के साथ चलना आवश्यक है

भारत एक उत्सव प्रधान देश है। हमारी उत्सव प्रियता जग ज़ाहिर है। त्योहार हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं, जिनसे हम भावनात्मक रूप से सपरिवार जुड़ते हैं। त्योहार आते ही घरों की रौनक़ अद्भुत हो जाती है और फिर यदि शहर से दूर पढ़ने या नौकरी करने वाले बच्चे घर आ जायें तो उस वातावरण का कहना ही क्या? युवा पीढ़ी को यदि अपनी संस्कृति, संस्कार और त्योहारों से जोड़े रखना है तो उसके मूल स्वरूप को बनाये रखने के साथ थोड़ा बहुत परिवर्तन करने में कोई हर्ज नहीं। उदाहरण के तौर पर रक्षाबंधन माहेश्वरी परिवारों में ऋषि पंचमी को मनाया जाता है किंतु उस दिन सार्वजनिक अवकाश नहीं होता तो ये त्योहार उसके आस पास आने वाले रविवार को (ऐसा ही भाई दूज का पर्व भी) किसी एक स्थान या तो कोई होटल, गार्डन या रिसोर्ट में सभी बहनों और भाईयों के आर्थिक सहयोग से मना लिया जाता है जिससे अतिरिक्त व्यय भार किसी एक पर नहीं पड़ता और समय की भी बचत होती है। रविवार अवकाश सभी को सुविधाजनक होता ही है। इसी तरह दीपावली पर दीयों के साथ साथ बिजली से चलने वाली लाइटिंग लगाने में बच्चों की मदद ले कर उन्हें उस त्योहार की महत्ता बताई जा सकती है। त्योहार सिर्फ़ तैयारियां नहीं हैं, ये बच्चों को रीति-रिवाज़ और परंपराओं से परिचित कराने के अवसर भी हैं। आपकी एक छोटी-सी कोशिश आपके बच्चे को उसकी संस्कृति की जड़ों से जोड़े रखेगी। जब भी प्रथाओं में कुछ नवीन परिवर्तन होता है तो प्रारंभ में उनका विरोध स्वाभाविक है किंतु उसके दीर्घकालीन परिणाम सकारात्मक होते हैं तो ये विरोध स्वतः ही समाप्त हो जाते हैं। अतः नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति, संस्कार, परम्पराएँ और त्योहारों की धरोहर हस्तरांतरित करने के लिए उसके स्वरूप में थोड़े बहुत परिवर्तन श्लाघ्य हैं।

❐ **मनीषा राठी,** उज्जैन मप्र.

समयानुकूल बदलाव उचित

'फूल की जगह पंखुड़ी हो तो भी अच्छा' यह कहावत तो हम अपने बचपन से ही सुनते आ रहे हैं। यह इस विषय पर भी सार्थक है। आधुनिक युग में तीज त्योहारों के मूल रूप में परिवर्तन तो हुआ है लेकिन यही परिवर्तन अगर युवा पीढ़ी को जोड़ रहा है तो यह उचित है। कुछ नहीं करने से तो अच्छा है कुछ करें, अगर युवा पीढ़ी परिवर्तन के साथ त्योहारों को अपना रही है और उनमें अपनी हिस्सेदारी बढ़ा रही है तो यह समाज के लिए अच्छा है। जब वह तीज त्योहार को मनाएँगे, बड़ों के साथ रहेंगे, तो उनकी सोच में भी परिवर्तन आएगा। वह धीरे-धीरे ही सही और परिवर्तनों के साथ ही सही लेकिन अपने रीति-रिवाजों को अपनाएंगे। उन्हें अपनी समृद्ध विरासत और तीज त्योहार के पीछे का विज्ञान भी पता चलेगा तो वह भी अपनी इस परंपरा को गर्व से अपनाएँगे। आधुनिक युग की आपाधापी में सभी त्योहारों को मूल रूप से मनाना आज की युवा पीढ़ी के लिए संभव नहीं है लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि वह परिवर्तन के साथ अपनाएँ तो वह गलत है। हमारे ग्रंथ और पुराण समय से बहुत पहले की सोच लेकर लिखे गए हैं। तब त्योहारों की जो परंपराएं बनी वह उस समय के हिसाब से बनी हुई थी वो आज के समय में प्रासंगिक नहीं है तो बदलाव के साथ अपनाना सवर्था उचित है।

❐ **विनीता काबरा,** जयपुर

परम्परागत तरीका ही उचित

भारत विविध त्योहारों का देश है। त्योहार हमारे जीवन में बहुत खुशियाँ लाते है। पर्व हमारी संस्कृतिक चेतना के वाहक है। हमे आज की युवा पीढ़ी को अपने मूल्य, संस्कारो, रीति-रिवाज से अवगत भी कराना जरूरी है। त्यौहार हम सभी को करीब लाते हैं। एक दूसरे के प्रति प्रेम भाव जगाते है। परिवर्तन शाश्वत है लेकिन अपनी परम्परागत व त्योहार का भी नई पीढ़ी को ज्ञात कराना जरूरी है। त्योहार मनाने का उद्देश्य है कि बच्चों को समाज, धर्म की जानकारी हो। त्योहार मनुष्य के जीवन को हर्षोल्लास से भर देते है। त्योहार से जीवन की नीरसता समाप्त होती हैं और उसमें नवीनता व सरसता का संचार होता हैं। हमारे त्योहार, हमारी संस्कृति, परंपरा व समाज सभ्यता के प्रतीक हैं। जिनका उल्लेख धर्मग्रंथों, धर्मसूत्र और आचार संहिता से मिलता है। त्योहार के दिन हम अपने बुजुर्गो के चरण स्पर्श कर प्रणाम करते थे ताकि उनकी ऊर्जा के साथ हमें आशीर्वाद भी मिलता था। उससे अपने जीवन की कठिनाइया दूर होती थी। अभी सारी औपचारिकता फोन पर पूरी करते है। परंपरागत तरीकों की जगह तीज त्यौहार में दिखावा हावी ना होने दें। परम्पराएं हमारे पूर्वजों की धरोहर है उसे हमे जिंदा रखना है। हमारी परम्परा हमारे संस्कारो को पोषित करती है। परम्परागत तीज त्यौहारों से हमारी संस्कृति और धार्मिक परम्परा का अविरल प्रवाह बहता रहता हैं।

❐ **अनिता ईश्वरदयाल मंत्री,** अमरावती

समय अनुरूप थोड़ा बदलाव अपेक्षित

हमारी संस्कृति, हमारी धरोहर, हमारे तीज त्यौहार, संपूर्ण विश्व में सबसे अलग है। इन्हीं त्योहारों के माध्यम से ही हम अपनी संस्कृति से जुड़े रहते है। वर्तमान में तीज त्यौहार के नाम पर बहुत अधिक दिखावा किया जाने लगा है, जो अनुचित प्रतीत होता है, क्योंकि इससे कहीं न कहीं उस त्यौहार को मनाने की सही वजह कहीं खो जाती है। हां थोड़ा बहुत बदलाव समय के अनुरूप होना भी गलत नही है। जहां युवा पीढ़ी अपने काम में व्यस्त रहते है तो वे त्योहारों के बहाने थोड़ा आनंद लेना चाहते है। वजह चाहे कुछ भी हो, जरूरत है अधिकाधिक तीज त्योहारों को मनाने की, ताकि हम अपनी संस्कृति से जुड़े रहे, क्योंकि युवा पीढ़ी जहां पाश्चत्य संस्कृति की ओर मुड़ चुकी है। आवश्यक है कि वो किसी भी रूप में ही सही, अपने तीज त्यौहार मनाऐं।

❐ **नेहा बिनानी,** मुंबई

आप भी दे सकते है मत-सम्मत के लिये विषय

''**मत-सम्मत**'' सामाजिक समस्याओं पर चिंतन का ''**श्री माहेश्वरी टाईम्स**'' का एक महत्वपूर्ण स्तम्भ है। इसके द्वारा न केवल सम्बंधित विषय पर प्रबुद्ध पाठकों के विचार व सुझाव ही प्राप्त होते हैं, अपितु यह पाठकों को विचार-विमर्श का ''**एक मंच**'' भी प्रदान करता है। अतः पाठकों से निवेदन है कि यदि मत-सम्मत में विचारों का पक्ष-विपक्ष रखने योग्य आपके पास कोई सामाजिक विषय हो तो हमें अवश्य प्रेषित करें। इस विषय पर भी विचार आमंत्रित होंगे। विषय का अंतिम चयन सम्पादक मंडल का होगा, जो सर्वमान्य होगा।

सम्पादक

मूल रूप ही संस्कृति की धरोहर

तीज-त्योहार हमारे जीवन के क्षणो को हर्षोल्लास से भर देते हैं। इनका आगमन जीवन में नीरसता को फटकने नहीं देता है और हमारे अनमोल क्षणो को स्वर्णिम बना देता है। हर युग में तीज-त्योहार का स्वरूप बदलता है, किन्तु त्योहारो का मूलरूप बरकरार रखना हमारी जिम्मेदारी है। आजकल के युग में तीज-त्योहार अनोखे अंदाज से मनाऐ जाते हैं, जो मन को लुभाते भी हैं। लेकिन आजकल लोग सोशल मीडिया के चक्कर में तीज-त्योहार को रंगारंग बना रहे हैं, जिससे तीज-त्योहार का आकर्षण और शोरगुल दुगुना हो गया है। किन्तु उनका मूलरूप विलुप्त होता जा रहा है, जिनका उन्हें एहसास ही नहीं है। बच्चे तीज-त्योहार के मूलरूप से दूर होते जा रहे है। तीज-त्योहार का मूलरूप ही हमारी संस्कृति की धरोहर है। इनका खत्म होना धरोहर का खत्म होना है, जो कि चिंतनीय है। इसका ख्याल हर पीढ़ी को रखना होगा। हर पीढ़ी में तीज-त्योहार के बदले रूप से तीज-त्योहारो की रौनक दुगनी होती है। युवा पीढ़ी भी बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेती है, जो की प्रसंशनीय है। हमें युवा पीढ़ी को भी समझाना होगा। अगर तीज-त्योहार के अनोखे अंदाज में मूलरूप का तड़का लग जाए तो, बड़े-बुजूर्ग भी तीज-त्योहार के अनोखे अंदाज को दिल से स्वीकार करेंगे। दोनो पीढ़ी के नाच-गान और मस्ती से तीज-त्योहारो की छटा व माहौल रंगारंग बन जाऐगी।

❐ **किरण कलंत्री,** रेनुकूट (उ.प्र.)

परिवर्तन संसार का नियम

त्योहार ही हमारी संस्कृति की मुख्य आधारशिला हैं, इससे ही हमारी खुशियों की बगिया महकती है। त्यौहार पारंपरिक रूप से मनाओ या आधुनिक, मनाना जरूरी है। कोरोना काल से त्योंहारों को मनाने में कुछ बदलाव जरूर आया है। चाहे दिवाली मिलन हो, या महेश नवमी, हम ऑनलाइन के जरिये समाज से जुड़े हैं। आज की युवा पीढ़ी त्योंहारो को आधुनिकता से मनाने में राजी है। तो हम क्यों न स्वीकार करें? हमारी युवतियाँ तीज गणगौर सबके साथ मना रही हैं, बिंदोरे में जाना, गड्डुले सजाना, चाहे रिल्स विडीयो बनाने के लिये ही क्यों न हो, वह परंपरागत तरीके से पूजा पाठ करती है, गणगोर के गीत गाती है, मेहंदी लगवाना, घागरा ओढणा में सजना, सबसे मिलना जुलना सब करती है। चाहे आधुनिकता से क्यों न हो, तीज त्योंहारो से जुड़ी तो हैं। बुजुर्गो ने भी तो मिट्टी का चूल्हा छोड़ गैस अपनाया, बावडी का पानी छोड़ केन का पानी पीया, घट्टी का पिसा आटा छोड़ रेडीमेड आटा लाना चालू किया। धीरे-धीरे वह आधुनिकता से समरस हो जायेंगी। यदि हम परंपरागत तरीके से त्यौहारों को जीवित रख मनायेंगे तो हमारे युवाओं को रास नहीं आयेंगे। वह इनमें रूचि लेने के बजाय अलग रहना चाहेंगे। हमें आधुनिकता की डोर पकड़कर रीति रिवाज का संगम कर संस्कृति को संजोना है, चाहे परिवर्तन क्यों न करना पडे, क्योंकि परिवर्तन तो संसार का नियम है।

❐ **छाया राठी,** यवतमाल

श्री माहेश्वरी टाईम्स

का आगामी विशेषांक होगा समाज का गौरवशाली संस्कृति को समर्पित

महेश नवमी विशेषांक

इसमें ऐसे संग्रहणीय आलेख होंगे जो बनाऐंगे इसे अनमोल

विज्ञापन दर

कव्हर पृष्ठ 2 / 3	₹ 25,000/-
पूर्ण पृष्ठ	₹ 17,500/-
आधा पृष्ठ	₹ 10,000/-
एक तिहाई	₹ 5,000/-
स्ट्रीप	₹ 3,000/-

व्यवसाय को भी दे सकते हैं ख्याति

यदि आप व्यवसायी हैं और चाहते हैं, देना अपनों को इस पावन पर्व की बधाई तो आप इस विशेषांक में विज्ञापन प्रकाशित करवा कर प्राप्त कर सकते हैं दोहरा लाभ। आपके प्रतिष्ठित प्रतिष्ठान का यह विज्ञापन आपके अपनो को शुभकामनाएँ तो दिलवाएगा ही साथ ही आपके प्रतिष्ठित प्रतिष्ठान को ख्याति भी दिलवाएगा।

SRI MAHESHWARI TIMES

90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah) Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010

Mo. : 94250-91161 ■ E-mail : smt4news@gmail.com

माहेश्वरी समाज की सबसे पुरानी
और सफल वैवाहिक सेवा

www.maheshwari.org

हमारी अन्य सेवाएं
www.jain2jain.org
www.agarwal2agarwal.org

निःशुल्क
पंजीकरण
9312946867

आपणी बोली

- स्वाति जैसलमेरिया, जोधपुर

चाले तो जुबान और कुटिजे सिर

खम्मा घणी सा हुकुम आज आपा बात कर रियाँ हां जीवन मे केड़ा उतार-चढ़ाव आवे... या बात अबार राजनीति में राहुल गांधी पर देखण ने मिल रईं है। सता परिवर्तन रो बड़ो उदाहरण देखण ने मिल रियो है... हुकुम कोई भी क्षेत्र हो अप्स एंड डाउन हर व्यक्ति रे जीवन मे आवें। राहुल गांधी चर्चा रो विषय बणियो क्योंकि देश रा बड़ा राजनैतिक घराणे सूं है साथे खुद भी वर्षों सूं राजनीति में सक्रिय है। अबार राहुल गांधी री कुंडली मे एड़ा ग्रह योग बणिया है कि राहुल गांधी रो केरियर तो बर्बाद हुयो.. वाणे साथियों री नैया भी डूबगी है ।

राहुल गांधी अब सांसद नहीं रिया या बात पूरे देश ने ध्यान है। हुकुम इनो कारण..?

शब्दो रो गलत चयन.. एड़ा एक बार नहीं कई बार विवादित बयान दिया जिने देश री जनता स्वीकार नहीं कर पाई। सच कहूं तो हुकुम वाणे बयानों ने कदैई भी एक गंभीर सुलझियोड़ो नेता बणा ही नहीं पायों। आज पूरी कांग्रेस पार्टी डूबती नजर आ रई है और आज स्थिति एड़ी हुगी है कि राहुल गांधी रा बयान मनोरंजन रूप सूं सोशल मीडिया रे माध्यम सूं जनता सुण रई है। हुकुम सालों री बनयोड़ी साख अगर खत्म हुवें तो जुबान लारे हुवे। कोई ज्ञानी ठीक कहयों है ढाई इंच री जुबान छः फुट रे इंसान ने हिला ने रख देवे हुकुम जीभ ज़रा भी टेढ़ी चाल जावें... पछे तो कांई केवणो, एक कहावत है कि 'खावै सुअर और कुटीजै पाड़ा' कहावत पूरी होवते देर नहीं लागे। चाले तो जुबान और कुटिजे सिर। इण वास्तें जुबान पर लगाम लगाने राखणों ज़रूरी है।

हुकुम हर इंसान ने पद री गरिमा बणाने राखणी चईजे। विनम्र भाषा ही आपरी गरिमा ने बढ़ावें ।

राहुल गांधी री या गलत बोलण री सज़ा सूं कई अन्य नेता जरूर सीख ले लेवेला कि कदैई किन्ही घणी बुराई करण री बजाय अच्छा काम करने दिखावों की जनता आपरी सराहना करने आपने एक विशिष्ट जगह देवें।

राहुल गांधी छह मंत्रियों और सत्तारूढ़ सांसदों रे खिलाफ जो आरोप लगायो है उन आरोपों रो जवाब देणों निश्चित रूप सूं बणे क्योंकि भारत विश्व रो सबसूं बड़ों लोकतंत्र देश है और ऊनी मर्यादा रो पालन करणों ही पड़ेला वरना भारतीय लोकतंत्र सूं आम लोगो रो विश्वास हट जावेला ।

मुलाहिजा फ़रमाइये

ज्योत्सना कोठारी
मेरठ

- रेगिस्तान भी हरे हो जाते हैं!
  जब 'अपने' साथ 'अपने' खड़े हो जाते हैं..!
- सुकून से जीना है तो तमन्नाओं को मारना होता है,
  जिंदगी की जंग जीतना हो तो अपनों से हारना होता है।
- ज़रा पाने की चाहत में बहुत कुछ छूट जाता है,
  नदी का साथ देता हूं, समंदर रूठ जाता है।
- या तो भीड़ में शामिल हो जा,
  या फिर खुद को हासिल हो जा।
- इबादत एक मुकाम तक ले जाती हैं..
  आगे दीवानगी रास्ता दिखाती है !
- हम बुजुर्गों की दुआओं के खजाने वाले,
  हर घड़ी मांगने वालों से घिरे रहते हैं।
- ज़ुबान कड़वी सही मेरी, मगर दिल साफ़ है...
  कब कौन कैसे बदला, सबका हिसाब है...

कार्टून कौतुक

खुश रहें - खुश रखें

बीमारियां किसी को भी हो सकती हैं, शरीर को सुरक्षित रखने के लिए व्यायाम जरूर करना चाहिए

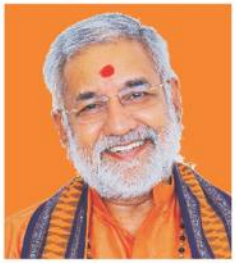

पं. विजयशंकर मेहता
(जीवन प्रबन्धन गुरु)

कहानी - जून 1902 में स्वामी विवेकानंद ने अपने एक शिष्य को पत्र लिखा था। उसमें अपनी सेहत को लेकर बात की थी। स्वामीजी ने लिखा था कि ''मेरा किस्सा पूरा भया, नटे पौधा ढहा'' यानी अब इस जीवन को समेटने का समय आ गया है।

अंतिम समय में स्वामीजी ने अपने शिष्यों से कहा था कि एक के बाद एक कई बीमारियां मेरे शरीर में उतर आई हैं। मेरी सेहत तेजी से टूट रही है। बीमारियों की वजह से कभी-कभी गुस्सा भी आ जाता है, लेकिन तुरंत मैं अपने आप को शांत भी कर लेता हूं।

स्वामी विवेकानंद ने जिस शरीर से पूरी दुनिया नापी थी, पूरी दुनिया को मानवता की सीख दी, वही शरीर अंतिम समय में इतना लाचार हो गया था। उन्हें सांस लेने में असहनीय तकलीफ होने लगी थी। वे कई तकियों को इकट्ठा करके अपनी छाती के आगे लगा लेते थे और आगे की तरफ झुककर बड़ी तकलीफ से सांस ले पा रहे थे।

स्वामीजी अंतिम दिनों में कहा करते थे कि चलो मृत्यु आ भी रही है तो क्या फर्क पड़ता है? मैं जो देकर जा रहा हूं, वह डेढ़ हजार वर्षों की खुराक है। गुरु महाराज का मैं ऋणी था। मैंने अपना काम कर दिया है। अब आगे की व्यवस्था तुम लोग संभालो।

सीख - जाते-जाते स्वामी विवेकानंद हमें समझा गए कि इस शरीर का भी ध्यान रखना है। बीमारियां किसी को भी हो सकती हैं शरीर को सुरक्षित रखने के लिए हर रोज व्यायाम जरूर करें, क्योंकि ये शरीर एक दिन अपनी कीमत जरूर वसूलता है।

जल देवता

वेद-पुराण-कुरान-बायबिल सहित सभी धर्मग्रन्थों ने भी कहा है- 'जल है तो कल है'। इन्हीं सन्दर्भों से सन्दर्भित **डॉ. विवेक चौरसिया** के जल पर केन्द्रित लेखों का संग्रह 'जल देवता'.

जिनमें आप पायेंगे न सिर्फ भारतीय संस्कृति बल्कि सम्पूर्ण विश्व ने स्वीकारी है जल की महत्ता.

Rs. 150/-
डाक खर्च सहित

खूबसूरती से जीएँ 55 के बाद

55 के बाद की जिन्दगी सपनों का अन्त नहीं बल्कि उन्हें साकार करने का स्वर्णिम समय है. बस इसके लिए जरूरी है खूबसूरती से जीना कैसे जीएँ... इसी के सूत्र बताती है

डॉ. एच.एल. माहेश्वरी की पुस्तक ''खूबसूरती से जीएँ 55 के बाद''.

Rs. 120/-
डाक खर्च सहित

ऋषि मुनि प्रकाशन

आपसे कहा जाता है -

- संकट निवारण हेतु पानी में नारियल बहा दें।
- सांप दिखे तो काम टालें।
- नल को पानी टपकता न छोड़ें।

... और भी बहुत कुछ **तो फिर...**

ऐसा क्यों?

aisa kyon

जिसमें छुपा है आपके हर क्यों का जवाब

प्रश्न उठना स्वाभाविक है - ''ऐसा क्यों?'' लेकिन इसका उत्तर देगा कौन? **इसका उत्तर देगी गहन अध्ययन से संजोई पुस्तक**

Rs. 100/-
डाक खर्च सहित

90, विद्यानगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.) फोन - 0734-2526561, 2526761, मो. 094250-91161

KHANA KHAZANA

मैंगो लस्सी

गर्मी का मौसम है,आम की बाहर है। तो चलिए आज हम ठंडक देने वाली बढ़िया आम लस्सी सीखते हैं।

सामग्री :

ताजा गाढ़ा दही एक कप, ताजा दूध (कच्चा बिना - उबला हुआ) एक कप, ताजी क्रीम की मलाई 2 टेबलस्पून, चीनी 3 टेबलस्पून, केशर चुटकी भर, नमक चुटकी भर, बर्फ आवश्यकतानुसार, मैंगो पल्प 2 कप ।

विधि :

सभी सामग्री को अच्छी तरह से मिलाकर लस्सी बनाइए ऊपर से थोड़ा केसर डालकर सजा के पेश कीजिए।

इसी तरह से आप संतरे का पल्प डालकर संतरा लस्सी भी बना सकते हो।

शेफ पूनम राठी, नागपुर
विविधा कुकिंग क्लासेस
9970057423

राशिफल संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद)
फोन : 0734-2515326

मेष

मेष राशि के जातकों के लिए यह महीना शिक्षा के दृष्टिकोण से अत्यंत संतुलित रहेगा। व्यवसायिक दृष्टिकोण से यह महीना ज्यादा बेहतर नहीं रहेगा। महीने के दूसरे सप्ताह के पश्चात कार्यक्षेत्र में अनुकूल जावेगी एवं कैरियर एवं कार्य क्षेत्र में आ रही दिक्कतों से बाहर आने का अवसर मिलेगा। नौकरी के क्षेत्र में कार्यरत जातकों को लाभ होगा। प्राइवेट सेक्टर में काम करने वाले जातकों के परिवर्तन योग भी बनेंगे। आर्थिक दृष्टि से यह महीना ग्राफ को ऊपर नीचे ले जाने वाला साबित होगा। पाचन से संबंधित समस्याएं हो सकती है। बिना बात के भय लगने की समस्या हो सकती है। पारिवारिक जीवन सामान्य रहेगा।

वृषभ

कार्य क्षेत्र की दृष्टि से वृषभ राशि के जातकों के लिए यह महीना परिश्रम की मांग करता है। कार्य क्षेत्र में कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। लाभ होने में थोड़ा विलंब होगा। अनचाहा ट्रांसफर भी आपका हो सकता है। स्वास्थ्य की दृष्टि से यह महीना वृषभ राशि के लिए सामान्य रहेगा। पारिवारिक दृष्टि से चल-अचल संपत्ति से संबंधित वाद-विवाद परिवार में हो सकते हैं। मनमुटाव की स्थिति बन सकती है। परिवार के लोगों के साथ गहरी सहानुभूति के साथ चलना पड़ेगा।

मिथुन

कार्य क्षेत्र की दृष्टि से मिथुन राशि के जातकों के लिए यह महीना श्रेष्ठ साबित होने वाला है। बेरोजगार जातकों को रोजगार मिलने की संभावना रहेगी। इसके अलावा जो जातक पहले से कार्यरत हैं, उनका प्रमोशन होगा। व्यापारी वर्ग के व्यापार में वृद्धि हो। आर्थिक दृष्टि से खर्च बढ़ा हुआ रहेगा। विशेषकर बच्चों पर खर्च हो जाएगा। धार्मिक अनुष्ठान इत्यादि में दान देंगे। स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा। कंधे में दर्द की शिकायत हो सकती है। पारिवारिक जीवन मधुर रहेगा। जिन जातकों का विवाह नहीं हुआ है, उनके विवाह के योग बनेंगे।

कर्क

कर्क राशि के जातकों के लिए यह महीना कुछ चुनौतीपूर्ण रहेगा। कार्यक्षेत्र में जो सफलता की अपेक्षा कर रहे हैं उसे मिलने में अभी देर है। नौकरी में जो जातक है उनके कार्यक्षेत्र परिवर्तन की संभावना है। आपको सलाह दी जाती है कि इस महीने में परिवर्तन के बारे में न सोचे तो अच्छा है। व्यापारी जातकों को उनके प्रतिस्पर्धी कड़ी टक्कर देंगे। आर्थिक दृष्टिकोण से यह महीना कोई विशेष लाभ लेकर नहीं आ रहा है। स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से माता के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। दातों और आंखों से संबंधित कष्ट जातक को हो सकता है।

सिंह

आर्थिक दृष्टिकोण से सिंह राशि के जातकों के लिए यह महीना उत्तम साबित होगा। नौकरी पैसा जातक अपने कार्य क्षेत्र में संतुष्ट रहेंगे एवं व्यापारी वर्ग अपने व्यापार में बढ़ोतरी करेगा। आर्थिक दृष्टि से भी यह महीना उत्तम रहेगा। नये भौतिक साधनों की प्राप्ति सम्भव है। स्वास्थ्य की दृष्टि से ऊर्जा संपन्न बने रहेंगे। अनुकूलता से उत्साह का भाव रहेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा लेकिन ध्यान रखना जरूरी है। पारिवारिक माहौल मधुर रहेगा।

कन्या

कार्य क्षेत्र की दृष्टि से यह महीना उत्साहवर्धक एवं ऊर्जावान रहेगा। जो जातक नौकरी पेशा हैं, वह अपने कार्य को विधि सम्मत तरीके से करें। वरिष्ठ अधिकारियों से बहस करने या विवाद करने का समय अभी नहीं है। व्यापार करने वाले जातक व्यापार की बढ़ोतरी करेंगे। आर्थिक दृष्टिकोण से यह महीना अत्यंत खर्चीला साबित होने वाला है, आप चाह कर भी खर्च को रोक नहीं पाएंगे। स्वास्थ्य की दृष्टि से पाचन संस्थान से संबंधित बीमारियां और सिर दर्द परेशान कर सकता है। पारिवारिक माहौल सहयोग पूर्ण रहेगा।

तुला

इस महीने में लाभ और हानि की दोनों परिस्थितियां आकस्मिक रूप से बन सकती है। नौकरी पेशा जातकों को चाहिए कि वह अपने सीनियर से वाद-विवाद से बचें एवं व्यापारी वर्ग के जातकों को अपने सहयोगियों पर पैनी नजर रखना चाहिए। कार्य क्षेत्र में आने वाली दिक्कतों से बचने के लिए पहले से ही उचित योजना का क्रियान्वयन कर देना चाहिए। आर्थिक दृष्टि से यह महीना उतार-चढ़ाव भरा रहेगा। अपने खर्च की प्राथमिकताओं को ठीक से पहचान कर निर्णय लेना उचित रहेगा। इस महीने आपको अज्ञात भय सताता रहेगा। पाचन संस्थान से संबंधित दिक्कत आ सकती है। परिवार में अनावश्यक वाद-विवाद से बचें।

वृश्चिक

वृश्चिक राशि के जातकों के लिए कार्य क्षेत्र की दृष्टि से यह महीना आलस्य एवं कार्यों को पेंडिंग में डालने वाली प्रवृत्ति का रहेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावट आवेगी जिसका उत्तरदायित्व आप स्वयं पर रहेगा। कृपया अपने कार्य के प्रति नियमित एवं सजग रहें। आर्थिक दृष्टिकोण से यह महीना खर्चीला साबित होगा। स्वास्थ्य की दृष्टि से यह महीना उत्तम रहेगा। घुटने के जोड़ में दर्द संभावित है। पारिवारिक एवं दांपत्य जीवन में विवाद के अवसर टालने की आवश्यकता है।

धनु

धनु राशि के जातक चाहे वह व्यापारी हों या नौकरी पेशा दोनों ही के लिए यह महीना अत्यंत सुखद साबित होगा, जो जातक विदेश में नौकरी करना चाहते हैं या अपने व्यापार की वृद्धि विदेश में करना चाहते हैं, उनके लिए यह अनुकूल समय है। आर्थिक दृष्टिकोण से भी आपके निर्णय सही साबित होंगे। स्वास्थ्य की दृष्टि से आप अपने आपको ऊर्जावान महसूस करेंगे। उत्साह बना रहेगा। नवीन कार्य योजनाएं क्रियान्वित होंगी। पारिवारिक एवं दांपत्य जीवन मधुर रहेगा।

मकर

मकर राशि के जातकों के लिए यह महीना कार्य क्षेत्र की दृष्टि से मिले जुले परिणाम वाला रहेगा। बहुत समय से रुका हुआ कार्य अवश्य पूर्ण हो सकता है। नौकरी पेशा जातकों के लिए यह महीना संतोषप्रद रहेगा। आर्थिक गति से व्यापारी वर्ग के लिए धन कमाने में अतिरिक्त चरण की आवश्यकता पड़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। जीवन साथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी।

कुम्भ

कुंभ राशि के जातकों के लिए यह महीना चुनौतीपूर्ण रहने की पूरी संभावना है। साझेदारों से कम बनेगी। धोखा संभावित है। नौकरी पेशा जातकों के सीनियर से विवाद संभावित हैं। इन सबके प्रति सजग रहें। आर्थिक दृष्टिकोण से धन के प्रति सजग रहें। नुकसान की संभावना है। पारिवारिक जीवन की दृष्टि से परिवार में वैचारिक तालमेल की संभावना कम रहेगी। आपको चाहिए कि दूसरों की सलाह सहानुभूतिपूर्वक सुनें एवं अपनी बात मनवाने के लिए किसी के ऊपर दबाव ना बनावें। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा।

मीन

मीन राशि के जातक चाहे व्यापारी हों या नौकरी पेशा दोनों के लिए यह महीना चुनौतीपूर्ण रहेगा। विशेषकर कार्य क्षेत्र की दृष्टि से। सहयोगियों से वाद-विवाद व अधिकारी वर्ग से वाद-विवाद संभावित है। कृपया इसके प्रति सजग रहें। आर्थिक दृष्टि से भी यह महीना उतार-चढ़ाव से भरा रहेगा। आकस्मिक खर्च आते रहेंगे। स्वास्थ्य की दृष्टि से श्वसन संस्थान से संबंधित बीमारियां एवं जोड़ दर्द परेशान कर सकते हैं। पारिवारिक जीवन मध्यम रहेगा।

सही जन्मकुण्डली ही बता सकती है सही भविष्य

अब जन्मकुण्डली की सूक्ष्म-गणनाओं के लिये परेशान होने की जरूरत नहीं

भारत के प्रख्यात ज्योतिष विदुषियों द्वारा प्रमाणित सॉफ्टवेयर द्वारा ज्योतिष पत्रिकाओं में अग्रणी जिनमें निम्न गणनाएं उपलब्ध हैं -

12 ग्रहों की स्थिति, उनके विवरण, षोड्ष वर्ग, सुदर्शन चक्र, मैत्री चक्र, षडबल एवं भावबल, प्रस्तारक अष्टक वर्ग सारिणी, अष्टक वर्ग सारिणी, विशोंतरी दशा, महादशा, प्रत्यंतर दशा एवं सुक्ष्म दशा सहित, कृष्णमूर्ति पद्धति, ग्रहों के उप स्वामी, ग्रहों की स्थिति लग्नानुसार, जेमिनी पद्धति, योगिनी दशा, वर्षफल, वैदिक ग्रंथों के अनुसार नक्षत्र फल, साढ़े साती विवरण एवं उनके उपाय, रत्न विचार एवं समस्याओं पर उपचार, योग संग्रह, कुण्डली योग का विवरण, परिणाम सहित कुण्डली मिलान, किसी भी ग्रह का किसी भी राशि अथवा अंश में किसी भी तिथि के पश्चात गोचर देखने की सुविधा।

ऋषि मुनि
वैदिक सॉल्युशन्स

90, विद्या नगर, साँवेर रोड़, उज्जैन (म.प्र.)
94250 91161 rishimuniprakashan@gmail.com

Aditya Birla Group: Making a life changing difference

We work in 7,000 villages. Reach out to 9 million people. A glimpse:

HEALTHCARE

Over 100 million Polio vaccinations

5,000 Medical camps / 22 Hospitals: 1 million patients treated

Over 75 deaf and mute children moved from the world of silence to the sound of music through the cochlear implant.

Reach out to over 4,000 children. Extending financial support for the chemotherapy sessions. Encouraging them in a holistic manner to get back quickly on the road to recovery.

Engaged in prevention of cervical cancer through the administration of the HR-HPV vaccine in Maharashtra. Over 4,000 girls have been vaccinated.

More than 6,600 persons had their vision restored through the Vision Foundation of India

100,000 persons tested on 32 health parameters through HealthCubed

EDUCATION

Our 56 schools accord quality education to 46,500 students

Mid-day meals provided to 74,000 children

Solar lamps given to 4.5 lakh children in the hinterland

Foster the cause of the girl child through 40 Kasturba Gandhi Balika Vidyalayas

SUSTAINABLE LIVELIHOODS

100,000 people trained in skill sets

45,000 women empowered through 4,500 SHGs

200,000 farmers on board our agro-based training projects

And much more is being done through the Aditya Birla Centre for Community Initiatives and Rural Development, spearheaded by Mrs. Rajashree Birla. Because we care.

NUMBERS MEAN A LOT
BUT A SMILE MEANS EVERYTHING!

ADITYA BIRLA GROUP
Engage. Uplift. Empower

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2023-2025
Despatch Date - 02 May, 2023

If Undelivered Please Return To
SRI MAHESHWARI TIMES
90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah)
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
Ph. : 0734-2526561, 2526761 , Mo. : 94250-91161
E-mail : smt4news@gmail.com